1 सितंबर 2025
सोमवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

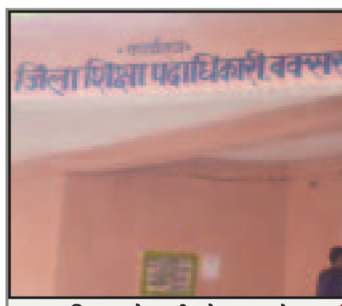

आखिर क्यों नहीं छोड़ रहा है स्थापना डीपीओ विष्णुकांत राय का बक्सर मोह

3

समुद्री युद्ध क्षमता में होगा इजाफा, एक लाख करोड़ से नौ पनडुब्बियां खरीदेगा भारत

एजेंसी/नई दिल्ली

चीन की बढ़ती नौसैनिक ताकत के मद्देनजर भारत हिंद महासागर में अपनी समुद्री युद्ध क्षमताओं में लगातार इजाफा कर रहा है। इसी के तहत अगले साल के मध्य तक एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के दो बड़े पनडुब्बी सौदों को अंतिम रूप दिया जा सकता है।आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पहली परियोजना तीन स्कॉर्पीन पनडुब्बियों की खरीद की है। इस पर बातचीत चल रही है। इनका निर्माण सरकारी कंपनी मझगांव डॉक लि. (एमडीएल) व फ्रांसीसी कंपनी नेवल ग्रुप की ओर से संयुक्त रूप से किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने करीब 36,000 करोड़ रुपये के इस सौदे को दो वर्ष पहले मंजूरी दे दी थी, पर परियोजना के विभिन्न तकनीकी और वाणिज्यिक पहलुओं को अंतिम रूप देने के लिए बातचीत में देरी हुई है। रक्षा मंत्रालय की जिस दूसरी परियोजना पर नजर है, वह लगभग 65,000 करोड़ की लागत से छह डीजल-इलेक्ट्रिक स्टील्थ पनडुब्बियों की खरीद है। इस खरीद को मंत्रालय ने 2021 में ही मंजूरी दी थी। अग्रणी जर्मन जहाज निमार्ता कंपनी थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स ने छह डीजल-इलेक्ट्रिक स्टील्थ पनडुब्बियों से जुड़ी परियोजना के लिए मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लि. के साथ साझेदारी की है। इसे हाल के वर्षों में सबसे बड़ी मेक इन इंडिया पहल में से एक बताया जा रहा है। दोनों परियोजनाओं के तहत पनडुब्बियों की आपूर्ति अनुबंध पर हस्ताक्षर होने के लगभग छह वर्ष बाद शुरू होगी। चीनी नौसेना के तेजी से आधुनिकीकरण की पृष्ठभूमि में, भारत सरकार ने परमाणु और पारंपरिक दोनों तरह की कई पनडुब्बी परियोजनाओं को मंजूरी दी है। हालांकि, भारत को अपने हित के क्षेत्र में चीन और पाकिस्तान, दोनों का मुक्काबला करने के लिए वांछित क्षमताओं का तेजी से विकास करना होगा। भारतीय नौसेना अगले दशक में अपनी लगभग 10 पनडुब्बियों को चरणबद्ध तरीके से हटा सकती है और उसी समय-सीमा में उन्हें बदलने की आवश्यकता होगी।

दुर्गम क्षेत्र में तकनीक के साथ सेना का सफल युद्धाभ्यास

भारतीय सेना ने अरुणाचल प्रदेश के कामेंग क्षेत्र में ऊंचाई वाले दुर्गम इलाकों और कठिन मौसम में अपनी लड़ाकू तैयारियों को परखने के लिए बड़ा सैन्य अभ्यास किया। यह अभ्यास शनिवार को पूरा हुआ। रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने बताया कि युद्ध कौशल 3.0 नाम के इस अभ्यास ने सेना की उभरती तकनीकों जैसे ड्रोन, सटीक हथियार और मल्टी-डोमेन ऑपरेशन की क्षमताओं को मजबूत किया है। अभ्यास के दौरान ड्रोन से निगरानी, रियल-टाइम लक्ष्य पहचान, सटीक हमले, एयर-लिटोरल डॉमिनेंस और युद्धक्षेत्र में तालमेल का बेहतरीन प्रदर्शन किया गया। इसमें तकनीक और सैनिकों की पेशेवर क्षमता का शानदार संगम दिखा। अभ्यास की खासियत नई गठित अश्नि प्लाटून का संचालन था, जिसने अगली पीढ़ी की तकनीक को पारंपरिक सैन्य कौशल के साथ जोड़कर भविष्य की जंग में निर्णायक बढ़त हासिल करने का उदाहरण पेश किया। लेफ्टिनेंट कर्नल रावत ने कहा कि अभ्यास में भारतीय रक्षा उद्योग की सक्रिय भागीदारी रही। इससे स्पष्ट हुआ कि स्वदेशी रक्षा नवाचार अब सीधे युद्ध क्षेत्र में फायदा पहुंचा रहे हैं। इस अभ्यास ने न सिर्फ ऊंचाई और कठिन मौसम में सेना की तैयारी को साबित किया बल्कि यह भी दिखाया कि सेना नई तकनीक अपनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

पुंछ में सुरक्षाबलों ने दो आतंकवादियों को दबोचा, एके -47 और हैंड ग्रेनेड बरामद

एजेंसी/नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में सुरक्षाबलों ने बड़ी सफलता हासिल की। मंडी सेक्टर से दो आतंकवादी गिरफ्तार, एके-47 राइफल और ग्रेनेड बरामद। पूछताछ में कई सुराग मिले। आंतवादियों के खिलाफ सुरक्षाबलों ने बड़ी कार्रवाई की है। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के मंडी सेक्टर में सुरक्षाबलों ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक अङ-47 और एक हैंड ग्रेनेड बरामद किया गया है। पुंछ पुलिस ने इस बात की जानकारी दी है कि आतंकियों की गिरफ्तारी के बाद इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। इस दौरान पुलिस ने छापेमारी भी की। सबसे पहले आजमाबाद इलाके में एक घर पर दबिश दी गई, जहां से स्थानीय निवासी तारिक शेख और उसके साथी, चैंबर गांव निवासी रियाज अहमद को हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि दोनों से पूछताछ के दौरान महत्वपूर्ण सुराग मिले। इनपुट के आधार पर पुलिस ने जलियां गांव स्थित तारिक शेख के किराए के मकान पर छापा मारा। तलाशी के दौरान वहां से हथियार बरामद किए गए। फिलहाल पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ तेज कर दी है और इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा तैनात की गई है।

भारत ने बनाई पहली स्वदेशी जल-घुलनशील खाद, चीन से आयात पर निर्भरता होगी कम

एजेंसी/नई दिल्ली

भारत ने सात साल के अनुसंधान के बाद अपनी पहली स्वदेशी जल-घुलनशील खाद तकनीक विकसित करने में सफलता हासिल की है। इस कामयाबी से देश की विशेष उर्वरकों के लिए चीन समेत अन्य पर आयात निर्भरता खत्म हो सकती है और भारत इस क्षेत्र में प्रमुख निर्यातक के तौर पर उभर सकता है।यह तकनीक पूरी तरह से मेड इन इंडिया है। इसे खान मंत्रालय की मदद से भारतीय कच्चे माल और डिजाइन वाले संयंत्रों का उपयोग कर विकसित किया गया है। इससे चीन से होने वाले विशेष उर्वरकों के भारी आयात पर देश की निर्भरता काफी कम हो जाएगी। इस अनुसंधान पहल का नेतृत्व करने वाले सॉल्युबल फर्टिलाइजर इंडस्ट्री एसोसिएशन (एसएफआईए) के अध्यक्ष राजीव चक्रवर्ती ने कहा कि मेरा उद्देश्य भारत को विशेष रूप से विशिष्ट उर्वरक के क्षेत्र में आयात पर निर्भर देश से एक निर्यात प्रधान देश बनाना है।उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि इस मायने में भी काफी अहम है कि चीन से विशेष उर्वरक निर्यात की अस्थायी बहाली के चलते राहत मिली है लेकिन यह राहत अल्पकालिक है, क्योंकि बीजिंग अगले महीने से निरीक्षण बढ़ाकर और खेप में देरी करके निर्यात नियंत्रण कड़ा करने की योजना बना रहा है। चीन अक्तूबर से निर्यात बंद कर रहा है। वह इसे केवल भारत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व बाजार के लिए बंद कर देगा। चक्रवती ने बताया कि सरकार की कई स्तरों पर जांच-पड़ताल के बाद इस तकनीक को हरी झंडी मिल चुकी है। अब इसे बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए तैयार किया जा रहा है। उम्मीद है कि अगले दो साल में जब बड़े उत्पादन संयंत्र काम करना शुरू कर देंगे, तो यह तकनीक किसानों के खेतों तक पहुंच जाएगी।

चीन लगा सकता है निर्यात पर प्रतिबंध

चीन विशेष उर्वरक के निर्यात पर अक्तूबर से फिर प्रतिबंध लगा सकता है। इससे खाद की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका है, जिसका सीधा असर किसानों पर पड़ेगा। भारत का विशेष उर्वरक उद्योग आपूर्ति संबंधी चुनौतियों का सामना करने की तैयारी में जुटा है। चीन से विशेष उर्वरक निर्यात की अस्थायी बहाली के चलते राहत मिली है, लेकिन यह अल्पकालिक है। घुलनशील उर्वरक उद्योग संघ के अध्यक्ष राजीव चक्रवर्ती ने कहा, चीन अक्तूबर से सिर्फ भारत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व बाजार के लिए निर्यात बंद कर देगा। उन्होंने कहा, चीन का प्रतिबंध उर्वरक की आपूर्ति बेहद सीमित कर देगा

95% चीनी आपूर्ति पर निर्भर भारत

अभी विशेष उर्वरकों के लिए काफी हद तक चीन पर निर्भर है। देश अपने 80 प्रतिशत विशेष उर्वरकों का सीधा आयात चीन से करता है, जबकि बाकी 20 प्रतिशत भी परोक्ष रूप से चीनी स्रोतों से ही आता है। घरेलू स्तर पर बनने वाले केवल पांच प्रतिशत एनपीके फॉमूर्लेशन को छोड़ दें तो भारत विशेष उर्वरकों के लिए 95 चीनी आपूर्ति पर निर्भर है।

बाजार में आने में कितना लग सकता है वक्त?

इस तकनीक को सरकार ने भी मंजूरी दे दी है। सरकार ने एक पायलट प्लांट बनाने में मदद की है। अब इस तकनीक का बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जा सकता है। उम्मीद है कि दो साल में यह तकनीक किसानों तक पहुंच जाएगी।

अमेरिका के लिए पोस्टल सर्विस अब पूरी तरह से सस्पेंड

एजेंसी/नई दिल्ली

भारतीय डाक विभाग ने अमेरिका के लिए सभी तरह की पोस्टल सर्विस पर टेम्परेरी तौर पर रोक लगा दी है। ये फैसला अमेरिका के 50 प्रतिशत टैरिफ के बाद कस्टम विभाग के नए नियमों में अस्पष्टता के चलते किया गया है। इसमें 100 डॉलर तक के लेटर, दस्तावेज और गिफ्ट आइटम्स भी शामिल हैं। इससे पहले डाक विभाग ने 25 अगस्त से इन कैटेगरी को छोड़कर सभी पार्सल पर रोक लगा दी थी ।विभाग ने रविवार को कहा कि जब तक स्थिति साफ नहीं होती और एयरलाइंस अमेरिका जाने वाले डाक पार्सल ले जाने को तैयार नहीं होतीं, तब तक यह रोक जारी रहेगी। डाक विभाग ने बताया- जिन्होंने पहले ही बुकिंग कराई है लेकिन सामान भेजा नहीं जा सका, वे पोस्टेज का रिफंड ले सकते हैं। हम हालात पर नजर रखे हुए है और जल्द से जल्द सेवा बहाल करने की कोशिश की जा रही है। एक्सट्रा टैरिफ लागू होने के बाद 29 अगस्त से अमेरिका जाने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय डाक सामानों पर देश-विशेष इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर एक्ट (कएएढअ) टैरिफ स्ट्रक्चर के अनुसार कस्टम ड्यूटी देनी पड़ रही है। चाहे उनकी कीमत कितनी भी हो। हालांकि, अभी भी 100 डॉलर (करीब 8,700 रुपए) तक की कीमत वाले लेटर, डॉक्यूमेंट और गिफ्ट आइटम्स को ड्यूटी से छूट मिलती रहेगी, लेकिन नियम इसके लिए भी स्पष्ट नहीं है। इसके चलते एयरलाइंस इन्हें भी नहीं ले जा रही है। वहीं, 29 अगस्त से पहले 800 डॉलर यानी करीब 70 हजार रुपए तक के सामान ड्यूटी फ्री थे।

बिहार की सोलर दीदी देवकी देवी के मुरीद हुए पीएम मोदी, मन की बात में साझा की सफलता की कहानी

एजेंसी/पटना

रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 125वें एपिसोड में बिहार के मुजफ्फरपुर की रहने वाली देवकी देवी की प्रेरणादायक कहानी साझा की। सोलर दीदी के नाम से प्रसिद्ध देवकी देवी की कहानी न सिर्फ संघर्ष और आत्मविश्वास की मिसाल है, बल्कि सामुदायिक सशक्तिकरण का भी प्रतीक बन गई है।प्रधानमंत्री ने बताया कि देवकी देवी का जीवन आसान नहीं था। वे आर्थिक तंगी में पली-बढ़ीं और कम उम्र में उनकी शादी हो गई। उनके पति की आय स्थिर नहीं थी, जिससे परिवार पर आर्थिक बोझ और बढ़ गया। उनके पास केवल आधा कट्ठा जमीन थी, जिससे गुजारा करना बेहद मुश्किल था। लेकिन कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने हार नहीं मानी और अपनी मेहनत व लगन से खुद के साथ-साथ पूरे गांव की तस्वीर बदल दी। जब उन्हें सौर सिंचाई योजना की जानकारी मिली, तो शुरूआत में कई बाधाएं सामने आईं। उनके पति को भी इस पर भरोसा नहीं था। लेकिन देवकी देवी ने आत्मविश्वास और सेल्फ हेल्प ग्रुप के सहयोग से इस अवसर को गंवाने नहीं दिया। उन्हें सीएलएफ द्वारा भूमिगत पाइपलाइन योजना की पहली सूची में शामिल किया गया, जिससे उनके सोलर सिंचाई पंप की स्थापना संभव हो सकी।

सितंबर में भी झमाझम, नदियां रहेंगी उफान पर

अगस्त में बारिश ने तोड़ा 25 साल का रिकॉर्ड

एजेंसी/नई दिल्ली

मानसून की बारिश ने अगस्त में उत्तर और पश्चिम भारत में बीते 25 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। उत्तर-पश्चिम भारत में अगस्त में 265 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो 2001 के बाद से इस महीने में सबसे अधिक और 1901 के बाद से 13वीं सबसे अधिक बारिश है। यह 197.1 मिमी के सामान्य औसत से करीब 34.5 फीसदी अधिक है। मौसम विभाग के अनुसार सितंबर में भी बादल यूं ही बरसते रहेंगे और देश में इस महीने भी सामान्य से अधिक बारिश होगी। पहाड़ों पर अचानक तेज बारिश, बाढ़, भूस्खलन का खतरा भी बना रहेगा।मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में अगस्त में 250.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जो सामान्य से 31 फीसदी अधिक है। यह 2001 के बाद से इस महीने की तीसरी सबसे अधिक और 1901 के बाद से आठवीं सबसे अधिक वर्षा है। मौसम विज्ञान के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने बताया, सितंबर में भी बारिश 167.9 मिलीमीटर के मासिक औसत से 109 फीसदी अधिक हो सकती है। उत्तर-पश्चिम भारत में अब तक मानसून में जून से अगस्त तक सामान्य से अधिक बारिश हुई है। उत्तर-पश्चिम भारत में एक जून से 31 अगस्त के बीच 614.2 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य 484.9 मिमी से 27% अधिक है। अगस्त में देश में 268.1 मिमी बारिश हुई, जो 5.2% अधिक है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 1 जून से 31 अगस्त के बीच देश में 743.1 मिमी बारिश हुई, जो 700.7 मिमी के दीर्घकालिक औसत से लगभग 6 प्रतिशत अधिक है। जून में 180 मिमी बारिश हुई।

गंगा, कर्मनाशा का जलस्तर घटा, पर खेतों में डूबी खरीफ व सब्जी की फसलें बर्बाद

बाढ़ का कहर थमा, अब किसानों के सामने सबसे बड़ी चुनौती फसल क्षति की भरपाई

केटी न्यूज/चौसा

गंगा और कर्मनाशा नदियों में लगातार बढ़ते जलस्तर ने बीते सप्ताह चौसा प्रखंड और आसपास के इलाकों में तबाही मचा दी थी। गांवों में पानी भरने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया, वहीं खेतों में खड़ी खरीफ फसलों और गंगा किनारे की सब्जियों को भारी नुकसान झेलना पड़ा। अब जब नदियों का जलस्तर स्थिर होकर धीरे-धीरे घटने लगा है, तब जाकर लोगों ने राहत की सांस ली है। मगर, इस राहत के बीच किसानों की चिंता और गहरी हो गई है क्योंकि बाढ़ ने उनकी पूरी मेहनत पर पानी फेर दिया है।

जनजीवन पटरी पर लौटने लगा

लगातार कई दिनों तक गंगा और कर्मनाशा की तेज धारा ने चौसा प्रखंड के तटवर्ती गांवों को अपने आगोश में ले लिया था। खेतों में पानी भर गया, सड़कें कट गईं और कई गांवों का संपर्क मुख्य मार्ग से टूट गया। चौसा-मोहनिया स्टेट वे पर भी पानी चढ़ जाने से लोगों की आवाजाही जोखिमभरी हो गई थी। अब पानी का दबाव कम होने से सड़कें सूखने लगी हैं और गांवों में जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य होने लगा है।

हालांकि, ग्रामीणों के लिए अभी भी चुनौतियां खत्म नहीं हुई हैं। जिन रास्तों पर कीचड़ और गड्ढे बन गए हैं, वहां आवाजाही मुश्किल बनी हुई है। कई घरों में अब भी बाढ़ का पानी जमा है, जिससे बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है।

फसल बबार्दी से गहरा संकट

बाढ़ का सबसे बड़ा असर किसानों पर पड़ा है। गंगा किनारे की उपजाऊ जमीन में धान और मक्का की फसलें पानी में डूबकर पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। साथ ही सब्जियों की खेती करने वाले किसानों को भी भारी क्षति उठानी पड़ी है। टमाटर, भिंडी, लौकी और हरी सब्जियों की बेलें सड़ चुकी हैं। स्थानीय किसान रामनारायण सिंह बताते हैं, ह्लपूरे सीजन की मेहनत और लागत डूब गई। धान की रोपनी कर चुके थे, लेकिन बाढ़ ने सब बर्बाद कर दिया। अब आने वाले महीनों में आमदनी का कोई जरिया नहीं है। वहीं, किसान महिलाएं भी चिंता जता रही हैं कि घरेलू खर्च और बच्चों की पढ़ाई का बोझ कैसे उठाया जाएगा।

प्रशासन की ओर से पंप लगाकर जलनिकासी की कोशिशें की जा रही हैं।

प्रशासन सक्रिय, पर मुआवजा इंतजार में

स्थानीय प्रशासन ने बताया कि जैसे ही जलस्तर स्थिर हुआ है, वैसे ही राहत व पुनर्वास कार्य तेज कर दिया गया है। बाढ़ प्रभावित गांवों का सर्वे कराया जा रहा है। टीमों को खेतों में हुए नुकसान का आकलन करने का निर्देश दिया गया है। आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से प्रभावित किसानों को मुआवजा देने की प्रक्रिया जल्द शुरू करने का आश्वासन दिया गया है।

सदर एसडीओ के आदेश पर जमीन पर दखल दिलाने गई थी राजपुर सीओ

समहुता में भूमि विवाद पर पुलिस टीम पर हमला, आधा दर्जन जवान घायल, पुलिस वाहन का शीशा भी टूटा

- ग्रामीणों ने प्रशासन पर एकपक्षीय कार्रवाई का लगाया आरोप

केटी न्यूज/बक्सर

धनसोई थाना क्षेत्र के समहुता गांव में रविवार को भूमि दखल की कार्रवाई के दौरान भारी बवाल हो गया। कोर्ट के आदेश पर पहुंची पुलिस और प्रशासनिक टीम पर ग्रामीणों ने अचानक हमला कर दिया। इस घटना में छह पुलिस जवान और एक चौकीदार घायल हो गए, जबकि पुलिस का वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया। घायलों को इटाढ़ी सीएचसी में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत सामान्य बताई जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार, विवादित जमीन खाता संख्या 235, क्षेत्रफल लगभग 6 एकड़ 99 डिसमिल (करीब 12 बीघा) की है। यह जमीन मूल रूप से अभिषेक प्रताप सिंह की थी, जिसे बाद में चंद्रकांत राय ने खरीद लिया। चंद्रकांत राय के पक्ष में एसडीएम और डीएम स्तर से लेकर उच्च न्यायालय तक से डिग्री मिल चुकी है। इसके बावजूद स्थानीय ग्रामीण इस जमीन को ह्लशेरशाह का पोखराह्व बताते हुए लंबे समय से खेल मैदान और सार्वजनिक उपयोग में लाते रहे हैं। यही स्थिति वर्षों से विवाद का कारण बनी हुई है।

दखल कराने पहुंची सीओ पर पथराव

रविवार को सदर एसडीओ के आदेश पर राजपुर की सीओ डॉ. शोभा कुमारी पुलिस बल और जेसीबी के साथ समहुता गांव पहुंचीं। उद्देश्य था कि चंद्रकांत राय को उनकी खरीदी हुई जमीन पर दखल दिलाना। लेकिन ग्रामीणों ने प्रशासनिक कार्रवाई को एकपक्षीय करार देते हुए विरोध करना शुरू कर दिया। देखते ही देखते स्थिति बिगड़ गई और भीड़ ने पुलिस टीम पर पथराव कर दिया।

अचानक हुए हमले से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिसकर्मियों को चोट लगी और वाहनों के शीशे टूट गए। हालात इतने खराब हो गए कि सीओ को सुरक्षा कारणों से पहले निजी वाहन और बाद में पुलिस बस से घटनास्थल से बाहर निकालना पड़ा।

हालात संभालने पहुंचे आला अधिकारी

घटना की सूचना मिलते ही एसडीओ अविनाश कुमार और एसडीपीओ गौरव कुमार भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने किसी तरह स्थिति को नियंत्रित किया और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। फिलहाल पूरे गांव में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है ताकि स्थिति शांत बनी रहे और दोबारा अप्रिय घटना न हो।

प्रशासन का सख्त रुख

घटना के बाद पुलिस-प्रशासन ने उपद्रवियों की पहचान शुरू कर दी है। अधिकारियों ने स्पष्ट कहा है कि कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। धनसोई थाना अध्यक्ष रितेश कुमार ने बताया कि उपद्रव करने वाले ग्रामीणों पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी और आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जमीन विवाद ने बढ़ाई चुनौती

स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस भूखंड को लेकर विवाद हो रहा है, वह कभी ह्लशेरशाह का पोखराह्व था और दशकों से गांव के लोग इसे सार्वजनिक स्थल मानकर इस्तेमाल करते आ रहे हैं। वहीं, चंद्रकांत राय और उनके पक्षकार कोर्ट से मिले आदेश का हवाला देकर दखल की मांग कर रहे हैं। इस कारण मामला लगातार पेचीदा होता जा रहा है।

माहौल तनावपूर्ण, पर काबू में

पथराव और रोड़ेबाजी के कारण रविवार को पूरे इलाके में तनाव और दहशत का माहौल रहा। देर शाम तक पुलिस बल गांव में कैंप करता रहा और प्रशासनिक अधिकारियों ने हालात पर नजर रखी। हालांकि स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन गांव में तनाव का माहौल बरकरार है। समहुता की यह जमीन न केवल कानूनी विवाद का हिस्सा है, बल्कि ग्रामीणों की भावनाओं से भी जुड़ी हुई है। यही कारण है कि कोर्ट और प्रशासनिक आदेश के बावजूद दखल कराना प्रशासन के लिए चुनौती बना हुआ है। रविवार की घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि समाधान सिर्फ कानूनी कार्रवाई से नहीं, बल्कि ग्रामीणों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए संवाद से ही संभव होगा।

> समहुता में जमीन पर कब्जा दिलाने गई प्रशासनिक टीम पर ग्रामीणों ने मब बनाकर हमला किया है। जख्मियों का इलाज इटाढ़ी सीएचसी में चल रहा है। स्थिति नियंत्रण में है। मौके पर पुलिस टीम कैंप कर रही है। हमलावरों की पहचान की जा रही है, उन्हें शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा। किसी को भी कानून हाथ में लेने की छूट नहीं दी जाएगी।
>
> **गौरव पांडेय, सदर डीएसपी, बक्सर**

बच्चों को आत्मनिर्भर बनाती है शिक्षा : सांसद

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय शहर के चौक रोड स्थित एक सभागार में रविवार को महर्षि विश्वामित्र गुरु सम्मान समारोह व शिक्षा में बदलाव गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान बक्सर सांसद सुधाकर सिंह ने कहा कि शिक्षा बच्चों को आत्मनिर्भर बनाती है और उन्हें जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करती है। उन्होंने कहा कि बदलते समय में शिक्षा की गुणवत्ता और उसके स्वरूप में सुधार करना जरूरी है ताकि नई पीढ़ी देश निर्माण में अपनी सशक्त भूमिका निभा सके। कार्यक्रम में स्थानीय विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह ने भी विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा में बदलाव समय की मांग है। आज की

पीढ़ी को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं रखा जा सकता, बल्कि उन्हें तकनीकी, सामाजिक और नैतिक मूल्यों की शिक्षा देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार से ही बेरोजगारी, भेदभाव और अशिक्षा जैसी समस्याओं पर काबू पाया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विकास फैमिली क्लब के संस्थापक मनोज कुमार मिश्रा ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि गुरु परंपरा भारतीय संस्कृति की धरोहर है, और समाज में शिक्षा के महत्व को समझते हुए ही ऐसे समारोहों का आयोजन किया जाता है। वहीं संचालन का दायित्व डॉ. मनीष कुमार शशि और दीपशिखा ने संयुक्त रूप से निभाया। इस मौके पर बड़ी संख्या में शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्ता, विद्यार्थी और स्थानीय लोग मौजूद रहे। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले गुरुओं को सम्मानित भी किया गया। मौके पर डॉ. शशांक शेखर, डॉ. शोभा सिंह, डॉ. संजय सिंह, तबरेज आलम, डॉ. राजू मोची, डॉ. नवनीत सिंह, करण सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

बक्सर में नगर विकास मंत्री का आज होगा आगमन

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार सरकार के नगर विकास एवं आवास विभाग के माननीय मंत्री जीवेश मिश्र का सोमवार को बक्सर आगमन प्रस्तावित है। वे अतिथि गृह से ही जिले के विभिन्न नगर निकायों में संचालित नवनिर्मित एवं पूर्ण हो चुकी योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। मंत्री के आगमन को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। विभागीय अधिकारियों के साथ नगर निकायों के प्रतिनिधि भी इस कार्यक्रम को लेकर सक्रिय हैं। बताया जा रहा है कि मंत्री महोदय द्वारा शहरी बुनियादी ढांचे को मजबूत करने वाली योजनाओं के साथ-साथ नागरिक सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाओं को भी हरी झंडी दी जाएगी। बक्सर नगर परिषद एवं अन्य शहरी निकायों में स्वच्छता, पेयजल, सड़क, नाली तथा आवास जैसी योजनाओं पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इनके सफल कार्यान्वयन से शहर के आमजन को सीधे तौर पर लाभ मिलेगा। जनप्रतिनिधियों का मानना है कि इन योजनाओं से न सिर्फ शहरी क्षेत्र का विकास होगा बल्कि आने वाले दिनों में रोजगार और व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

कार्यपालक सहायक सेवा संघ की आपात बैठक आयोजित

- सरकार के टालमटोल रवैये से नाराज दिखे सदस्य, आंदोलन को तैयार बक्सर इकाई

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के कार्यपालक सहायक रविवार को एकजुट होकर सरकार के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर की। कार्यपालक सहायक सेवा संघ, जिला इकाई बक्सर के तत्वावधान में किला मैदान स्थित रामलीला मंच पर आयोजित आपातकालीन बैठक में सदस्यों ने साफ संकेत दिया कि यदि सरकार ने उनकी लंबित मांगों पर सकारात्मक कदम नहीं उठाया तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। बैठक की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष दीनानाथ सिंह ने की जबकि संचालन सचिव राजेश कुमार सिंह ने किया।

बैठक में सबसे अधिक चर्चा कार्यपालक सहायकों की बहुप्रतीक्षित मांगों पर हुई। सदस्यों ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार जानबूझकर मामले को लंबा खींच रही है और बीपीएसएम की ओर से अब तक कोई ठोस पहल सामने नहीं आई है। वक्ताओं ने कहा कि लगातार आश्वासन मिलने के बावजूद उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा, जिससे कार्यपालक सहायकों में गहरी नाराजगी है।

संघ के नेताओं ने स्पष्ट कर दिया कि यदि राज्य स्तरीय नेतृत्व की ओर से आंदोलन संबंधी कोई निर्देश जारी होता है, तो बक्सर इकाई उसका अक्षरशः पालन करेगी। सदस्यों ने कहा कि अधिकार और सम्मान की लड़ाई अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है और इसके लिए हर सदस्य एकजुट होकर संघर्ष करने को तैयार है।

बैठक में संगठन के विस्तार पर भी चर्चा हुई। इसके तहत विभिन्न प्रखंडों और पंचायत स्तर पर संघ को मजबूत बनाने के लिए मनोनयन का प्रस्ताव पारित किया गया। नेताओं ने कहा कि जितना संगठन मजबूत होगा, उतनी ही तेजी से उनकी आवाज सरकार तक पहुंचेगी।

अध्यक्ष दीनानाथ सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि कार्यपालक सहायकों की मेहनत से ही सरकारी कामकाज सुचारू रूप से चलता है, लेकिन इसके बावजूद उन्हें स्थायित्व और न्यायोचित वेतन जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने जल्द कदम नहीं उठाया तो कार्यपालक सहायक सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेंगे।

बैठक में कोषाध्यक्ष जितेंद्र पासवान, बृजेश ओझा, राकेश कुमार, धनजी प्रसाद, दिलीप कुमार, कमलेश जी, बबलू जी, जितेंद्र कुमार, निरंजन पाठक, रत्नेश कुमार, घनश्याम, इमरान अंसारी, मुख्तार अंसारी, संतोष कुमार, ऋषिकेश ओझा, धीरेंद्र कुमार, विनय कुमार सिन्हा, सैफ, मिथिलेश कुमार, दिनेश ठाकुर समेत बड़ी संख्या में सदस्य मौजूद रहे।

एक नजर

डुमरांव में ईद-ए-मिलाद-उन-नबी को लेकर शांति समिति की बैठक सम्पन्न

डुमरांव। ईद-ए-मिलाद-उन-नबी के अवसर पर नगर में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने को लेकर रविवार को डुमरांव थाने के प्रांगण में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बीडीओ संदीप कुमार पांडेय एवं थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने संयुक्त रूप से की। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों, नगर प्रतिनिधियों, विभिन्न धर्मों के प्रबुद्धजनों एवं समाजसेवियों ने भाग लिया। अधिकारियों ने कहा कि यह पर्व शांति और भाईचारे का संदेश देता है। इसलिए सभी लोग आपसी मेल-जोल और सहयोग से त्योहार को मनाएं। अधिकारियों ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी तरह की समस्या आने पर तुरंत प्रशासन को सूचित करने की अपील की। वहीं, त्योहार पर नगर की साफ-सफाई और रोशनी की विशेष व्यवस्था को लेकर अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक में उपस्थित लोगों ने भी प्रशासन को सहयोग का भरोसा दिलाया। सभी ने एक स्वर में कहा कि ईद-ए-मिलाद-उन-नबी का पर्व शांति, प्रेम और एकता का प्रतीक है, जिसे आपसी भाईचारे के साथ मनाया जाएगा। मौके पर बिजली एईई राकेश दुबे, दुर्गेश सिंह, इस्लाम अंसारी, संजय शर्मा, मुस्ताक अहमद, मो. जावेद सहित अन्य शामिल रहे।

शाहाबाद रेंज के डीआईजी ने चलाया तबादला एक्सप्रेस, चुनमुन कुमारी भोजपुर तो मनीष कुमार गए रोहतास

बक्सर। शाहाबाद रेंज के डीआईजी सत्य प्रकाश ने चुनाव से पूर्व तबादला एक्सप्रेस चलाया गया। जिसमें 2018 बैच के 143 दरोगा को इधर से उधर किया गया। इसमें भोजपुर, बक्सर, रोहतास व कैमूर में तैनात पिछले 5 साल से अधिक समय से दरोगा का ट्रांसफर किया गया है। जिसकी सूचना जी सभी जिले के एसपी को दे दी गई है। उन्हें एक सितंबर से जिला से विरमित करने का भी निर्देश दिया गया है। इस ताबदले में बक्सर जिले के कुल 28 पुलिस पदाधिकारी शामिल है। इनमें कई वर्तमान में जिले के विभिन्न थानों में थानाध्यक्ष भी है। जिनमें प्रमुख रूप से नया भोजपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार, तिलक राय के हाता थाने की थानाध्यक्ष चुनमुन कुमारी, कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष चंचल महंथा, मुरार थानाध्यक्ष अमन कुमार, नावानगर थानाध्यक्ष नीतीश कुमार, चक्की थानाध्यक्ष अमरेश कुमार के अलावे डुमरांव थाने में पद स्थापित इकलौती महिला पुलिस पदाधिकारी प्रियंका कुमारी का नाम भी शामिल है। इन पुलिस पदाधिकारियों को शीघ्र अपने नये कार्यस्थल पर योगदान करने का निर्देश दिया गया है। इन थानाध्यक्षों के अलावे सूची में बक्सर जिले से जिन पुलिस पदाधिकारियों का तबादला हुआ है उनमें रमन राउत, रितीका कुमारी, पूजा कुमारी-1, मो. फिरोज आलम, संजय पासवान, जुही कुमारी आदि शामिल है। माना जा रहा है कि यह तबादला चुनाव के मद्देनजर किया गया है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (यूके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरुण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः- सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, छेलवानी मोड़, डुमरॉव

website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

हाउसकीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया के चयन में उजागर हुई अनियमितता

'केशव टाइम्स की खबर पर लगी मुहर' : फर्स्ट आइडिया के चयन में गड़बड़ी पर प्रशासनिक जांच में हुई पुष्टि

- सांसद के दबाव पर बनी जांच टीम ने डीएम को सौंपी रिपोर्ट
- लम्बे समय से शिक्षा विभाग में दबंगो व माफियाओं का बना हुआ है वर्चस्व
- डीएम ने अपर समाहर्ता गिरिजेश कुमार के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जांच टीम की थी गठित
- पहले से काम कर रही कंपनी जेकेएसबी को बिना ठोस कारण बताए हटा कर नियम विरूध किया गया फर्स्ट आइडिया का चयन

शिक्षा माफियाओं के खिलाफ मुहिम रंग लाई

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले का शिक्षा विभाग इन दिनों गहरे विवादों में घिरा हुआ है। विभाग में कथित माफियागिरी, एजेंसी चयन में गड़बड़ी और अवैध भुगतान जैसे गंभीर आरोपों पर केशव टाइम्स की लगातार प्रकाशित खबरों ने प्रशासन को हरकत में ला दिया है। खास बात यह है कि अब प्रशासनिक अधिकारियों की जांच रिपोर्ट ने भी इन गड़बड़ियों की पुष्टि कर दी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, शिक्षा विभाग ने हाउसकीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया के चयन को पहले ही दोषमुक्त बताते हुए अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। लेकिन बक्सर सांसद सुधाकर सिंह ने इस रिपोर्ट पर आपत्ति दर्ज कराई और जिलाधिकारी से स्वतंत्र जांच की मांग की। सांसद का कहना था कि विभाग की जांच पक्षपाती है और इसमें शिक्षा माफियाओं की संलिप्तता को छिपाने का प्रयास किया जा रहा है।सांसद के दबाव के बाद जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने गंभीरता दिखाते हुए अपर समाहर्ता गिरिजेश कुमार के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जांच टीम गठित की। उम्मीद जताई जा रही थी कि यह टीम पूरे मामले की तह तक जाकर सच्चाई सामने लाएगी।

जांच में भी दोहराई गई पुरानी रिपोर्ट

लेकिन हैरत की बात यह रही कि तीन सदस्यीय टीम ने भी विभागीय अधिकारियों की पुरानी रिपोर्ट पर ही मोहर लगा दी। टीम ने कहा कि हाउसकीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया का चयन नियमों के तहत नहीं हुआ है। रिपोर्ट में जांच टीम ने स्वीकार किया है कि पहले से काम कर रही कंपनी जेकेएसबी को बिना ठोस कारण बताए हटाया गया और तत्कालीन जिला शिक्षा पदाधिकारी अनिल कुमार द्विवेदी ने संवैधानिक प्रावधानों को ताक पर रखकर फर्स्ट आइडिया को कायार्देश जारी कर दिया।

केशव टाइम्स ने पहले ही उठाए थे सवाल

गौरतलब है कि केशव टाइम्स ने अपने पूर्व प्रकाशित अंकों में विस्तृत साक्ष्यों के साथ यह उजागर किया था कि फर्स्ट आइडिया का चयन कथित शिक्षा माफिया अजय सिंह के दबाव में कराया गया। रिपोर्ट में यह भी बताया गया था कि शो कॉज नोटिस सिर्फ खानापूर्ति के लिए जारी किए गए और बिना नियमानुसार प्रक्रिया अपनाए सीधे फर्स्ट आइडिया को वर्क ऑर्डर दे दिया गया। जिले में अब बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब जांच टीम ने भी माना कि जेकेएसबी को बिना कारण हटाया गया और प्रक्रिया में खामी रही, तो फिर दोषी पर कारवाई कब होगी।

शिक्षा माफिया की जड़ों तक पहुंचने की जरूरत

जिले में लंबे समय से यह चर्चा है कि शिक्षा विभाग में कुछ तथाकथित माफियाओं का वर्चस्व बना हुआ है। ये लोग एजेंसियों के चयन, बिल भुगतान और अनुबंध प्रक्रिया में अपनी मनमर्जी चलाते हैं। फर्स्ट आइडिया का मामला भी इसी कड़ी का हिस्सा माना जा रहा है। सामाजिक संगठनों का कहना है कि केवल एजेंसी चयन तक सीमित जांच से सच्चाई सामने नहीं आएगी। इसके पीछे जो रसूखदार लोग हैं, उनकी भूमिका भी उजागर होनी चाहिए।

आगे की राह

जिलाधिकारी ने जांच टीम की रिपोर्ट प्राप्त कर ली है। अब देखना यह होगा कि इस रिपोर्ट के आधार पर प्रशासन क्या कदम उठाता है। क्या जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई होगी? क्या शिक्षा माफियाओं की जड़ें काटी जाएंगी? या फिर यह मामला भी अन्य विवादों की तरह फाइलों में दबकर रह जाएगा। फिलहाल इतना तय है कि केशव टाइम्स द्वारा उठाए गए सवाल और प्रकाशित खबरों ने शिक्षा विभाग की नींव को हिला दिया है। जांच रिपोर्ट ने चाहे अनियमितताओं को सामान्य बताने की कोशिश की हो, लेकिन जनता के बीच यह धारणा गहरी हो गई है कि विभाग में सबकुछ ठीक नहीं है।

एक नजर

केसठ के युवाओं ने पुस्तकालय एवं स्ट्रीट लाइट लगाने की प्रखंड प्रमुख से की मांग

केसठ। प्रखंड मुख्यालय केसठ के छात्र-युवाओं ने प्रखंड प्रमुख मुन्ना सिंह को एक मांग पत्र सौंपकर पुस्तकालय की स्थापना एवं स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की है। युवाओं ने अपने पत्र में लिखा है कि प्रखंड मुख्यालय होने के कारण आस-पास के गांवों से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शारीरिक दक्षता परीक्षा की तैयारी एवं अध्ययन के लिए केसठ आते हैं। लेकिन यहां पुस्तकालय जैसी सुविधा उपलब्ध नहीं है, जिससे उन्हें पढ़ाई-लिखाई में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। युवाओं ने बताया कि अधिकतर छात्र सामान्य परिवारों से आते हैं और आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण पढ़ाई के लिए आवश्यक संसाधन जुटा पाना मुश्किल होता है। पुस्तकालय स्थापित होने से उन्हें बेहतर अध्ययन का अवसर मिलेगा। वहीं, स्ट्रीट लाइट की कमी के कारण मैदान में सुबह और शाम दौड़ने वाले छात्रों को दिक्कत होती है। मांग पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि यदि मैदान में प्रकाश की व्यवस्था हो जाए तो युवा सुरक्षित वातावरण में अभ्यास कर सकेंगे। इस दौरान छात्रों ने प्रखंड प्रमुख से आग्रह किया कि उनकी समस्याओं को जल्द से जल्द दूर किया जाए। युवाओं ने कहा कि इस व्यवस्था से न केवल केसठ बल्कि पूरे प्रखंड के छात्र-युवा लाभान्वित होंगे। मांग पत्र सौंपने में रवि कुमार, मनीषा कुमारी, गगन सिंह, विकास कुमार समेत दर्जनों छात्र शामिल थे।

प्रधानमंत्री की माताजी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी पर युवा मोर्चा आक्रोशित, डुमरांव में प्रेस वार्ता

केटी न्यूज/डुमरांव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत माताजी को लेकर विपक्षी नेताओं द्वारा की गई अभद्र टिप्पणी के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा ने रविवार को डुमरांव में एक प्रेस वार्ता आयोजित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष शेरु सिंह ने की जबकि संचालन संटू मित्रा ने किया।

प्रेस वार्ता में प्रदेश युवा मोर्चा सह-संयोजक दीपक यादव मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि कांग्रेस और राजद नेताओं द्वारा दिया गया बयान न सिर्फ प्रधानमंत्री का, बल्कि पूरे देशवासियों और भारतीय संस्कृति का घोर अपमान है। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज में मां सर्वोच्च स्थान रखती हैं, और मातृशक्ति का अपमान किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं होगा। दीपक यादव ने आरोप लगाया कि महागठबंधन के नेताओं के पास जनता को देने के लिए कोई ठोस मुद्दा नहीं है, इसलिए वे अभद्रता और व्यक्तिगत हमलों पर उतर आए हैं। उन्होंने कहा कि पहले बिहार का अपमान और अब प्रधानमंत्री की माताजी का अपमान, इसका जवाब जनता सड़कों से लेकर बैलेट तक हर जगह देगी। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के व्यक्तित्व और कार्यशैली से विपक्ष भयभीत है, इसलिए पूरी ताकत लगाकर उन्हें कमजोर करने की साजिश रची जा रही है। लेकिन देश के करोड़ों लोग मोदी के साथ खड़े हैं और नकारात्मक राजनीति को जड़ से समाप्त करने का संकल्प ले चुके हैं।

इस मौके पर मौजूद भाजपा कार्यकताओं ने कांग्रेस-राजद गठबंधन की राजनीति की कड़ी निंदा की और संकल्प लिया कि वे गांव-गांव, गली-गली जाकर जनता को महागठबंधन का असली चेहरा दिखाएंगे। कार्यक्रम का समापन नगर महामंत्री अभिषेक रंजन द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

ट्रेनों पर पत्थरबाजी और एसीपी दुरुपयोग रोकने को आरपीएफ का जन-जागरूकता अभियान

केटी न्यूज/डुमरांव

रेल यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे संपत्ति की रक्षा को लेकर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पोस्ट बक्सर ने रविवार को विशेष जागरूकता अभियान चलाया। यह कार्यक्रम रघुनाथपुर से टूड़ीगंज रेलवे खंड के बीच खेल रहे नौजवानों और आसपास के ग्रामीणों के बीच आयोजित किया गया। वहीं, बक्सर रेलवे स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म और सकुर्लेटिंग एरिया में भी यात्रियों को सुरक्षा संबंधी जानकारी दी गई।

आरपीएफ पोस्ट प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि ट्रेनों पर पत्थरबाजी और अलार्म चेन पुलिंग (एसीपी) जैसी घटनाएं गंभीर अपराध हैं। इनसे न सिर्फ रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचता है, बल्कि यात्रियों की जान भी खतरे में पड़ सकती है। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि वे यात्रा के दौरान अपने सामान की सुरक्षा खुद करें और बच्चों को समझाएं कि ट्रेन पर पत्थर चलाना अपराध है। अभियान के दौरान उप निरीक्षक दिनेश चौधरी, सहायक उप निरीक्षक योगेंद्र कुमार यादव, योगेंद्र सिंह, प्रधान आरक्षी मुकेश रौशन एवं आरक्षी दीपक कुमार मौजूद रहे। टीम ने यात्रियों को बताया कि एसीपी का दुरुपयोग करने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, किसी भी संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति की सूचना तुरंत रेलवे सुरक्षा बल या प्रशासन को देने की अपील की गई। कार्यक्रम में शामिल ग्रामीणों और यात्रियों ने आरपीएफ अधिकारियों को आश्वासन दिया कि वे सुरक्षा नियमों का पालन करेंगे और दूसरों को भी जागरूक करेंगे। अभियान का मुख्य उद्देश्य रेल सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना और दुर्घटनाओं की रोकथाम करना रहा।

ट्रेनों पर पत्थरबाजी और एसीपी दुरुपयोग रोकने को आरपीएफ का जन-जागरूकता अभियान

केटी न्यूज/डुमरांव

रेल यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे संपत्ति की रक्षा को लेकर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पोस्ट बक्सर ने रविवार को विशेष जागरूकता अभियान चलाया। यह कार्यक्रम रघुनाथपुर से टूड़ीगंज रेलवे खंड के बीच खेल रहे नौजवानों और आसपास के ग्रामीणों के बीच आयोजित किया गया। वहीं, बक्सर रेलवे स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म और सकुर्लेटिंग एरिया में भी यात्रियों को सुरक्षा संबंधी जानकारी दी गई।

आरपीएफ पोस्ट प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि ट्रेनों पर पत्थरबाजी और अलार्म चेन पुलिंग (एसीपी) जैसी घटनाएं गंभीर अपराध हैं। इनसे न सिर्फ रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचता है, बल्कि यात्रियों की जान भी खतरे में पड़ सकती है। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि वे यात्रा के दौरान अपने सामान की सुरक्षा खुद करें और बच्चों को समझाएं कि ट्रेन पर पत्थर चलाना अपराध है।

अभियान के दौरान उप निरीक्षक दिनेश चौधरी, सहायक उप निरीक्षक योगेंद्र कुमार यादव, योगेंद्र सिंह, प्रधान आरक्षी मुकेश रौशन एवं आरक्षी दीपक कुमार मौजूद रहे। टीम ने यात्रियों को बताया कि एसीपी का दुरुपयोग करने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, किसी भी संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति की सूचना तुरंत रेलवे सुरक्षा बल या प्रशासन को देने की अपील की गई।

कार्यक्रम में शामिल ग्रामीणों और यात्रियों ने आरपीएफ अधिकारियों को आश्वासन दिया कि वे सुरक्षा नियमों का पालन करेंगे और दूसरों को भी जागरूक करेंगे। अभियान का मुख्य उद्देश्य रेल सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना और दुर्घटनाओं की रोकथाम करना रहा।

डुमरांव में 55 लाख की लागत से सड़क निर्माण का शिलान्यास, विधायक की जनता से गुणवत्ता पर निगरानी की अपील

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा के लोगों को वर्षों से जिस समस्या से जूझना पड़ रहा था, उसका समाधान अब मिलने जा रहा है। भाकपा-माले विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह ने रविवार को डुमरांव शहर की जर्जर सड़क, डुमरांव पुलिस स्टेशन से चरमोटिया इनार होते हुए शक्तिद्वार तक के पीसीसी सड़क निर्माण का शिलान्यास किया। लगभग 55 लाख रुपये की लागत से बनने वाली यह सड़क न केवल स्थानीय निवासियों बल्कि व्यापारियों और छात्रों के लिए भी राहत लेकर आएगी।

शहरवासियों का कहना है कि यह सड़क लंबे समय से गड्ढों और कीचड़ से भरी हुई थी। बरसात के दिनों में तो हालात और बिगड़ जाते थे, जिससे बच्चों को स्कूल जाने में परेशानी होती थी और व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित होती थीं। इस परियोजना के शुभारंभ से लोगों में खुशी और उत्साह का माहौल है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि सड़क बनने के बाद आवागमन सुगम होगा और व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा।

विधायक ने जनता से की जिम्मेदारी निभाने की अपील

शिलान्यास समारोह में विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह ने कहा कि

यह सड़क शहर की कनेक्टिविटी और विकास की धुरी है। वर्षों से लोग बदहाली झेल रहे थे। हमने नगर विकास एवं आवास विभाग और विकास समितियों की बैठकों में इस मुद्दे को मजबूती से रखा और अधिकारियों पर दबाव बनाकर बजट स्वीकृत कराया। अब यह जनता का अधिकार है कि सड़क टिकाऊ और उच्च गुणवत्ता वाली बने।

उन्होंने लोगों से अपील की कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सतर्क निगाह रखें और किसी भी कमी की सूचना उन्हें या अधिकारियों को दें। विधायक की इस अपील ने जनता में जिम्मेदारी का भाव जगाया है।

विकास की बड़ी तस्वीर

डॉ. सिंह ने कहा कि उनका प्रयास केवल सड़क तक सीमित नहीं है। शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आधारभूत संरचनाओं को भी मजबूत करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हम सड़क से लेकर सदन तक क्षेत्र के चौतरफा विकास के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

नेताओं और कार्यकताओं की रही मौजूदगी

इस अवसर पर आयोजित सभा में भाकपा–माले के जिला सचिव नवीन कुमार, प्रखंड सचिव धर्मेंद्र सिंह, डुमरांव नगर परिषद के कार्यकारी सभापति विकास ठाकुर, राजद के प्रखंड अध्यक्ष मनोज ठाकुर, नगर अध्यक्ष मुन्ना खान, जगनारायण सिंह, प्रभुनाथ सिंह, वीआईपी के प्रभुनाथ चौधरी, मोहम्मद सलीम, समीजी, डॉ. नासिर, निजी सहायक मो. नासिर हसन, हरेंद्र यादव, सुरेंद्र प्रसाद, मंगल महेश, नगर परिषद के विभिन्न वार्ड पार्षद और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

साइकिल रेस और क्रिकेट मुकाबले के साथ हुआ राष्ट्रीय खेल दिवस का समापन

- धीमी साइकिल दौड़ में आदर्श कुमार वर्मा रहे अव्वल, जिग-जैग एकेडमी ने क्रिकेट में दर्ज की जीत

केटी न्यूज/बक्सर

राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का रविवार को बक्सर के ऐतिहासिक किला मैदान में भव्य समापन हुआ। अंतिम दिन साइकिल रैली, धीमी साइकिल दौड़ और क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया, जिसने खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों को उत्साह से भर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ वरीय उप समाहर्ता सह उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा, बक्सर द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस मौके पर खिलाड़ियों और खेलप्रेमियों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

धीमी साइकिल दौड़ में दिखी रोमांचक जंग

धीमी साइकिल दौड़ प्रतियोगिता कार्यक्रम का आकर्षण बनी। इस अनोखी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को अपनी साइकिल को सबसे धीमी गति से चलाते हुए संतुलन बनाए रखना था। इसमें आदर्श कुमार वर्मा ने पहला स्थान हासिल कर सभी को प्रभावित किया। प्रदीप कुमार द्वितीय तथा शुभम राज तृतीय स्थान पर रहे। तीनों विजेताओं को उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा द्वारा मेडल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

क्रिकेट में बक्सर ने डुमरांव पर मारी बाजी

साइकिल दौड़ के बाद क्रिकेट मुकाबला खेला गया, जिसमें बक्सर की जिग-जैग अकादमी और डुमरांव की विराट क्रिकेट क्लब आमने-सामने हुई। मैच से पूर्व अतिथियों ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेल का शुभारंभ किया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए जिग-जैग अकादमी बक्सर ने 79 रन बनाए। जवाब में विराट क्रिकेट क्लब डुमरांव की पूरी टीम 62 रन बनाकर आलआउट हो गई। इस प्रकार जिग-जैग अकादमी बक्सर ने 17 रनों से जीत दर्ज कर ट्रॉफी अपने नाम की। विजेता और उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

मैच में पंकज वर्मा ने अंपायर की भूमिका निभाई, जबकि कमेंट्री की जिम्मेदारी विक्की जायसवाल ने संभाली और स्कोरिंग शिवम कुमार ने की।

आयोजन समिति और शिक्षकों का रहा अहम योगदान

खेल प्रतियोगिता के सफल आयोजन में कई अधिकारियों और शिक्षकों की भूमिका सराहनीय रही। सहायक प्रशाखा पदाधिकारी कन्हैया लाल, कार्यपालक सहायक मदन कुमार, राकेश रंजन उपाध्याय, अशोक कुमार, सत्येंद्र कुमार सिंह, नितीश कुमार, अश्विनी राय, सत्येंद्र सिंह यादव, त्रिलोकी नाथ तिवारी, दया शंकर पाल, मोहन सिंह, वशिष्ठ प्रसाद तथा अनिल कुमार पाल समेत अन्य शिक्षकों ने सक्रिय योगदान दिया।

रेल यात्री कल्याण समिति एवं अन्य सामाजिक संगठनों ने डीआरएम से की थी शिकायत

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

दानापुर डिवीजन अंतर्गत रघुनाथपुर पर यात्री सुविधाओं का घोर अभाव है। हल्की बारिश के बाद ही अमृत भारत परियोजना में शामिल रघुनाथपुर स्टेशन का अमृत प्लेटफार्म पर जगह-जगह गंदे पानी के रूप में जमा हो जाता है। 6 महीने पहले बने प्लेटफार्म की दरारों में दो दो फिट ऊंची घास फूस उग आए थे। जिनसे आए दिन खतरनाक जीव जंतु निकल आते थे। शौचालय की दीवारों पर लगा प्लास्टर झड़ रहा था और अंदर गंदगी का अंबार लगा हुआ था। स्थानीय लोगों एवं सामाजिक संगठनों ने जब इसकी शिकायत स्टेशन मास्टर से की तो उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह मेरा काम नहीं है आप दानापुर बात करें। सामाजिक कार्यकर्ता शैलेश ओझा ने इसकी शिकायत डीआरएम दानापुर से की थी जिसके बाद दानापुर डिवीजन हरकत में आया और प्लेटफार्म पर लगे घास फूस की सफाई शुरू कर दी। सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों से जुड़े शैलेश ओझा, अजय उपाध्याय, शंभू चंद्रवंशी विशाल सिंह, आनंद शर्मा, विकास पाराशर, आकाश पाराशर, राकेश कश्यप, अंकित आर्या , शकील अहमद आदि ने इस पहल के लिए रेल प्रशासन का आभार जताया है साथ ही कहा है कि ये काफी नहीं है रघुनाथपुर प्लेटफार्म पर पेयजल की भी समुचित व्यवस्था नहीं है ना ही प्लेटफॉर्म नंबर 3 से 4 तक जाने के लिए अभी तक फुट ओवर ब्रिज बना है। रेल यात्रियों को पटरी पार करके दूसरे प्लेटफार्म तक जाना पड़ता है जिससे यात्रियों की जान को हमेशा खतरा बना रहता है। अमृत भारत परियोजना के अंतर्गत विकास कार्य शुरू हुआ था हालांकि खराब मैटेरियल यूज करने की शिकायत के बाद काम रुका पड़ा है। 20.5 करोड़ रुपए राशि की यह परियोजना को पूर्ण करने की अवधि 28 फरवरी 2025 थी। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जल्द ही अगर रघुनाथपुर स्टेशन की विकास परियोजनाओं को पूर्ण नहीं किया गया और स्टेशन पर नई ट्रेनों का ठहराव नहीं मिला तो व्यापक तरीके से जन आंदोलन खड़ा किया जाएगा।

प्रधानाध्यापक ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को दिया आवेदन

शिक्षा में लापरवाही को लेकर मध्य विद्यालय में ग्रामीणों ने जड़ा ताला

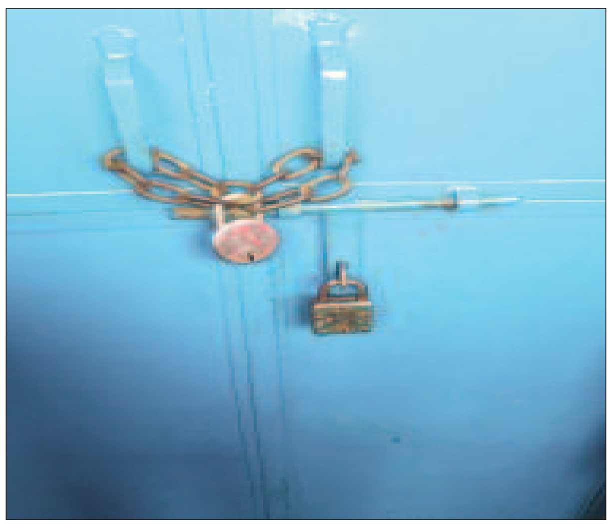

केटी न्युज/रोहतास

प्रखंड क्षेत्र के राजकीय मध्य विद्यालय केचुआ में ग्रामीणों ने ताला बंद कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि हमारा विद्यालय समविलियत नहीं होना चाहिए,अगर होगा तो हम पूरे विद्यालय नहीं चलने दूंगा। इस घटना से दुखी प्रधानाध्यापक ओमप्रकाश तिवारी ने अपने वरीय अधिकारियों को आवेदन देकर के इस समस्या के समाधान का गुहार लगाया। प्रधानाध्यापक श्री तिवारी का कहना है कि सरकार का जो आदेश आया है उसके आधार पर राजकीय मध्य विद्यालय केचुआ को पीएम श्री बलदेव उच्च माध्यमिक विद्यालय कौपा में मर्ज कर दिया गया है। प्रधानाध्यापक का कहना है कि जिला कार्यक्रम पदाधिकारी प्राथमिक शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान रोहतास के आदेश अनुसार पी एम श्री योजना अंतर्गत चयनित मध्य विद्यालय माध्यमिक विद्यालय एवं संविलियत किया गया है।

जो 18 अगस्त से पठन पाठन का कार्य पुनः कौपा में चालू हो गया है आपको बता दे की जिला शिक्षा पदाधिकारी के आदेशानुसार दोनों विद्यालय के प्रधानाध्यापक को समंजन कर करके काम चालू करने का आदेश निर्गत किया गया है जिसका विभागीय आदेश का पालन किया जा रहा है । प्रधानाध्यापक का कहना है कि ग्रामीण के विरोध के कारण विद्यालय सुचारू रूप से चला नहीं पाते हैं जिसका खामियाजा स्थानीय छात्र-छात्रा एवं विद्यालय के शिक्षक को भुगतना पड़ रहा है प्रधानाध्यापक ने कहा कि ताला बंद करने का विरोध किया गया तो ग्रामीणों द्वारा अभद्र व्यवहार करते हुए धक्का मुक्की के साथ विद्यालय में ताला बंद कर दिया गया सरकार के आदेशानुसार विद्यालय शिक्षा समिति का गठन किया गया था समिति के लोगों के द्वारा उसकाए गए बच्चों के अभिभावक को आगे कर-के राजनीतिक रोटियां से की जा रही है और सबसे ज्यादा विरोध वही करता है जिसका उसे विद्यालय से कोई लेना-देना नहीं है उनका बच्चा प्राइवेट में पड़ता है।

इसलिए वह चाहते हैं कि दूसरे का बच्चा ना पढ़ पाए सही ढंग से इसका कमिया जा विद्यालय के बच्चा बच्ची एवं शिक्षक को भुगतना पड़ रहा है और तब प्रधानाध्यापक ने सरकार के बढ़िया अधिकारी प्रखंड के अधिकारी से आगरा किया है कि जल्द से जल्द समस्या का समाधान किया जाए ताकि किसी का भविष्य बर्बाद ना हो इस मामला का बढ़िया अधिकारियों के द्वारा एक जांच दल गठित कर मामला को सलटाया जाए ताकि विद्यालय में सही ढंग से पठन-पाठन का कार्य सुचारू रूप से चल सके। काराकाट प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, काराकाट विकास पदाधिकारी , जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी को आवेदन देकर के प्रधानाध्यापक ने गुहार लगाया है अब बढ़िया अधिकारियों को देखना यह है कि इस मामला को कितने गंभीरता से लेकर के जल्द से जल्द इसका निपटारा करते हैं। प्रधानाध्यापक ने असम का जाहिर किया है कि मेरे साथ भी कोई गलत ना हो जाए इसलिए पदाधिकारी गण इस मामला को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द निपटारा करें।

प्रधानमंत्री की माँ को गाली देने के विरोध मे बड़हरा विधायक के नेतृत्व में भाजपा कार्यकताओं ने निकाला विरोध मार्च

केटी न्युज/आरा

वोटर अधिकार यात्रा के बहाने लगातार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को अपमान करने एवं मंच द्वारा उनकी माता जी को गाली देने की घटना पर भाजपा द्वारा सभी जगह विरोध किया जा रहा है। रविवार को बड़हरा विधानसभा के भाजपा कार्यकताओं का एक सभा का आयोजन सेमरिया बड़हरा मे किया गया। सभा की अध्यक्षता बड़हरा मंडल अध्यक्ष शुभम पांडेय ने किया। सभा में बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह सहित सभी मंडल अध्यक्ष,पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। सभा के दौरान प्रधानमंत्री जी के दिवंगत माता को गाली देने की घटना एवं महागठबंधन के नेताओं एवं कार्यकताओं के आचरण पर घोर निंदा की गई। सभा को संबोधित करते हुए बड़हरा विधायक ने कहा कि देश का प्रधानमंत्री को अपशब्द बोलना कॉंग्रेस सहित महागठबंधन नेताओं का आदत बन गया है। आज देश प्रधानमंत्री कू नेतृत्व मे विकसित भारत की ओर बढ चुका है।उनकी पहचान विश्व नेता के रूप मे हो गया है। महागठबंधन के नेता खासकर राहुल गाँधी द्वारा लगातार ओछी राजनीति किया जा रहा है। प्रधानमंत्री का अपमान देश का अपमान है और इसे हम कतई बर्दाश्त नही करेंगे। इसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है। महागठबंधन के नेताओं द्वारा बिहार की जनता को बरगलाने का काम किया जा रहा है,लेकिन बिहार की जनता समझदार है और तय कर चुकी हे कि बिहार मे एनडीए का ही सरकार होगा। सभा के बाद बड़हरा विधायक के नेतृत्व मे सुंदर बाजार सेमरिया से सैकड़ो भाजपा कार्यकताओं का विरोध मार्च निकला और बड़हरा प्रखंड मुख्यालय के सामने राहुल गाँधी और तेजस्वी यादव का पुतला दहन किया गया।इस दौरान भाजपा कार्यकताओं मे आक्रोश भरा हुआ था और राहुल गाँधी मुदार्बाद, कॉंग्रेस मुदार्बाद, महागठबंधन मुदार्बाद,माँ का अपमान नही सहेगा हिन्दुस्तान, वंदेमातरम, भारत माता की जय आदि नारे लगाए। कार्यक्रम में बड़हरा विधानसभा प्रभारी संजय कुमार सिंह,जिला उपाध्यक्ष धनंजय तिवारी, मंडल अध्यक्ष टुनटुन बिंद,संजय कुशवाहा, दीपक तिवारी,मुना सिंह,प्रशांत सिंह,संतोष सिंह संटु,रामाकांत सिंह,रंजीत गुप्ता,लल्लू सिंह,यशवंत सिंह,शैलेश सिंह गुड्ड,रौशन,रिशु मिश्रा, संदीप सिंह,पलधारी सिंह,कन्हैया साव,राजेश दत तिवारी,ओमप्रकाश साह,राधेश्याम सिंह,मंतोष कुमार सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे।

अतिथि सहायक प्राध्यापकों के समायोजन को लेकर सभापति से मिला प्रतिनिधिमंडल

केटी न्युज/रोहतास

जिला मुख्यालय सासाराम परिषदन के सभागार में रविवार बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह से बिहार राज्य अतिथि सहायक प्राध्यापक संघ कि महिला प्रतिनिधियों ने मुलाकात कर अपने पद के समायोजन की मांग रखी। सभापति ने आश्वासन दिया कि सरकार इस विषय पर सकारात्मक दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया कि संबंधित मंत्रियों, विधानसभा एवं विधान परिषद सदस्यों से वार्ता कर कानूनी और न्यायपूर्ण कार्रवाई पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। साथ ही सभापति ने यह भी कहा कि यदि प्रतिनिधिमंडल सहित सभी अतिथि सहायक प्राध्यापक पटना आकर अपनी बात राज्य स्तर पर रखना चाहतें हैं, तो उनके कार्यक्रम की उचित व्यवस्था सहित भोजन आदि की भी व्यवस्था यथासंभव मैं करूँगा। यह वक्तव्य उनके बड़े व्यक्तित्व और उदारता का परिचायक है। बैठक का नेतृत्व डॉ. नूतन बाला, डॉ. मधु तिवारी, डॉ. नाज़िया खातून, डॉ. रिंकी कुमारी, डॉ. वर्षा रानी एवं डॉ. खुशबू कुमारी ने किया। इसके अलावा शंकर कॉलेज के डॉ. मनीष प्रसाद, डॉ. आशुतोष अभय, एसपी जैन कॉलेज से डॉ. गौरव कुमार, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. गौरव एवं डॉ. रतनेश सहित कई पुरुष अतिथि सहायक प्राध्यापकों ने भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। बैठक के दौरान वीर कुंवर सिंह सहायक प्राध्यापक संघ द्वारा गूगल मीट का भी आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों प्राध्यापकों ने वीडियो कॉल के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और सभापति से समायोजन हेतु ठोस प्रयास करने का अनुरोध किया। माननीय सभापति का स्वागत और आवभगत युवा साथी आशुतोष अभय, रत्नेश कुमार और धर्मेन्द्र तिवारी ने किया, जिनकी मेहमाननवाजी से माननीय अत्यंत प्रभावित हुए।

शिव सरोवर तालाब में रविवार को हुई हृदयविदारक घटना ने पूरे गांव को गम के सागर में डुबो दिया

केटी न्युज/रोहतास

संझौली प्रखंड कार्यालय के समीप स्थित शिव सरोवर तालाब में रविवार को हुई हृदयविदारक घटना ने पूरे गांव को गम के सागर में डुबो दिया । नहाने के क्रम में गहरे पानी में चले जाने से बैरी टोला के दो मासूम बच्चे हमेशा के लिए जिंदगी से जुदा हो गए । सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक बच्चों की पहचान स्वर्गीय सोनू चौधरी के 10 वर्षीय पुत्र शिवम कुमार एवं रंजन चौधरी के 11 वर्षीय पुत्र अंकुश कुमार के रूप में हुई है । दोनों तालाब में नहा रहे थे,तभी पैर फिसलने से वे गहरे हिस्से में चले गए । जबतक लोग कुछ समझ पाते, दोनों मासूम पानी में समा गए । ग्रामीणों ने काफी खोजबीन के बाद उन्हें बाहर निकाला,लेकिन तबतक उनकी सांसें थम चुकी थीं । घटना की सूचना मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचे । मासूमों का शव देखते ही मां-बाप,बहन-भाई और रिश्तेदार दहाड़ मारकर रोने लगे । आसपास मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो गईं । गांव में चीख-पुकार और मातम का माहौल छा गया । संझौली थानाध्यक्ष शिव कुमार मंडल ने बताया कि दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल सासाराम भेजा गया है । उन्होंने कहा कि मृतक शिवम के पिता सोनू चौधरी की मौत कुछ दिन पूर्व ही हो गई थी । ऐसे में परिवार पर दोहरा वज्रपात हुआ है । पिता के बाद बेटे की मौत ने पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया है । जानकारी के अनुसार गांव में लोग कह रहे थे कि ई घर से हंसी-खुशी मानो हमेशा के लिए उठ गईब्बअब बचा है तो बस मातम ।

काराकाट : गालीबाज के मुखिया राहुल गांधी और तेजस्वी का भाजपा ने फूंका पुतला

- **भारत मां को गाली दिलवाने वाले देशद्रोही को देश नहीं करेगा माफ : डॉ. मनीष**

केटी न्युज/रोहतास

इंडिया गठबंधन गुंडों के गालीबाज टीम के मुखिया कांग्रेस नेता राहुल गांधी एवं राजद नेता व बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव का काराकाट भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन के नेतृत्व में एनडीए कार्यकताओं ने मुदार्बाद नारों के साथ काराकाट बाजार पर पुतला दहन किया। कार्यकताओं ने दोनों के विरुद्ध देशद्रोही का नाम देते हुए जमकर नारेबाजी की। इस मौके पर काराकाट विधानसभा के भाजपा भावी प्रत्याशी डॉ. मनीष रंजन ने कहा कि भारत मां हमारे देशवासियों की आन बान शान हैं। जिस मां भारती को राहुल गांधी और तेजस्वी यादव अपने इंडिया गठबंधन के गुंडे लोगों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के माता को मोहरा बना गाली देने का गिरा कार्य करवाया है। जो देश के इतिहास काल में देश की माताओं को गाली दिलवाने वाला मामला सबसे शर्मसार है। जिस गाली के जरिए राहुल गांधी और तेजस्वी ने बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार में अपनी घटिया मानसिकता का प्रचार भी तेज कर दिया है। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव एक विधानसभा चुनाव जीतने के लिए किस हद तक जा सकते है यह आज बिहार सहित पूरा देश ने देख लिया है। विगत दिन आयोजित जनसभा में कांग्रेस और राजद कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री के स्वर्गवासी माता के बारे में असंसदीय भाषा का इस्तेमाल किया। यह अशोभनीय कुकृत्य है। इससे आज पूरे देशवासी शर्मिंदा हैं। चुनाव जीतने की लालसा में मयार्दा की सारी सीमाएं लांघकर एक माता का अपमान करना राहुल गांधी और तेजस्वी यादव को विधानसभा चुनाव में महंगा पड़ेगा। जिसको बिहार की संस्कारी जनता उनको सबक अवश्य सिखाएगी। मौके पर मंडल अध्यक्ष - सुरेश गुप्ता, ललित मोहन सिंह, मुन्ना पांडे, भीम पांडे, संजय सिंह, रमाशंकर सिंह, युवा मोर्चा अध्यक्ष उतम सिंह, अजय यादव, कमल किशोर,दिनेश सिंह, रघुवंश सिंह, हरेंद्र हरियाली, हरिद्वार यादव,अरुण सिंह, लल्लू सिंह, आशुतोष सिंह, सुनील सिंह, मनमोहन तिवारी, लप्पू सिंह,गुडु यादव, विवेक कुशवाहा,अनिल सिंह,रमेश सिंह, अनिकेत सिंह, मुन्ना बोल्ट सहित सैकड़ों लोगों ने पुतला दहन में भाग लिया।

एक नजर

चाट जमीन को लेकर दो पक्षों के बीच हुई विवाद, प्राथमिकी दर्ज

बिक्रमगंज । रोहतास जिले के नटवार थाना क्षेत्र स्थित नटवार बाजार में सड़क किनारे खाली पड़े जमीन अर्थात चाट को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर विवाद हो गया। मामला इतना बढ़ा कि दोनों तरफ से एक- दूसरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करा दी गई । थाना सूत्रों के अनुसार प्रथम वादी उपेंद्र कुमार ने कांड संख्या 156/25 के तहत बंटी लाल सहित पांच लोगों को नामजद किया है। वहीं दूसरे पक्ष की वादिनी विभा देवी ने कांड संख्या 157/25 के तहत उपेंद्र कुमार सहित तीन लोगों को आरोपित बनाया है। नटवार थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि कांड संख्या 156/25 के आलोक में नामजद अभियुक्त बंटी लाल को गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि विवाद में शामिल दोनों पक्ष नटवार बाजार के ही निवासी हैं। पुलिस का कहना है कि दोनों प्राथमिकी की जांच की जा रही है और वास्तविक विवाद की वजह का पता लगाकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अपराधियों ने दिन दहाड़े तीन लोगों को मारी गोली, दो की मौत

रोहतास । जिला में इन दिनों अपराधियों का मनोबल सिर चढ़कर बोल रहा है। जो रविवार को शिवसागर प्रखंड के चंदवा गांव में दिनदहाड़े दो बाइक सवार अपराधी आए और गांव में घुसकर तीन लोगों की गोली से भूज डाला जिन में दो की मौत हो गई और एक घायल है जिनको बनारस रेफर कर दिया गया। उसके आक्रोश में परिजनों ने आकर पूरा फोर लाइन जाम कर। दिए उसके कारण पूरा दिन भर यातायात बाधित रहा तब जाकर जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा परिजनों को समझा बुझा कर जाम हटाया गया। जिस घटना मामलें में जिला प्रशासन द्वारा दो अपराधियों को गिरफ्तार करने की सूचना सूत्रों से मिली।

दुर्गा पूजा पंडाल का समिति सदस्यों ने किया भूमि पूजन

काराकाट । काराकाट प्रखंड के गोडारी नगर पंचायत में श्री श्री दुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में दुर्गा पूजा पंडाल का भूमि पूजन संपन्न हुआ। समिति के अध्यक्ष विशाल भारती ने बताया कि इस वर्ष पंडाल का निर्माण लोटस टेम्पल की तर्ज पर किया जाएगा। पूजा समिति कोषाध्यक्ष प्रशांत प्रसाद और सचिव दिलीप प्रसाद की उपस्थिति में भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। मैनेजमेंट अध्यक्ष ओम कुमार, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि संतोष यादव और शिक्षक अनिल कुमार पासवान भी इस अवसर पर मौजूद रहे। पूजा के मुख्य जजमान रवि चौरसिया, हरिनारायण प्रसाद और वासुकिनाथ प्रसाद ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। विशेष रूप से कलकत्ता से बुलाए गए प्रसिद्ध पंडाल निमार्ता आज से ही निर्माण कार्य शुरू कर देंगे। गौरतलब हो कि गोडारी का दुर्गा पूजा पंडाल पिछले वर्षों में भी अपनी विशेष थीम के लिए चर्चा में रहा है। वर्ष 2023 में चंद्रयान-3 और 2024 में अक्षरधाम मंदिर की थीम पर बनाए गए पंडाल ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। कोषाध्यक्ष प्रशांत प्रसाद ने सभी नगरवासियों और नवयुवकों से पंडाल निर्माण में सहयोग की अपील की है।

प्रधानमंत्री जी के मन की बात कार्यक्रम को भाजपा जिला कार्यालय सहित सभी बूथो पर सुना गया

आरा। प्रधानमंत्री जी के मन की बात कार्यक्रम के 125वें एपिसोड का प्रसारण भाजपा जिला कार्यालय बामपाली मे सम्पन्न हुआ। जिला कार्यालय के अलावा भाजपा के कार्यकताओ और पदाधिकारियों तथा जनता द्वारा जिले के सभी चालीस मंडल अंतर्गत बूथो पर विभिन्न माध्यम से देखा और सुना जाएगा। जिलाध्यक्ष दुर्गा राज ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के मन की बात कार्यक्रम ज्ञानवर्धक होता।आज का एपीसोड देश भक्ति और देश के प्रति लोगो मे ओज भरने वाला था। कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा के पदिधिकारियो मे जिलाध्यक्ष दुगार्राज ,जिला महामंत्री संतोष चन्द्रवंशी,जिला उपाध्यक्ष ई.धीरेन्द्र सिंह, सूर्यकान्त पांडेय, निशांत सिंह सेंगर ,पूर्व जिला महामंत्री राजेन्द्र तिवारी,संजय कुमार सिंह,धिरज सिंह, विजय भारती , भुनेश्वर ठाकुर, ने शहीद भवन स्थित विजय कंसल्टेंसी में मन की बात सुना जिला कार्यालय बामपाली में पुर्व विधायक संजय सिंह टाईगर सह मुख्यालय प्रभारी संजय सिंह महामंत्री पुनम कुशवाहा कार्यालय मंत्री सुनील श्रीवास्तव, सह कार्यालय मंत्री नितेश दुबे, आईटी सेल के जिला संयोजक बिजेन्द्र कुमार एवं,अन्य लोग थे।

कुमरी नदी में डूबने से शौच करने गए युवक की मौत

आरा। जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कुमरी नदी में डूबने से शौच करने गए युवक की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतक मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गोठहुला गांव वार्ड नंबर 8 निवासी ललन बिंद का 35 वर्षीय पुत्र अनिल बिंद है। वह मुंबई स्थित प्राइवेट कंपनी में काम करता था। इधर, मृतक के भतीजे कमलेश बिंद ने बताया कि शनिवार की शाम वह शौच करने के लिए बधार में गए थे। वापस लौटने के दौरान जब वह कुमरी नदी के पास पैर धोने गए। उसी दौरान उनका पैर फिसल गया और वह नदी में गिर कर डूब गए। इसके बाद वहां मौजूद एक छोटे लड़के ने इसकी सूचना परिजन को दी। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे और स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से नदी में घुसकर उसके शव को पानी से बाहर निकाला इसके बाद परिजन अपने संतुष्टि को लेकर उसे सदर अस्पताल ले आए। जहां चिकित्सक ने देख उसे मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद सदर अस्पताल में कार्यरत पुलिस पदाधिकारी द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराया गया बताया जाता है कि मृतक अपने तीन भाई व दो बहन में छोटा था। उसके परिवार में पत्नी भारती देवी व तीन पुत्री अंशु , अनु ,आरती एवं एक पुत्र आयुष है। इस घटना के बाद मृतक की पत्नी भारती देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

ट्रैक्टर ने शौच करने जा रहे हैं बुजुर्ग को कुचला, मौत

आरा। जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र के धनडीहा गांव में रविवार की सुबह अनियंत्रित ट्रैक्टर ने शौच करने जा रहे बुजुर्ग को कुचल दिया। हादसे में उनकी मौत हो गई। इलाज के लिए कोईलवर पीएचसी ले जाने के दौरान उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा।जानकारी के अनुसार मृतक कोईलवर थाना क्षेत्र के धनडीहा गांव निवासी स्व. लालदास राय के 75 वर्षीय पुत्र गिरधारी राय उर्फ गिरधारी यादव है एवं वह किसान थे। इधर, मृतक के परिजन ने बताया कि रविवार की सुबह वह शौच करने के लिए खेत की तरफ जा रहे थे। उसी दौरान अनियंत्रित ट्रैक्टर ने उन्हें कुचल दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए कोईलवर पीएचसी ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने देख उन्हें मृत घोषित कर दिया।

तीज को गया था ससुराल,गोबरी नदी में उतराती मिली लाश

कोईलवर। तीज के दिन घर से ससुराल के लिए कहकर निकले युवक का शव शनिवार की देर शाम बड़हरा थाना क्षेत्र के रामपुर-एकवना के बीच गोबरी नदी में उतराती हुई मिली.शव मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गयी.इधर इसकी सूचना जैसे ही कोईलवर नगर पंचायत स्थित उसके घर पहुंची हाहाकार मच गया.मृतक की पहचान कोईलवर थाना क्षेत्र के नगर पंचायत के सुरौधा कॉलोनी वार्ड 13 निवासी शिवकुमार प्रसाद के पुत्र विजय प्रसाद के रूप में की गई है.वह राजमिस्त्री का काम करता था.तीज के दिन घर से ससुराल जाने को कहकर निकलने के बाद से अबतक वापस नहीं लौटने को लेकर परिजन किसी अनहोनी की घटना से आशंकित थे जिसके बाद परिजनों ने इसकी गुमशुदगी की सूचना कोईलवर थाने में दो दिन पहले ही दर्ज कराई थी।

रविवार की देर शाम बिहार के नये मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने पदभार ग्रहण किया

बिहार के नए मुख्य सचिव ने पदभार किया ग्रहण, अमृत लाल मीणा ने खुद प्रत्यय अमृत को कुर्सी पर बिठाया

एजेंसी/पटना

रविवार की देर शाम बिहार के नये मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने पदभार ग्रहण किया। निवर्तमान मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने उन्हें खुद से कुर्सी पर बिठाया। इसके साथ ही उन्होंने प्रत्यय अमृत को बधाई और शुभकामनाएं दी। इस मौके पर दोनों अधिकारियों के फैमिली मेंबर्स और कई पदाधिकारी मौजूद थे।बता दें कि 31 अगस्त को 1989 बैच के कअर अफसर और चीफ सेक्रेट्री अमृत लाल मीणा को रिटायमेंट के 27 दिन पहले ही राज्य सरकार ने मुख्य सचिव पद पर पोस्टिंग का आदेश जारी कर दिया

था। इसकी अधिसूचना 4 अगस्त को ही जारी किया गया था। बता दें कि 1991 बैच के कअर अधिकारी प्रत्यय अमृत इससे पहले स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव और विकास आयुक्त थे। आज उन्होंने मुख्य सचिव का पदभार ग्रहण किया। वही 1989 बैच के कअर अफसर अमृत लाल मीणा के रिटायरमेंट पर विदाई समारोह का आयोजन मुख्य सचिवालय के सभागार में किया गया था। इस मौके पर मीणा की जीवनी पर एक वीडियो भी दिखाया गया। इस वीडियो में बताया गया कि राजस्थान के करौली जिले के रहने वाले अमृत लाल मीणा इस मुकाम तक कैसे पहुंचे। उनका जन्म बहुत ही साधारण परिवार हुआ था। अमृत लाल मीणा बचपन से वह मेधावी छात्र थे। अपनी मेहनत और ईमानदारी के बल पर मुख्य सचिव के पद तक गये। उन्हें उनके कार्यकाल में तीन बार राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। विवार को आयोजित विदाई समारोह में डीजीपी विनय कुमार, कअर हरजोत कौर, मिहिर कुमार सिंह, एन विजया लक्ष्मी, वंदना प्रेयषी, लोकेश कुमार सिंह, एच श्रीनिवास सहित, विकास आयुक्त एस सिद्धार्थ, अमृत लाल मीणा की पत्नी बर्फी मीना, प्रत्यय अमृत की पत्नी रत्ना अमृत सहित कई अधिकारी मौजूद थे। वहां मौजूद अधिकारियों ने अमृत लाल मीणा की कार्यशैली और उनके व्यक्तित्व पर अपने-अपने विचार रखे। वही सभी प्रमंडलीय आयुक्त और जिलाधिकारी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से विदाई समारोह से जुड़े हुए थे।

बिहार में बाढ़ राहत की राशि को मृतकों के खातों में भेजी गई, सूची में भारी गड़बड़ी का आरोप

एजेंसी/पटना

बिहार की राजधानी पटना से एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जहां बाढ़ राहत की राशी को मृत लोगों के खाते में भेज दिया गया है। दरअसल, यह मामला पटना से सटे बख्तियारपुर दियारा की है। प्रखंड की हरदासपुर दियारा, कालादियारा, रूपस महाजी, चिरैया रूपस और रामनगर सतभैया पंचायत के बाढ़ पीड़ितों के बैंक खाते में सात-सात हजार रुपये आए हैं, जिनमें कई लाभार्थियों स्वर्गवास हो गए है। दरअसल, मृतकों के बैंक खाते अब भी चालू हैं। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों को इस मामले से अवगत करा दिया है। हरदासपुर दियारा के मुखिया मनोज कुमार ने बताया कि उनके पंचायत में बाढ प्रभावितों की सूची में लगभग सौ लोग ऐसे हैं जो पंचायत के निवासी नहीं है। जबकि आठ से दस लोगों का निधन हो चुका है। उन्होंने आरोप लागया है कि बाढ़ पीड़ितों की सूची के लिए न तो अनुश्रवण समिति की राय ली गई और न ही किसी मुखिया से पारिवारिक जानकारी मांगी गई। मुखिया का कहना है कि मृतकों की सूची जनप्रतिनिधियों ने सीओ को दी थी। इसके बावजूद जिला मुख्यालय के कर्मियों की लापरवाही से मृतकों के खाते में राशि भेजी गई है। उनका आरोप है कि रूपस महाजी के कई वार्डों में पति-पत्नी के खाते में भी बाढ़ सहायता राशि आई है।

बैंक शाखा से 14.87 किलोग्राम सोने के आभूषण और 5 लाख नकद की लूट का मामला

बिहार के गैंग का खुलासा, एमपी में बैंक से करोड़ों की लूट, एसटीएफ ने पकड़े दो आरोपी

एजेंसी/पटना

मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में स्थित इसाफ बैंक शाखा से 14.87 किलोग्राम सोने के आभूषण और 5 लाख नकद की लूट के मामले में बिहार एसटीएफ ने बड़ी सफलता पाई है। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में स्थित इसाफ बैंक शाखा से 14.87 किलोग्राम सोने के आभूषण और 5 लाख नकद की लूट के मामले में बिहार एसटीएफ ने बड़ी सफलता पाई है। इस मामले में गया जिले से दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके पास से करीब 3 करोड़ का 3.112 किलोग्राम सोना भी बरामद किया गया है। जानकारी के मुताबिक, जबलपुर जिला के खितौला थाना के इसाफ बैंक की शाखा में 11 अगस्त 2025 को हथियारबंद अपराधियों ने लूट की घटना को अंजाम दिया। जांच में बिहार से जुड़े लुटेरों की जानकारी मिलने पर बिहार एसटीएफ ने डीएसपी आनंद कुमार के नेतृत्व में टीम गठित कर छापेमारी शुरू की। दरअसल, जांच के दौरान एक अपराधी की पहचान डोभी थाना के बीजा टोला निवासी राजेश दास उर्फ आकाश दास के रूप में हुई। राजेश दास पर गया के बाराचट्टी, शेरघाटी, जमुई के चकाई, रोहतास के नोखा, गिरिडीह के निमियाघाट, बेंगाबाद, बांका के चांदन, सासाराम के मुफ्फसिल, छत्तीसगढ़ के रायगढ़ कोतवाली और ओडिसा के बीरभूमि पुलिस थाने में कांड दर्ज हैं। बताया जा रहा है कि इस लूटकांड को 11 अगस्त 2025 को खितौला थाना क्षेत्र स्थित इसाफ बैंक, जबलपुर में अंजाम दिया गया था। अपराधियों ने हथियारों के बल पर बैंक से 14.87 किलोग्राम सोने के आभूषण और ?5 लाख की नकदी लूट ली थी। घटना के बाद जबलपुर पुलिस ने जांच शुरू की, जिसमें सुराग बिहार से जुड़े अपराधियों तक पहुंचा। गिरफ्तारी के दौरान बरामद सोना बैंक से लूटी गई संपत्ति का हिस्सा माना जा रहा है। जांच में यह भी सामने आया है कि राजेश दास पर बिहार, झारखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनके अलावा इंद्रजीत दास के खिलाफ भी शेरघाटी थाने में मामले दर्ज हैं। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने जबलपुर लूटकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। बरामद सोना भी इसी लूट की संपत्ति के रूप में पहचाना गया है। बिहार एसटीएफ ने पूछताछ की पूरी रिपोर्ट तैयार कर ली है और आगे की कानूनी प्रक्रिया जबलपुर पुलिस के सहयोग से पूरी की जा रही है। बिहार एसटीएफ का कहना है कि अन्य संलिप्त अपराधियों की तलाश जारी है, जिनकी पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत जबलपुर पुलिस के हवाले किया जाएगा। इस लूटकांड में बिहार एसटीएफकी तत्परता और समन्वित कार्रवाई ने साबित कर दिया कि राज्य सीमाएं अपराधियों के लिए अब सुरक्षित शरणस्थली नहीं रहीं। अंतरराज्यीय सहयोग और आधुनिक तकनीक के उपयोग से अपराधियों को कानून के शिकंजे में लाया जा रहा है।

विधानसभा चुनाव से पहले बिहार में रोड शो करेंगे पीएम मोदी, गयाजी में करेंगे पिंडदान !

एजेंसी/पटना

बिहार में इस साल विधानसभा का चुनाव होना है। ऐसे में देश और बिहार की मुख्य पार्टी अपनी रणनीति तैयार कर जनता के बीच जाकर उसको लुभाने में लगी हुई है। इसी कड़ी में अब जो जानकारी निकल कर सामने आ रही है। उसके मुताबिक पीएम मोदी का बिहार में एक बार फिर से रोड शो होने वाला है। जानकारी के अनुसार, गयाजी शहर में 6 सितंबर से शुरू हो रहे पितृपक्ष मेले के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को गयाजी आने वाले हैं। वे यहां अपने पितरों का पिंडदान करेंगे और बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर रोड शो भी करेंगे। सूचना यह भी है कि प्रधानमंत्री मोदी गयाजी में रात्रि विश्राम भी करेंगे।

हालांकि, फिलहाल इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, पीएम मोदी के आगमन को लेकर जिला प्रशासन, नगर निगम और पुलिस महकमे से जुड़े वरीय अधिकारी तैयारियों में जुट गए हैं। पितृपक्ष के दौरान गयाजी में देश-दुनिया से लाखों श्रद्धालु आते हैं। इसी बीच प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर भी तैयारी चल रही है। पिंडदान कौन करायेंगे और धार्मिक अनुष्ठान में उनके साथ कौन-कौन रहेंगे, इन पर भी कामकाज शुरू कर दिया गया है।

वोटर अधिकार यात्रा का समापन आज सडकों पर नजर आएंगे राहुल -तेजस्वी

एजेंसी/पटना

बिहार की राजनीति के लिए आज का दिन काफी अहम होने वाला है। इसकी वजह यह है कि आज राजधानी में बड़े नेताओं का जमावड़ा लगने वाला है। सबसे पहले तो आज तेजस्वी यादव और राहुल गांधी बिहार की राजधानी पटना में पैदल मार्च करेंगे। दरअसल, बिहार में चल रहे मतदाता सत्यापन के खिलाफ इंडिया गठबंधन की वोटर अधिकार यात्रा का समापन सोमवार को पटना में मार्च से होगा। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के साथ गठबंधन के नेता खुले वैन में सवार होकर गांधी मैदान स्थित गांधी मूर्ति से हाईकोर्ट स्थित अंबेडकर प्रतिमा तक जाएंगे। गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि कर शुरू होने वाला यह मार्च बाबा साहेब की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित कर समाप्त होगा। हालांकि, पटना जिला प्रशासन ने डाकबंगला चौराहा तक ही मार्च की अनुमति दी है। गांधी मूर्ति से मार्च सोमवार सुबह 10.50 बजे शुरू होगा। एसपी वर्मा रोड, डाकबंगला चौराहा होते हुए सवा बारह बजे नेहरू पथ स्थित अंबेडकर पार्क पहुंचेगा।

पटना के बाद अब बेगूसराय में कांग्रेस-बीजेपी के बीच झड़प

बिहार के 1 करोड़ से अधिक बच्चों को स्मार्ट बनाने के लिए नीतीश सरकार की विशेष योजना

एजेंसी/पटना

बिहार सरकार ने राज्य के सरकारी स्कूलों में कक्षा 6 से 12 तक के एक करोड़ से अधिक छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) और डिजिटल स्किल्स की शिक्षा देने की महत्वाकांक्षी योजना शुरू करने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में शिक्षा विभाग ने इसकी पूरी तैयारी कर ली है और जल्द ही एडोब (अड्ढी) कंपनी के डिजिटल एजुकेशन प्रोग्राम के साथ करार होगा। यह पहल नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप है जो बच्चों को किताबी ज्ञान से आगे ले जाकर तकनीकी दुनिया के लिए तैयार करेगी। 2025-26 से चुनिंदा स्कूलों में शुरू होकर 2026-27 तक पूरे

राज्य के मिडल और हायर सेकेंडरी स्कूलों में फैल जाएगी। इसका उद्देश्य बिहार के बच्चों को वैश्विक तकनीकी बदलावों के साथ कदम मिलाकर चलना सिखाना है ताकि वे भविष्य में नौकरियों और करियर में आगे रहें। नीतीश सरकार की यह योजना सरकारी स्कूलों के छात्रों को अक, कंप्यूटर स्किल्स, डेटा एनालिसिस, क्रिएटिव थिंकिंग और प्रॉब्लम-सॉल्विंग सिखाएगी। एडोब के प्लेटफॉर्म के जरिए इंटरेक्टिव लर्निंग होगी, जिसमें विजुअल, ऑडियो और मल्टीमीडिया कंटेंट शामिल होगा। इससे मैथ्स, साइंस और अंग्रेजी जैसे विषय आसान हो जाएंगे। शिक्षा विभाग का लक्ष्य है कि छात्र पैटर्न पहचानें, डेटा का विश्लेषण करें और भविष्य की संभावनाओं का अनुमान लगाना सीखें।

नाबालिग लड़की घर से जेवर और कैश उड़ाकर हुई फरार

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक एक नाबालिग लड़की अपने ही घर में हाथ साफ कर नौ दो ग्यारह हो गई है। घटना जिले के अहियापुर इलाके की है। बताया जा रहा है कि परिवार के साथ रह रही समस्तीपुर की मूल निवासी 17 वर्षीय एक छात्रा ने मां के गहने और पिता का एक लाख रुपये नकद लेकर फरार हो गई है। जानकारी के मुताबिक, छात्रा के पिता ने अहियापुर थाना में बेटी के अपहरण की एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस प्रेम प्रसंग मानकर छानबीन में जुट गई है। पुछताछ के दौरान लड़की के पिता ने पुलिस को बताया कि बीते 28 अगस्त को दोपहर ढाई बजे उनकी बेटी जीरोमाइल के निकट स्थित कोचिंग में पढ़ने के लिए गई थी। लेकिन, इसके बाद वह घर नहीं लौटी। उसकी खोजबीन शुरू की गई।

मौसम विभाग ने जारी की चेतावनी

आज बिहार के इन जिलों में होगी वर्षा, आईएमडी का अलर्ट

एजेंसी/पटना

बिहार में मानसून का असर अभी भी बना हुआ है, लेकिन अगले तीन दिनों में तापमान में दो से तीन डिग्री की बढ़ोतरी का अनुमान है। भारतीय मौसम विभाग ने ऐसे में पटना समेत 28 जिलों के लिए गरज, चमक और वज्रपात की चेतावनी जारी की है। सिवान और गोपालगंज में भारी वर्षा के लिए यलो अलर्ट है। जबकि अधिसंख्य भागों में 30-40 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना बताई गई है। रविवार को पटना में बादल छाए रहे और बूंदाबांदी हुई, लेकिन उमस भरी गर्मी ने लोगों को परेशान किया। पूर्वी चंपारण के कल्याणपुर में 90.2 मिमी

वर्षा सबसे अधिक दर्ज हुई। यह अलर्ट बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी और चक्रवाती परिसंचरण के कारण है, जो अगले कुछ दिनों तक जारी रह सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को उत्तर बिहार के अधिकांश इलाकों में भारी वर्षा हुई। पूर्वी चंपारण के कल्याणपुर (90.2 मिमी), पीपराकोठी (82.4 मिमी), कोतवा (48.2 मिमी), सुगौली (42.8 मिमी), पताही (38.2 मिमी), संग्रामपुर (36.2 मिमी), रक्सौल (34.6 मिमी), मोतिहारी (33.2 मिमी) और अरेराज (30.4 मिमी) में अच्छी बारिश रिकॉर्ड की गई। सिवान के सिसवन में 23.4 मिमी, सीतामढ़ी के ढेंगराब्रिज में 20 मिमी, गोपालगंज के फुलवरिया में 18.8 मिमी, बांका के शंभूगंज में 18.4 मिमी, गोपालगंज में 18.2 मिमी, गया में 17.2 मिमी, शिवहर में 16.8 मिमी, खगड़िया के बालतारा में 16 मिमी तथा बक्सर के नवानगर में 15.4 मिमी वर्षा हुई। दक्षिण बिहार के जिलों में वर्षा कम रही, लेकिन उत्तरी भागों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। राजधानी पटना का अधिकतम तापमान रविवार को 34.1 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमान 29.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गया में अधिकतम 35.1 और न्यूनतम 26.8 डिग्री, भागलपुर में 33.0 और 27.9 डिग्री, तथा मुजफ्फरपुर में 32.0 और 27.4 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। पूर्णिया में 35.4 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे अधिक तापमान दर्ज हुआ। अगले तीन दिनों में तापमान में बढ़ोतरी से उमस का असर और बढ़ सकता है और आज से मानसून के फिर सक्रिय होने की संभावना है।

सुभाषितम्

हमारी पहचान हमेशा हमारे द्वारा छोड़ी गई उपलब्धियों से होती है। -अमरीकी कहावत

गाजा में इजराइल का नरसंहार

इजरायल की सेना ने गाजा के सबसे बड़े शहर गाजा सिटी को युद्ध क्षेत्र में बदल दिया है। इजरायली सेना ने यहां पर मानवीय मदद पर भी पूरी तरह से रोक लगा दी है। गाजा शहर में रहने वाले हजारों नागरिकों को पिछले कई महीनो से भोजन नहीं मिल पा रहा है। हजारों लोगों की पहले ही मौत हो चुकी है। यहां के नागरिकों को पानी भी नहीं मिल रहा है। भोजन और पानी के अभाव में बूढ़े, बच्चे, महिलाओं ने हजारों की संख्या में दम तोड़ा है। अब इजराइल ने गाजा सिटी को ही युद्ध क्षेत्र घोषित कर दिया है। इजरायल की सेना लगातार फिलिस्तीनी नागरिकों के ऊपर कहर ढा रही है। अभी तक 80000 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। सारी दुनिया इस नरसंहार को चुपचाप देख रही है। इतने बड़े नरसंहार के बाद भी सारी दुनिया के देश चुप बैठे हैं। इजरायल की लड़ाई, आतंकी संगठन हमास के साथ थी। फिलिस्तीन की सरकार और नागरिक दो पाटों के बीच में फंसी हुई हैं। एक ओर इजरायल की सेना कहर बरपा रही है। दूसरी ओर हमास के लड़ाके फिलिस्तीन पर अपना दबाव बनाए हुए हैं। वहां की सरकार के नियंत्रण में कुछ नहीं है। इजराइल भी हमास से लड़ने के बहाने फिलिस्तीन के नागरिकों को मारकर अपनी भड़ास निकाल रहा है। जब फिलिस्तीन में सरकार के पास सेना ही नहीं है। ऐसी स्थिति में 2 देशों के बीच में यह युद्ध नहीं हो रहा है। इजराइल आतंकवादी संगठन हमास से लड़ रहा है। इसके बाद भी फिलिस्तीन के निर्दोष नागरिक जिनमें बुजुर्ग बच्चों और महिलाएं शामिल हैं। उनको मारकर फिलिस्तीन की जमीन पर कब्जा कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा परिषद इस नरसंहार को रोकने के जो भी प्रयास किए थे। वह सफल नहीं हुए। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी बड़ी-बड़ी डींग हाक रहे हैं। उसके बाद भी फिलिस्तीन के निर्दोष नागरिक लगातार मारे जा रहे हैं। आतंक की जो पराकाष्ठा हो सकती है। वह गाजा में देखने को मिल रही है। हमास के आतंकवादी संगठन से ज्यादा इजरायल की सेना में क्रूरता देखने को मिल रही है। इजराइल ने गाजा सिटी को खतरनाक क्षेत्र घोषित कर दिया है। इसके बाद जितनी बर्बरता इजरायल की सेना कर सकती है, कर रही है। सारी दुनिया चुपचाप तमाशा देख रही है। जब एक छोटे से देश फिलिस्तीन को लेकर सुरक्षा परिषद और अमेरिका जैसे देश इस नरसंहार को रोकने कुछ नहीं कर पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में आसानी के साथ समझा जा सकता है, रूस और यूक्रेन के बीच जो युद्ध पिछले कई महीनो से चल रहा है। उसे अमेरिका और नाटो के देश कैसे रोक पाएंगे। गाजा में इजराइल की सेना से लड़ने वाला कोई नहीं है। मासूम नागरिक वहां पर इजरायली सेना और नेतन्याहू के पागलपन का शिकार हो रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की यह चुप्पी बता रही है, अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं अपनी प्रासंगिकता खो चुकी हैं। भारत जैसा संवेदनशील धार्मिक राष्ट्र इस नरसंहार को रोकने के लिए जो प्रयास कर सकता था, वह नहीं कर रहा है। यह एक आश्चर्यजनक बात है। जिसकी लाठी उसकी भैंस वाला सिद्धांत एक बार फिर दुनिया के देशों के बीच में देखने को मिल रहा है। इजरायल-फिलिस्तीन, रूस-यूक्रेन, इरान इत्यादि देशों में हजारों निर्दोष बेसहारा लोगों की हत्या हो रही है। वर्तमान स्थिति यह बताती है, विकास और पूंजीवाद के रास्ते चलते हुए मानव समाज कितना असंवेदनशील एवं निर्मम हो चुका है। दुनिया के देश मिलकर भी इजराइल को नरसंहार करने से नहीं रोक पा रहे हैं। इजराइल लगातार फिलिस्तीन पर कब्जा करता चला जा रहा है। दुनिया के ताकतवर देशों के बीच में जिस तरह की तल्खी देखने को मिल रही है। उससे तीसरे विश्व युद्ध की आशंका यदा-कदा सामने आने लगी है। सारी दुनिया, प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध की भारी तबाही देखने के बाद भी, कोई सबक नहीं सीख पाई है। तो भगवान ही मालिक है। जिस फिलिस्तीन के पास अपनी कोई सेना नहीं है। इजरायल की सेना नागरिकों मार रही है। :लम्बे समय तक नरसंहार करने के बाद भी हमास के लड़ाकों से इजराइल नहीं जीत पा रहा है। निर्दोष नागरिकों को मारकर इजराइल अपनी दादागिरी और आतंक को सही ठहरना चाहता है।

चिंतन-मनन

इस तरह रामचरित मानस बना धर्म शास्त्र

करीब पांच सौ साल पहले तक कोई धर्म ग्रंथ हिंदी में नहीं था। सभी धर्म ग्रंथ संस्कृत में थे और चूंकि मध्य काल में शिक्षा दीक्षा का चलन काफी कम हो गया था, भक्ति भावना या धर्म श्रद्धा के लिए लोग संस्कृत विद्वानों की ओर ही ताकते थे। ऐसा कोई शास्त्र नहीं था, जो लोगों की अपनी भाषा में हो। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस लिख कर एक समाधान दिया था, लेकिन कठिनाई यह थी कि विद्वानों और धर्माचार्यों ने इसे मान्यता नहीं दी। इसलिए धर्म भावना से भरे लोगों के मन में यह फांस अटकी रहती थी कि वे राम कथा से तो प्रेरणा ले रहे हैं लेकिन उनकी जानकारी का जो स्रोत है, वह धर्म शास्त्र नहीं है। क्योंकि धर्मशास्त्र तो संस्कृत में ही हो सकता है। पुरानी मान्यता है कि कोई शास्त्र अथवा ग्रंथ लोकप्रिय होने से स्वीकार्य नहीं हो जाता। स्वीकार्य वह रचना होती है जिसे विद्वतजनों ने मान्यता दी हो। तुलसीदास के मन में मानस की शुरूआत करते ही यह बात आई थी। उन्होंने हिंदी में ही रामकथा की रचना शुरू की। दो वर्ष सात महीने और छब्बीस दिन में सन 1576 में यह रचना पूरी हुई। कहते हैं कि रचना लेकर गोस्वामी जी काशी चले गए। वहां विश्वनाथ मंदिर में पहली बार इसका पाठ किया। वहां पंडितों ने रचना को सराहा तो सही लेकिन संस्कृत में नहीं होने की वजह से इसे काव्य की मान्यता नहीं दी। गोस्वामीजी इससे क्षुब्ध हो गए। मानस के संबंध में प्रचलित किंवदंतियों के अनुसार काशी विश्वनाथ मंदिर में रखे जाने के बाद ग्रंथ पर सत्यम, शिवम सुंदरम के साथ भगवान शिव का नाम लिखा मिला। अनुश्रुति के अनुसार यह काशी विश्वनाथ की स्वीकृति थी। लेकिन इस कहानी को मनगढ़ंत माना गया है। रामचरितमानस के संबंध में इस तरह की कितनी ही कहानियां प्रचलित है जो उसकी महिमा को व्यक्त करती है। जैसे एक तो यही कि रामचरित मानस को चुराने के लिए चोर गए, वहां तुलसी की कुटिया में राम और लक्ष्मण पहरा देते हुए दिखाई दिए। इस तरह की तमाम किंवदंतियों के बावजूद मानस को शास्त्र की मान्यता नहीं मिली थी।

भारत-जापान दोस्ती से नये वैश्विक संतुलन की कोशिश

- ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा केवल एक राजनयिक औपचारिकता नहीं, बल्कि इक्कीसवीं सदी की नई एशियाई शक्ति संरचना का संकेत है। यह यात्रा भारत और जापान के बीच व्हादोस्ती के नए दौर का आगाज है, जो वैश्विक व्यापार, सुरक्षा और रणनीतिक संतुलन पर गहरा असर डालेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारत-जापान ज्वाइंट इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए जापान की टेक्नोलॉजी और भारत के टैलेंट से दोनों देशों के साथ दुनिया की तस्वीर बदलने की बात कही। भारत की विकास यात्रा में जापान की अहम भूमिका रही है। मेट्रो से मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर से स्टार्टअप तक अनेक विकास, तकनीकी एवं औद्योगिक क्षेत्रों में हमारी साझेदारी आपसी विश्वास का प्रतीक बना है। भारत विश्व की सबसे तेज विकसित होती अर्थ-व्यवस्था है। बहुत जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा, जिसमें दोनों देशों की निकटता से नये आयाम उद्घाटित होंगे। आज वैश्विक परिदृश्य में सबसे बड़ी चुनौती अमेरिका और चीन, अमेरिका एवं भारत के बीच चल रही व्हाटैरिफ वारद्व है। अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी शुल्क ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार की दिशा बदल दी है। इस टकराव का असर केवल अमेरिका-चीन पर नहीं पड़ा, बल्कि भारत जैसे उभरते बाजारों और विकसित होते देशों पर भी गहरा संकट आया है। भारत के निर्यात को नुकसान पहुँचा है, कच्चे माल की कीमतों में अस्थिरता आई है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है। ऐसे समय में भारत-जापान का एक-दूसरे के और नजदीक आना एक व्हारणनीतिक अवसरद्व है। जापान तकनीक, पूँजी और नवाचार में अग्रणी है, वहीं भारत के पास विशाल मानव संसाधन, बड़ा बाजार और विकास की अपार संभावनाएं हैं। मोदी की यह यात्रा इन दोनों शक्तियों को एक साझा मंच पर लाने का प्रयास है, ताकि अमेरिका की टैरिफ वार से बने शून्य की भरपाई की जा सके। निश्चित ही अमेरिका का भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाना भारत के सामने एक बड़ी चुनौती है और इस चुनौती का सामना करने में भारत सक्षम भी है। इन्हीं जटिल स्थितियों के बीच भारत अपने उत्पादों के लिए नए बाजार की तलाश में है। प्रधानमंत्री मोदी जापान के बाद चीन जाएंगे और वहां एससीओ समिट में भी हिस्सा लेंगे। चीन में प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन से भी हो सकती है। मोदी की यह जापान यात्रा केवल व्यापार तक सीमित नहीं है। चीन के विस्तारवाद, अमेरिका की अनिश्चित नीतियों और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे हालात में भारत और जापान का साथ आना संतुलनकारी शक्ति की तरह काम करेगा। दोनों देशों ने इंडो-पैसिफिक रणनीति को मजबूती देने पर जोर दिया है, जिसका उद्देश्य एशिया में शांति, स्थिरता और मुक्त व्यापार सुनिश्चित करना है। जापान भारत का पुराना मित्र राष्ट्र है। भारत और जापान के रिश्तों की नींव कोई आज की नहीं है। आठवीं शताब्दी में बोधिसेना नामक भारतीय साधु ने नारा के तोदाईजी मंदिर में भगवान बुद्ध की मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा की थी। यह पहला ऐतिहासिक संपर्क माना जाता है। आगे चलकर स्वामी विवेकानंद, रवींद्रनाथ टैगोर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और जस्टिस राधा बिनोद पाल जैसी हस्तियों ने दोनों देशों के रिश्तों को गहरा किया। आजादी की लड़ाई के दौरान नेताजी सुभाषचन्द्र बोस और आजाद हिन्द फौज को जापान से मिला समर्थन एवं सहयोग इस बात का प्रमाण है कि दोनों देशों के रिश्ते सन- 1947 से पहले से ही प्रगाढ़ एवं मित्रतापूर्ण थे। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भारत ने जापान के साथ अलग शांति संधि की, जिससे दोनों देशों के बीच आधिकारिक रिश्तों की शुरूआत हुई। आज भारत-जापान साझेदारी में रक्षा, विज्ञान, शिक्षा, संस्कृति और रणनीतिक सुरक्षा जैसे कई क्षेत्र शामिल हैं। मित्रता एवं सहयोग की यह विरासत आज भी जारी है, यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी की यह जापान की 8वीं यात्रा है। उन्होंने जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा को 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित करने के लिए धन्यवाद भी दिया। मोदी की यह जापान यात्रा निश्चित तौर पर दूरगामी उद्देश्यों से जुड़ी है। दोनों देशों के साझेदारी से नयी दिशाएं उद्घाटित होंगी, हालांकि इस साझेदारी की राह आसान नहीं है। भारत को अपनी नौकरशाही जटिलताओं, बुनियादी ढाँचे की कमी और नीतिगत अस्थिरताओं को दूर करना होगा, ताकि जापानी निवेशकों का विश्वास बढ़ सके। वहीं जापान को भी यह समझना होगा कि भारत का बाजार केवल उपभोक्ताओं का नहीं बल्कि एक साझेदारी की संभावनाओं का बाजार है। अमेरिका की टैरिफ वार ने वैश्विक व्यापार को असंतुलित किया है, लेकिन भारत-जापान की साझेदारी इसे संतुलन की दिशा दे सकती है। यदि यह रिश्ता आगे बढ़ता है, तो भारत केवल जापान का साझेदार ही नहीं रहेगा, बल्कि पूरे एशिया में व्हानई शक्ति धुरीद्व का केंद्र बन सकता है। भारत-जापान की निकटता एवं आपसी समझौते अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण है, व्यापारिक दृष्टिकोण से भरपूर संभावनाएं हैं। इससे सप्लाई चेन का नया केंद्र विकसित होगा। वैसे भी जापान, चीन पर निर्भरता घटाना चाहता है। भारत इसके लिए सबसे स्वाभाविक विकल्प है। यदि जापानी उद्योग भारत में बड़े पैमाने पर निवेश करते हैं तो मेक इन इंडिया को नई ऊर्जा मिलेगी। हाई-टेक सहयोग से सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत-जापान साझेदारी एशिया की नई तकनीकी धुरी बना सकती है। यह व्यापारिक संतुलन का भी आधार है। अमेरिका और यूरोप के बाजार अस्थिर हैं। भारत-जापान मिलकर एशिया-प्रशांत को स्थिर और सशक्त व्यापारिक क्षेत्र बना सकते हैं। दोनों देश बुनियादी ढाँचा निर्माण करते हुए एक दूसरे के विकास में सहायक होंगे। जापान का विशेष अनुभव और वित्तीय सहयोग भारत की मेट्रो रेल, हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन और बंदरगाह परियोजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह न केवल भारत की अर्थव्यवस्था को गति देगा, बल्कि दोनों देशों को दीर्घकालिक साझेदार बनाएगा। निश्चित तौर पर मोदी की जापान यात्रा केवल दोस्ती का नया अध्याय नहीं है, बल्कि अमेरिका-चीन टकराव से उपजे शून्य को भरने की कोशिश है। यह भारत को एक पैसिव खिलाड़ी से ग्लोबल लीडर की भूमिका में लाने का अवसर है। भारत-जापान की दोस्ती का नया दौर बदलती वैश्विक परिस्थितियों और शक्ति-संतुलन का निर्णायक पहलू है। आज की दुनिया बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। अमेरिका और चीन की टकराहट ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र को विश्व राजनीति का केंद्र बना दिया है। चीन की आक्रामक नीतियां, उसके विस्तारवादी रुख और आर्थिक दबदबे की कोशिशों ने भारत और जापान को स्वाभाविक रूप से निकट लाया है। भारत-जापान की साझेदारी अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और अन्य लोकतांत्रिक देशों के साथ मिलकर क्वाड को मजबूत करती है। यह केवल सुरक्षा गठबंधन नहीं बल्कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्वतंत्र नौवहन, आतंकवाद से मुकाबला, और आपसी व्यापार-विकास का साझा दृष्टिकोण है।

मतदाता सूची का सवाल : जारी है रागा का बेसुरा राग

-बी पी गौतम

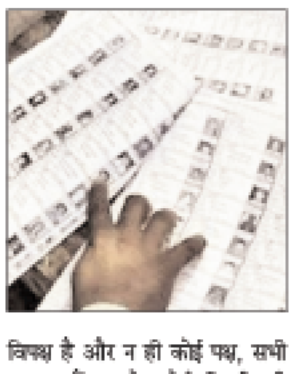

राहुल गांधी के आरोपों पर चुनाव आयोग विस्तार से जवाब दे चुका है, साथ ही चुनाव आयोग ने सात दिन के अंदर शपथ पत्र देने अथवा, देश से माफी मांगने को भी कहा था लेकिन, राहुल गांधी ने समय सीमा निकल जाने के बाद भी न शपथ पत्र दिया और न ही माफी मांगी, इसके अलावा महाराष्ट्र के चुनाव के संबंध में दायर की याचिका को उच्चतम न्यायालय ने भी खारिज कर दिया है एवं फर्जी आंकड़ों से भ्रम फैलाने वाले संजय कुमार ने भी माफी मांग ली है, इसके बावजूद राहुल गांधी अभी भी वोट चोरी का अपना राग अलापना बंद नहीं कर रहे हैं, वे संभवतः बिहार के विधान सभा चुनाव तक मतदाताओं को भ्रम में रखने का प्रयास करते रहेंगे, इसी मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं बीपी गौतम...

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने 17 अगस्त को राहुल गांधी को उनके दावों को साबित करने के लिये सात दिन के अंदर शपथ पत्र और साक्ष्य जमा करने या, देश से माफी मांगने को कहा था। चुनाव आयोग ने नेशनल मीडिया सेंटर में एक प्रेस वार्ता की थी, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राहुल गांधी के सभी आरोपों का विस्तार से जवाब भी दिया था। उन्होंने कहा था कि भारत के संविधान के अनुसार 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले भारत के प्रत्येक नागरिक को मतदाता बनना चाहिये और मतदान भी करना चाहिये। आप सभी जानते हैं कि कानून के अनुसार प्रत्येक राजनीतिक दल का जन्म चुनाव आयोग में पंजीकरण के माध्यम से होता है, फिर चुनाव आयोग समान राजनीतिक दलों के बीच भेदभाव कैसे कर सकता है? उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के लिये न तो कोई विपक्ष है और न ही कोई पक्ष, सभी समान हैं, चाहे कोई किसी भी राजनीतिक दल से संबंधित हो, चुनाव आयोग अपने संवैधानिक कर्तव्य से पीछे नहीं हटेगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि पिछले दो दशकों से लगभग सभी राजनीतिक दल मतदाता सूची में त्रुटियों को सुधारने की मांग कर रहे हैं, इसके लिये चुनाव आयोग ने बिहार से एक विशेष गहन पुनरीक्षण की शुरूआत की है। एसआईआर की प्रक्रिया में सभी मतदाताओं, बूथ स्तर के अधिकारियों और सभी राजनीतिक दलों द्वारा नामित 1.6 लाख बीएलए ने मिलकर एक सूची तैयार की है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया में एक करोड़ से अधिक कर्मचारी, 10 लाख से अधिक बूथ लेवल एजेंट, उम्मीदवारों के 20 लाख से अधिक पोलिंग एजेंट काम करते हैं, इतने सारे लोगों के सामने इतनी पारदर्शी प्रक्रिया में क्या कोई मतदाता वोट चुरा सकता है? ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बिहार में सूची जब से तैयार की जा रही थी तभी से इसे सभी राजनीतिक दलों के बीएलए से हस्ताक्षर करा कर सत्यापित कराया गया, इसमें आने वाली त्रुटि को ठीक करने के लिये सभी राजनीतिक दल और मतदाता अहम योगदान दे रहे हैं, उन्होंने कहा कि एसआईआर में त्रुटि हटाने के लिये अभी भी 15 दिनों का समय बाकी है। हम सभी दलों और बीएलए से अपील करते हैं कि आने वाले 15 दिनों में सूची में त्रुटि को फॉर्म भरकर बतायें। जमीनी स्तर पर सभी बीएलओ, बीएलए और मतदाता मिलकर काम कर रहे हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि चुनाव आयोग के दरवाजे सभी के लिये समान रूप से सदैव खुले हैं। जमीनी स्तर पर सभी मतदाता, सभी राजनीतिक दल और सभी बूथ स्तरीय अधिकारी मिलकर पारदर्शी तरीके से काम कर रहे हैं, सत्यापन कर रहे हैं, हस्ताक्षर कर रहे हैं। वीडियो प्रशंसा पत्र भी दे रहे हैं, यह गंभीर चिंता का विषय है कि राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्षों और उनकी ओर से नामित बीएलओ के यह सत्यापित दस्तावेज, प्रशंसा पत्र या तो उनके अपने राज्य स्तरीय या, राष्ट्रीय स्तर के नेताओं तक नहीं पहुंच रहे हैं, या फिर जमीनी हकीकत को नजरअंदाज कर-के भ्रम फैलाने की कोशिश की जा रही है। सच्चाई यह है कि कदम दर कदम सभी पक्ष बिहार के एसआईआर को पूर्ण रूप से सफल बनाने के लिये प्रतिबद्ध, प्रयासरत और मेहनत कर रहे हैं। जब बिहार के सात करोड़ से अधिक मतदाता चुनाव आयोग के साथ खड़े हैं तो, न तो चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर और न ही मतदाताओं की विश्वसनीयता पर कोई प्रश्न चिह्न लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अगर सही समय पर त्रुटि हटाने का आवेदन न किया जाये और वोट चोरी जैसे गलत शब्दों का इस्तेमाल कर जनता को गुमराह किया जाये तो, यह तो गलत है। यह संविधान का अपमान नहीं तो... और क्या है। कुछ लोगों ने ऐसे ही बेबुनियाद आरोप लगाये। जब उनसे सबूत मांगे गये तो, जवाब नहीं दिया गया। मतदाताओं के तस्वीरों का इस्तेमाल बिना उनकी इजाजत के किया गया, यह लोकतंत्र का अपमान नहीं तो... और क्या है, ऐसे बेबुनियाद आरोपों से चुनाव आयोग डरने वाला नहीं है। विपक्ष चुनाव आयोग के कंधे पर बंदूक रखकर राजनीति करने का प्रयास कर रहा है, ऐसे में हम साफ कर देते हैं कि चुनाव आयोग बिना किसी डर के गरीब, अमीर, बुजुर्ग, महिला, युवा सहित सभी धर्मों-वर्गों के लोगों के साथ चट्टान की तरह खड़ा था, खड़ा है और खड़ा रहेगा। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि रिटर्निंग ऑफिसर की ओर से नतीजे घोषित करने के बाद भी कानून में यह प्रावधान है कि 45 दिनों की अवधि के अंदर राजनीतिक दल कोर्ट जाकर चुनाव को चुनौती देने के लिये चुनाव याचिका दायर कर सकते हैं, इस 45 दिनों की अवधि के बाद इस तरह के बेबुनियाद आरोप लगाना, चाहे वह केरल हो, कर्नाटक हो या बिहार। जब चुनाव के बाद की वह 45 दिन की अवधि समाप्त हो जाती है और उस अवधि के दौरान किसी भी उम्मीदवार या, राजनीतिक दल को कोई अनियमितता नहीं मिलती है तो, आज इतने दिनों के बाद देश के मतदाता और जनता ऐसे बेबुनियाद आरोप लगाने के पीछे की मंशा समझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जहां तक मशीन-पठनीय मतदाता सूची का सवाल है तो, सुप्रीम कोर्ट 2019 में ही कह चुका है कि यह मतदाता की निजता का उल्लंघन हो सकता है। हमें मशीन-पठनीय मतदाता सूची और खोज योग्य मतदाता सूची के बीच के अंतर को समझना होगा। आप चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध मतदाता सूची को ईपीआईसी नंबर डालकर खोज सकते हैं, इसे डाउनलोड भी कर सकते हैं, इसे मशीन-पठनीय नहीं कहा जाता। मशीन-पठनीय के संबंध में 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने भी इस विषय का गहन अध्ययन किया और पाया कि मशीन-पठनीय मतदाता सूची देने से मतदाता की निजता का उल्लंघन हो सकता है।

पर्यावरणीय मंजूरी विवाद की जमीनी स्थिति

- राज कुमार सिन्हा

मध्यप्रदेश राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण (सिया) की कार्यशैली को लेकर विवाद सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। मई 2025 में, सिया ने एक दिन में ही 450 परियोजनाओं को मंजूरी देकर स्वीकृत कर दिया गया था। जबकि आवश्यकता अनुसार साझी बैठक बुलाना अनिवार्य था। इस प्रक्रिया में बैठक आयोजित नहीं की गई, फाइलें जानबूझकर लंबित रखी गईं, और समय सीमा समाप्त होने पर स्वीकृति अपने आप मान ली गई,जो नियमों का उल्लंघन है इसमें 200 से अधिक परियोजनाएं खनन विभाग से संबंधित थीं, जिसमें भ्रष्टाचार की गंभीर आशंका है। पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना 2006 के अनुसार, पर्यावरणीय मंजूरी के लिए संबंधित प्राधिकरण की सामूहिक बैठक आवश्यक है। यह नियम पूरी तरह नजरअंदाज किया गया। तकनीकी मूल्यांकन, जन-सुनवाई जैसी प्रक्रियाओं की अनदेखी हुई। कई मामलों में खनिज की मात्रा या नाम तक बदल दिए गए ताकि गैरकानूनी कृत्यों को कानूनी रूप दिया जा सके।आरोप है कि इस पूरा मामला खनन माफिया और दलालों को फायदा पहुंचाना था। अधिकारियों ने अनुमति प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर सिया की स्वायत्तता कमजोर करने का प्रयास किया गया है।अन्य परियोजनाओं की मंजूरी पर भी विवाद उठी—जब सहमति से ये मंजूरियां दी गईं, तब सदस्य सचिव ने असहमति जताई और प्रक्रिया को अवैध करार दिया। 28 मार्च से 21 अप्रैल 2025 तक सिया में कोई बैठक नहीं हुई, सैकड़ों फाइलें लंबित रहीं। अप्रैलक्षमई 2025 में केवल तीन बैठकें हुईं—लेकिन इनमें भी अधिकांश स्वीकृतियां सदस्य सचिव ने अकेले दी। सिया के चेयरमैन शिवनारायण सिंह चौहान ने इन फर्जी मंजूरियों को उजागर किया, कई बार बैठक बुलाने का अनुरोध किया, लेकिन जवाब नहीं मिला। उन्होंने मुख्यमंत्री और केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय को पत्र भेजकर इस प्रक्रिया को गैरकानूनी बताया। साथ ही एफआईआर दर्ज करने की मांग की। चेयरमैन एसएनएस चौहान ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाया है कि मूल्यांकन प्रक्रिया को दर किनार कर 237 परियोजनाओं को पर्यावरणीय स्वीकृतियां दें दी गई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि सिया की सदस्य सचिव उमा महेश्वर और पर्यावरण विभाग के प्रमुख सचिव नवनीत कोठारी ने मिलकर प्राधिकरण की बैठकों में देरी की, ताकि खनन माफियाओं को फायदा पहुंचाया जा सके। आरोप है कि इसके लिए सिया की अनिवार्य मूल्यांकन प्रक्रिया को भी दरकिनार कर कई प्रोजेक्ट्स को बिना अधिकार स्वीकृति दे दी। 24 जुलाई 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र वन एवं पर्यावरण मंत्रालय और मध्य प्रदेश के मुख्य सचिवक्षप्रधान सचिव को नोटिस जारी किया। यह नोटिस 237 अवैध पर्यावरणीय मंजूरियों को लेकर जारी किया गया था, जहां सदस्य सचिव द्वारा सिया को बायपास कर स्वीकृतियां दी गई थीं। कोर्ट ने पूछा कि ये मंजूरियां बिना सिया की बैठक के कैसे दी गईं, और उनसे दो सप्ताह में जवाब मांगा गया इस मामले पर विगत सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इसमें सुप्रीम कोर्ट ने मामले को बहुत गंभीर माना और केंद्र सरकार से जवाब मांगा है इस मामले में कोर्ट ने टिप्पणी किया है कि आईएएस अधिकारी पर्यावरण स्वीकृति जारी करेंगे, तो फिर राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण की स्वतंत्र संस्था होने का क्या मतलब रह जाएगा?

आज का राशिफल

मेष दिन बेहतरीन रहने वाला है भाग्य का सहयोग मिलेगा। आपको जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त हो सकती है।

वृषभ ऐसे में सोच-समझकर फैसले लेना बेहतर होगा और खानपान पर विशेष ध्यान दें।

मिथुन सफलता प्राप्त करने के लिए आपको धैर्य रखना होगा क्योंकि, समय अधिक लग सकता है।

कर्क आर्थिक मामले में भी खूब लाभ कमाएंगे। बड़ी मात्रा में धन लाभ होने के चलते आपका मन प्रसन्न रहेगा।

सिंह अगर स्वास्थ्य सही नहीं चल रहा था, तो अब आपको राहत मिल सकती है।

कन्या सहकर्मियों के सहयोग से आप किसी परियोजना को पूरा करने में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

तुला आज व्यापार में साझेदारी और संपर्कों से लाभ मिलने की संभावना है।

वृश्चिक आज कार्यक्षेत्र में साहसिक निर्णय लेने और कार्य करने से उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे।

धनु कार्यक्षेत्र में आपको अपने जरूरी कार्यों को पूरा करने के लिए मेहनत करनी पड़ सकती है।

मकर कुछ बदलावों का सामना करना पड़ सकता है और कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाइयां आ सकती हैं।

कुंभ अप्रत्याशित बदलाव देखने को मिल सकता है। जल्दबाजी में कोई भी फैसला लेने से बचें।

मीन आज व्यापार के मामले में आपको अपनी अपेक्षा से कम लाभ प्राप्त हो सकता है।

विशेष

केंद्र में लैटरल एंट्री बंद हो गई?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्र के विभिन्न पदों पर लैटरल एंट्री के माध्यम से बाहर से लाये गए विशेषज्ञों की नियुक्ति कर रहे थे। यूपीएससी का कोई मतलब नहीं रह गया था। सरकार जिसे चाहती थी, उसे संयुक्त सचिव बना देती थी। पिछली बार वैकेंसी निकाली थी। लेकिन उसे रोक दिया था। यह लैटरल एंट्री क्यों रुकी है, यह लोगों को समझ नहीं आ रहा है। कुल मिलाकर लैटरल एंट्री का रायता बिखर चुका है। भारतीय सेवा के अधिकारियों ने राहत की सांस ली है। बाहर से आकर लोग उनके हकों को मार रहे थे। वह सुपर बॉस की तरह व्यवहार करते थे। जल्द ही अब उनसे छुटकारा मिल जाएगा।

घुसपेठियों की राजनीति मे बचाव की मुद्रा

चुनाव आयोग और भाजपा समय-समय पर घुसपैठियों को लेकर बड़े-बड़े दावे करती रही है। इस बार बिहार के चुनाव में एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग ने घुसपैठियों का जो मुद्दा बनाया था। जो प्रमाण मतदाताओं से मांगे थे। उसके बाद से यह मामला तूल पकड़ गया। सभी विपक्षी दलों ने घुसपैठियों के मामले में भाजपा सरकार और चुनाव आयोग को निशाने पर ले लिया है। वोट अधिकार यात्रा के दौरान चुनाव आयोग से यह पूछा जा रहा है। उसे कितने घुसपैठिये मिले। इसी तरह भाजपा और नीतीश गठबंधन की 20 साल से बिहार में सरकार है। विपक्ष उनसे पूछ रहा है,कि घुसपैठिये आए कहां से,अब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को भी निशाने पर लिया जा रहा है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1290: इंग्लैंड नरेश एडवर्ड प्रथम ने यहूदियों के निष्कासन का आदेश जारी किया. 1876: तुर्की के सुल्तान मुराद पंचम को हटा दिया गया. 1900 : फ्रेडेरिक राबर्टस के नेतृत्व में ब्रिटिश फौजों ने जोहांसबर्ग पर कब्जा कर लिया. 1908: अमरीकी लेखक विलियम खरोया का जन्म. 1910: फारस अफगानिस्तान और तिब्बत के बारे में आस्ट्रिया रूस घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर हुए. 1922: चेक सर्ब क्रोट गठबंधन पर हस्ताक्षर हुए. 1939: फ्रांस के प्रधानमंत्री डैलेडियर और ब्रिटिश प्रधानमंत्री चैम्बरलेन की एडोल्फ हिटलर से बातचीत की कोशिश नाकाम हो गयी. 1942: जर्मन जनरल रोमेल ने द्वितीय विश्व युद्ध में उत्तर अफ्रीकी मोर्चे पर ब्रिटिश फौजों के खिलाफ जवाबी कार्यवाही शुरू की लेकिन असफल हो गया. 1957: मलाया स्वतंत्र हुआ. 1968: रोहिणी राकेट का प्रक्षेपण किया गया .

दैनिक पंचांग

अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति	
सूर्य	सिंह में
चंद्र	वृश्चिक में
मंगल	कन्या में
बुध	सिंह में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	कर्क में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कन्या	06.57 बजे से
तुला	09.08 बजे से
वृश्चिक	11.22 ब.से
धनु	13.38 बजे से
मकर	15.43 बजे से
कुंभ	17.30 बजे से
मीन	19.03 बजे से
मेष	20.33 बजे से
वृष	22.13 बजे से
मिथुन	00.11 बजे से
कर्क	02.25 बजे से
सिंह	04.41 बजे से

2025 वर्ष का 243 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि अष्टमी 00.58 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** अनुराधा 17.27 बजे को समाप्त। **योग** वैधृति 15.59 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 11.55 बजे तदनन्तर बव 00.58 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 7.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 08° 37'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872453
जूलियन दिन 2460918.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446 **महीना** रबि उलावल **तारीख** 07 **विशेष** गौरी आवाहन, राधा अष्टमी, मासिक दुर्गाष्टमी, महालक्ष्मी व्रत आरंभ, दूर्वा अष्टमी।

दिन का चौघड़िया				
उद्वेग	05.56	से	07.23	बजे तक
चर	07.23	से	08.51	बजे तक
लाभ	08.51	से	10.18	बजे तक
अमृत	10.18	से	11.46	बजे तक
काल	11.46	से	01.14	बजे तक
शुभ	01.14	से	02.41	बजे तक
रोग	02.41	से	04.09	बजे तक
उद्वेग	04.09	से	05.36	बजे तक

रात का चौघड़िया				
शुभ	05.36	से	07.09	बजे तक
अमृत	07.09	से	08.41	बजे तक
चर	08.41	से	10.14	बजे तक
रोग	10.14	से	11.46	बजे तक
काल	11.46	से	01.19	बजे तक
लाभ	01.19	से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.51	से	04.24	बजे तक
शुभ	04.24	से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

पूजा करने घर से निकले, सुबह मिली लाश, खूंटपानी में पत्थर से कूचकर बुजुर्ग की हत्या

खूंटपानी, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिले के खूंटपानी प्रखंड के दोपाई गांव में एक बुजुर्ग व्यक्ति की पत्थर से कूचकर हत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान गांव के ही मांगता तियु (64) के रूप में हुई है। घटना की सूचना पाकर पांड्राशाली ओपी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चाईबासा भेज दिया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। दोपाई गांव के ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार मांगता तियु रोजाना की तरह कल शनिवार की रात भी अपने घर के पास बैठा हुआ था। इस दौरान कहीं पूजा करने की बात कह कर वह घर से निकला, लेकिन फिर वापस घर नहीं लौटा। रविवार की सुबह बकरी चराने गये कुछ लोगों की नजर गांव के पास सड़क पर बने आरसीसी पुलिया पर पड़ी, जहां पुलिया के नीचे मांगता तियु की लाश पड़ी थी। शव को देखने से प्रतीत होता है कि पत्थर से कूचकर बुजुर्ग की हत्या की गयी है। ग्रामीणों ने शव की पहचान की और फिर पूरे मामले की जानकारी पांड्राशाली ओपी पुलिस को दी। पांड्राशाली ओपी पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। समाचार लिखे जाने तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की गयी थी। पांड्राशाली ओपी पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है।

नशे की हालत में नहाने के लिए डैम में कूदा शख्स, डूबने के दूसरे दिन तैरती मिली लाश

गढ़वा, एजेंसी। गढ़वा थाना क्षेत्र के संग्रहे गांव के बिनवाडीह टोला निवासी 55 वर्षीय परगन बिंद ने शनिवार की सुबह करीब आठ बजे तरके डैम में नहाने के दौरान डूब गया था। इसकी जानकारी के बाद ग्रामीणों ने डैम में उतर कर हर संभव खोजबीन की, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। तब ग्रामीणों ने इसकी जानकारी प्रशासन को दी। जानकारी मिलने के बाद अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार एवं गढ़वा व मेराल थाना की पुलिस भी मौके पर पहुंची। गढ़वा के एसडीएम ने करीमन नामक एक गोताखोर को गढ़वा बुलवाकर डैम में परगन बिंद की खोजबीन कराई, लेकिन उसे भी सफलता नहीं मिली। इसके बाद अंधेरा होने के कारण आज खोजबीन रोक दी गई थी। रविवार की सुबह परगन बिंद का शव डैम के पानी में तैरता हुआ ग्रामीणों को दिखा। इसके बाद इसकी सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दी है। इस मामले में ग्रामीणों ने बताया कि जिस समय परगन बिंद डैम में नहाने उतरे हुए थे, तब वह शराब के नशे में थे। वहां मौजूद कई लोगों ने उसे डैम में उतर कर नहाने से रोकने का भी प्रयास किया, लेकिन वह किसी की बात नहीं माना और डैम में नहाने के लिए छलांग लगा दिया।

रांची के नगड़ी में झारखंड के पूर्व सीएम चंपाई सोरेन लगायेंगे 'आदिवासी महादरबार'

रांची, एजेंसी। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन दुर्गा पूजा के बाद अक्टूबर में रांची जिले के नगड़ी में एक 'आदिवासी महादरबार' का आयोजन करेंगे। इसमें करोड़ों रुपए के सरकारी स्वास्थ्य संस्थान के लिए भूमि अधिग्रहण के खिलाफ भविष्य की रणनीति तैयार की जाएगी। चंपाई सोरेन ने शनिवार को ये बातें कहीं। चंपाई सोरेन को इसी मुद्दे पर आदिवासी संगठनों द्वारा 'हल जोतो, रोपा रोपो' नाम से आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान कानून एवं व्यवस्था की संभावित समस्या की आशंका के मद्देनजर पिछले रविवार को नजरबंद कर दिया गया था। 20 से अधिक आदिवासी समूहों, किसानों और भूमि मालिकों ने उस स्थल पर आंदोलन में भाग लिया, जहां झारखंड सरकार द्वारा 1,074 करोड़ रुपए की रिम्स-2 अस्पताल परियोजना प्रस्तावित की गयी है। 'मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि जब भी आदिवासियों/मूलवासियों की भूमि अधिग्रहण करने या उन्हें विस्थापित करने का कोई प्रयास किया जायेगा, मैं इसका विरोध करूंगा और समुदाय के साथ खड़ा रहूंगा।' सरायकेला विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक चंपाई सोरेन ने एक बयान में कहा, 'एक बार फिर, मैं सरकार को याद दिलाना चाहूंगा कि हमारा विरोध प्रस्तावित रिम्स-2 अस्पताल के खिलाफ नहीं है। एक नहीं, आप (राज्य सरकार) 10 अस्पताल बनाएं, लेकिन किसानों की कृषि भूमि पर बिल्कुल नहीं, क्योंकि मनुष्य को दवा से ज्यादा अनाज की जरूरत है।' उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, 'मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि जब भी आदिवासियों/मूलवासियों की भूमि अधिग्रहण करने या उन्हें विस्थापित करने का कोई प्रयास किया जायेगा, मैं इसका विरोध करूंगा और समुदाय के साथ खड़ा रहूंगा।' रविवार 24 अगस्त 2025 को नगड़ी में हुए विरोध प्रदर्शन के बाद अपने और अन्य लोगों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी का हवाला देते हुए चंपाई सोरेन ने कहा, 'आदिवासी विरोधी सरकार को पता होना चाहिए कि अपनी जमीन पर हल चलाना और पौधे रोपना कोई अपराध नहीं है। इसलिए सरकार को मामला वापस लेना चाहिए।' नगड़ी में विरोध प्रदर्शन के दौरान बाहरी लोगों को लाने के मंत्रियों और विधायकों की ओर से लगाये गये आरोपों का जवाब देते हुए सरायकेला के भाजपा विधायक चंपाई सोरेन ने सवाल किया, 'मैं उनसे प्राथमिकी देखने के लिए कहूंगा, जिसमें केवल आदिवासियों और मूलवासियों के नाम ही आरोपियों के रूप में दर्ज हैं।' चंपाई सोरेन ने आरोप लगाया, 'राज्य सरकार की मानसिकता समझी जा सकती है, जो आदिवासी समुदाय के सदस्यों को बाहरी बताती है और बांग्लादेशी घुसपैठियों को अपना मानती है।'

भाषा आउर संस्कृति हय तो हम ही, नागपुरी संगीत में फैलती अश्लीलता पर बहस तेज

रांची, एजेंसी। नागपुरी संगीत में अश्लीलता का मामला लगातार गरमाता जा रहा है और इस पर सोशल मीडिया पर बड़ी बहस छिड़ी हुई है। लोगों का कहना है कि झारखंड की पहचान केवल उसकी खनिज संपदा, जंगलों और जनजातीय जीवन से नहीं है, बल्कि उसकी असली आत्मा उसके गीत-संगीत में बसती है। नागपुरी संगीत इस क्षेत्र की संस्कृति की धड़कन है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी लोकजीवन से जुड़ा रहा है। खेतों और त्योहारों से लेकर श्रमगीतों और मंगलगीतों तक, हर अवसर पर इस संगीत ने जीवन में रंग भरे हैं। लेकिन अब यह संस्कृति अपनी पहचान और अस्मिता के संकट से जूझ रही है।

नागपुरी संगीत में अश्लीलता को लेकर प्रभात खबर से फिल्म निर्माता लाल विजय शाहदेव ने बात की। उन्होंने मामले को लेकर चिंता व्यक्त की। शाहदेव ने कहा कि आज अगर यूट्यूब पर 'नागपुरी गाना' सर्च करें तो असली नागपुरी धुन कम और भोजपुरी की सस्ती नकल ज्यादा दिखाई देती है। यह चिंता का विषय है। भोजपुरी संगीत कभी अपनी मिठास और लोकधुनों के लिए मशहूर था, लेकिन धीरे-धीरे वह अश्लीलता का पर्याय बन गया। यही बीमारी अब नागपुरी संगीत को भी अपनी गिरफ्त में ले रही है। सवाल यह है कि क्या हम चुपचाप बैठे रहेंगे और अपनी सांस्कृतिक धरोहर को इस दलदल में डूबता देखेंगे?

शाहदेव ने कहा कि नागपुरी संगीत की खूबसूरती उसकी सरलता और गहराई में है। लेकिन आज एक बड़ी संख्या केवल 'व्यूज' और 'लाइक' की दौड़ में फंस गई है। यही कारण है कि सस्ते और बेसुरे गीत भी लाखों-करोड़ों लोगों तक पहुंच जाते हैं। इस स्थिति के लिए केवल कलाकार ही दोषी नहीं हैं, इन गानों को सुनने वाले भी उतने ही जिम्मेदार हैं। जब समाज नकली को असली मान ले और गंदगी को सराहना देने लगे, तो असली कला हाशिये पर चली जाती है।

मायं माटी भाषा आउर संस्कृति हय तो हम ही नहीं तो कोनवे नहींज्यह कहना नंदलाल नायक का है। वे दो पद पर काबिज हैं। पहला जनरल काउंसिल सदस्य (झारखण्ड राज्य), महासभा जबकि दूसरा संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली, भारत सरकार। प्रभात खबर से बात करते हुए उन्होंने कहा, ''यदि आप भाषा और संस्कृति को उसकी गरिमा प्रदान करेंगे तो भाषा आपको अपना 'गौरव' प्रदान करेगी। आप भाषा को सम्मान दें।

पॉपुलारिटी लेने के लिये किसी भी हद तक ना गिरें।'' आगे नायक ने कहा कि क्षेत्रीय संगीतज जैसे लोकगीत या पारंपरिक धुनें, समाज की गहराईयों से जुड़ी होती हैं। ये किसी क्षेत्र की आत्मा को अभिव्यक्त करते हैं हमारे पूर्वजों के इस धरोहर को सजाने संवारने की जरूरत है। युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों के साथ जुड़ने की जरूरत है। जैसे-जैसे नई पीढ़ी हमारी विरासत को जानेगी, हमारी संस्कृति, मूल्य और परंपराएं न केवल संरक्षित रहेंगी बल्कि विकसित भी होंगी।

नंदलाल नायक ने कहा कि संस्कृति कोई पायदान नहीं है जिसके ऊपर पैर रखकर अपने लिए नाम और दाम कमाया जाए। हमारे युवा पीढ़ी के कुछ लोग किसी भी हद पर गिर कर ऐसा कर रहे हैं। वे सांस्कृतिक अश्लीलता को सार्वजनिक मंच पर नागपुरी भाषा में प्रस्तुत कर सस्ती लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं। ऐसे लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अभी हमारी लीगल टीम कानूनी कार्रवाई की संभावना की जांच कर रही है।

कोडरमा के होटल में मृत मिला युवक चारपाई पर गिरा मिला था मृतक

कोडरमा, एजेंसी। सतगावां थाना क्षेत्र के कटैया ढाब निवासी एक युवक की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। मृतक की पहचान 35 वर्षीय इंद्रदेव यादव, पिता कैलाश यादव के रूप में की गई है। वह पेशे से राज मिस्त्री था। इन दिनों पोखरडीहा मोड़ स्थित एक होटल (पूजा होटल) में काम कर रहा था। शनिवार को होटल में भोजन करने के बाद उसकी अचानक मौत हो गई। पुलिस को करंट लगने का संदेह है, हालांकि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

खाना खाने के बाद चारपाई पर गिरा मिला : मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को इंद्रदेव यादव पूजा होटल में मछली-भात खाने गया था। खाना खाने के बाद जैसे ही वह होटल से बाहर निकला, पास में रखी चारपाई पर गिर गया। होटल कर्मियों ने जब उसे देखा तो वह अचेत अवस्था में पड़ा हुआ था। पास जाकर देखने पर वह मृत पाया गया। इसके बाद तत्काल घटना की सूचना सतगावां थाना को दी गई।

पुलिस को करंट लगने का संदेह : सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सौरव शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। प्रारंभिक जांच में मृतक के दाहिने हाथ की कोहनी और पेट पर जख्म के निशान पाए गए। वहीं, घटनास्थल पर लगे पंखे का तार टूटा हुआ मिला, जिससे यह संदेह गहराया है कि युवक की मौत करंट लगने से हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल कोडरमा भेज दिया है।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद खुलेगा राज : थाना प्रभारी सौरव शर्मा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और हर पॉइंट पर बारीकी से जांच की जाएगी। मृतक के परिजनों की ओर से अब तक कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

परिवार में मचा कोहराम : इंद्रदेव की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। परिजन लगातार रो-रोकर बेहाल हैं। मृतक अपने पीछे एक बेटा और एक बेटी को छोड़ गया है। गांव में भी घटना को लेकर शोक का माहौल है। स्थानीय लोग इस घटना को लेकर कई तरह की अटकलें लगा रहे हैं।

गिरिडीह के तिसरी में कार-बाइक की टक्कर गणेश महोत्सव से लौट रहे दो युवक घायल

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह के तिसरी-गांवा मुख्य सड़क पर शनिवार की देर शाम एक सड़क हादसा हुआ। तिसरी चौक से 100 मीटर आगे गावां रोड पर कार और बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। घायल युवकों की पहचान सरफराज अंसारी और मोहित सिंह के रूप में हुई है।

दोनों टीवीएस राइडर बाइक से तिसरी में आयोजित गणेश महोत्सव देखकर अपने घर केंवटाटांड लौट रहे थे। इसी दौरान गावां की ओर से गिरिडीह जा रही पुरानी मॉडल की आई-10 कार से टक्कर हो गई।

बाइक के परखचे उड़े, कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त : दुर्घटना में बाइक के परखचे उड़ गए और कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। तिसरी थाना प्रभारी रंजय कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तिसरी ले जाया गया। वहां डॉ जैनेंद्र ने उनका इलाज किया। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। घायलों की स्थिति अब खतरे से बाहर है।

एजेंसियों की मनमानी से मजदूरों को समय पर नहीं मिल रहा मनरेगा का पैसा, किसान ने कोर्ट में जाने की दी धमकी

सतबरवा (पलामू), एजेंसी। पलायन रोकने के लिए केंद्र और राज्य सरकार मनरेगा के तहत करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन हकीकत में यह योजना मजदूरों के लिए छलावा साबित हो रही है।

कार्य एजेंसियों की मनमानी और लापरवाही के कारण न तो मजदूरों को समय पर मजदूरी मिल रही है और न ही सामग्री आपूर्तिकर्ताओं का भुगतान हो पा रहा है। ताजा मामला सदर प्रखंड के पोलपोल कला पंचायत का है, जहां लाभुक राम प्रवेश पाल ने अपने निजी आहर (धान का खेत) में कूप निर्माण कराया। आवेदन और जांच प्रक्रिया 10 से 16 दिसंबर 2024 के बीच पूरी हो गई थी। चेक स्लीप भी जारी हुई, जिसमें स्पष्ट लिखा था कि मांगधारी से एनओसी प्राप्त कर कार्यवाही की जा सकती है।

बावजूद इसके, 2023-24 में स्वीकृत योजना ब्लॉक स्तर पर कार्य एजेंसी की लापरवाही से ठंडे बस्ते में डाल दी गई। बाद में आनन-फानन में दोबारा चेक स्लीप बनाकर कूप निर्माण तो करा दिया गया, मगर आज तक एक फूटी कौड़ी का भी भुगतान नहीं हुआ।

लाभुक राम प्रवेश पाल ने बताया कि उन्होंने 20 अगस्त 2025 को मनरेगा लोकपाल व उपायुक्त पलामू और 22 अगस्त को डीडीसी पलामू को आवेदन देकर वस्तुस्थिति से अवगत कराया है।

उनका कहना है कि लेबर और सामग्री दोनों का पूरा भुगतान बकाया है। उन्होंने कहा कि अगर भुगतान नहीं करना था तो आखिर कूप मुझसे क्यों बनवाया गया? यदि भुगतान नहीं हुआ तो मैं न्यायालय जाने को बाध्य होऊंगा।

इस संबंध में बीपीओ अमन कुमार ने बताया कि लाभुक के भाई की ओर से ब्लॉक को आपत्ति पत्र मिला है। फिलहाल लाभुक ने जिला स्तरीय पदाधिकारियों को आवेदन दिया है। जिला से निर्देश मिलते ही भुगतान की कार्रवाई की जाएगी।

मनरेगा लोकपाल शंकर कुमार ने कहा कि दो कूप की जांच की गई। इसमें एक सालो गांव के कृपाल पाल का और दूसरा पोलपोल कला के राम प्रवेश पाल का है। दोनों योजनाओं की कुल लागत 8 लाख 5 हजार 94 रुपये है।

इनमें कृपाल पाल के कूप पर 32,148 रुपये का भुगतान हो चुका है, लेकिन राम प्रवेश को अब तक भुगतान नहीं मिला है।लोकपाल ने कहा कि कार्य एजेंसियों को नोटिस जारी किया जाएगा। कहा कि अगर आपत्ति थी तो मुखिया ने नोटिस क्यों नहीं जारी की? कार्य एजेंसी पर कार्रवाई होगी।

'जल-जंगल-जमीन बचाने के नाम पर वोट मांगने वालों से ही लड़ाई', बाबूलाल मरांडी का हेमंत सरकार पर हल्ला बोल

मेदिनीनगर (पलामू), एजेंसी। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने मौजूदा राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा के नाम पर सत्ता में आए लोग अब उन्हीं गरीबों की खेती योग्य जमीन छीनने पर उतारू हैं, जिनके बल पर वे कुर्सी तक पहुंचे। मरांडी परिसदन में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि रिम्स-2 के नाम पर सरकार गरीब आदिवासियों की जमीन जबरन अधिग्रहित कर रही है। यह वही भूमि है, जिसे 1956-57 में कृषि विश्वविद्यालय के लिए चिन्हित किया गया था, लेकिन ग्रामीणों के विरोध और तत्कालीन मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप के बाद किसानों के लिए छोड़ दी गई थी। 2012 में आईआईएम और आईआईटी के लिए भी यही जमीन तय हुई थी, तब भी शिबू सोरेन ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया था कि उनकी खेती की जमीन नहीं छीनी जाएगी।

मरांडी का आरोप है कि सरकार ने अब फिर से इस भूमि को कंटीले तारों से घेर दिया है और विरोध करने वाले 85 ग्रामीणों पर नामजद मुकदमा दर्ज कर दिया गया है। उन्होंने 2013 के भूमि अधिग्रहण कानून का हवाला देते हुए कहा कि यदि किसी परियोजना के लिए अधिग्रहीत जमीन पर पाँच साल तक निर्माण नहीं होता, तो उस पर पुनः दावा नहीं किया जा सकता।

पूर्व मुख्यमंत्री ने सूर्या हांसदा की हत्या को लेकर भी सरकार और पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। कहा कि सादे लिबास में पुलिस ने उसे पकड़कर जंगल में ले जाकर टॉर्चर किया और माफियाओं के इशारे पर उसकी हत्या कर दी।

बालू कारोबार पर भी उन्होंने राज्य सरकार को कठघरे में खड़ा किया। कहा कि उनकी सरकार में घाटों की नीलामी खत्म कर पंचायतों को अधिकार दिए गए थे। लेकिन मौजूदा सरकार ने यह व्यवस्था खत्म कर बाहरी माफियाओं को संरक्षण दिया है।

मरांडी ने कहा कि सरकार की नीतियां गरीबों और आदिवासियों के खिलाफ हैं। जल-जंगल-जमीन बचाने की लड़ाई अब उन्हीं लोगों को लड़नी पड़ रही है, जिनके नाम पर वोट मांगे गए थे। मौके पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अविनाश वर्मा, ओमप्रकाश पप्पू और शिवकुमार मिश्रा मौजूद थे।

जंगल में ड्रोन कैमरे से तलाशी के भी प्रशासन के हाथ खाली तीसरे दिन नहीं मिला लैब तकनीशियन का सुराग

बोकारो, एजेंसी। 27 अगस्त की सुबह ड्यूटी जाने के लिए अपने सेक्टर छह बी स्थित आवास से निकले लैब तकनीशियन संतोष कुमार का तीसरे दिन भी पुलिस को सुराग नही मिल सका।

शनिवार को सेक्टर छह कब्रिस्तान से लेकर सेक्टर 11 के जंगल में पुलिस चप्पे-चप्पे को खंगाली। ड्रोन कैमरे की भी पुलिस ने मदद ली। चार घंटे इस जंगल के ऊपर ड्रोन कैमरा घूमा लेकिन कोई सुराग नहीं मिल सका।

सेक्टर छह से लेकर सेक्टर 11 के हर संभावित ठिकानों पर तलाशी के बाद भी नतीजा शून्य रहने पर पुलिस अब दूसरे बिंदु पर भी जांच को आगे बढ़ाने की योजना बनाई है।

बता दें कि पिंड्राजोरा सरकारी अस्पताल में बतौर लैब तकनीशियन काम करने वाले संतोष 27 अगस्त की सुबह घर से ड्यूटी जाने के लिए निकले थे। घर में ही इनका मोबाइल छूट गया था। संतोष अपने कार्यालय नहीं पहुंचे तो स्वजन इधर-उधर खोजने लगे। अनहोनी की आशंका बढ़ी तो

उसी दिन तकनीशियन की पत्नी रूबी कुमारी ने थाने में उनके गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा दी। पुलिस इसके बाद जांच शुरू की।

स्वजनों के साथ मिलकर पुलिस ने जांच शुरू की तो इनकी बाइक सेक्टर 11 पेट्रोल पंप के पास लावारिश मिली। वह एक महिला के साथ बाइक पर जाते पेट्रोल पंप के सीसीटीवी कैमरों में जाते दिखे।

पुलिस ने अंतिम बार बाइक पर बैठकर जाती दिखी महिला को खोज निकाला। इससे पूछताछ हुई लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लग सका। पुलिस ने टीवी टावर के पास स्थित एक दुकान के सीसीटीवी कैमरों को के अलावा अन्य जगहों के कैमरों को खंगाला, लेकिन सेक्टर 11 पेट्रोल पंप के बाद उनका कोई सुराग हाथ नहीं लग सका।

ऑटो पर सवार होकर छिनतई, पुलिस के शिकंजे में आए दो शातिर

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में पुलिस ने अरगोड़ा इलाके से ऐसे दो अपराधी को गिरफ्तार किया है। जो ऑटो में सवार होकर महिलाओं से छिनतई की वारदातों का अंजाम देते थे। पुलिस से बचने के लिए यह अपराधी ऑटो से लूटपाट की वारदातों को अंजाम देते थे।

रांची के अरगोड़ा थाना की पुलिस ने महिला से छिनतई के मामले में दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। रांची सिटी एसपी अजित कुमार ने बताया कि गिरफ्तार दोनों स्नैचर्स बेहद शातिर हैं। दोनो पुलिस से बचने के लिए बाइक छोड़ कर ऑटो से सोने की चेन की छिनतई करते थे।

गिरफ्तार आरोपियों में नगड़ी निवासी मो। आजाद उर्फ मो। शेरू और पुंदाग के मो। मुजफ्फर शामिल है। दोनों अपराधियों ने अरगोड़ा थाना

क्षेत्र के न्यू एजी कॉपरेटिव कॉलोनी की रहने वाली पूनम सहाय के गले से सोने का चेन की छिनतई कर ली थी। इस घटना को अंजाम देकर अपराधी भागने लगे, जिसे स्थानीय लोगों की मदद से एक अपराधी को पकड़ लिया गया था। वहीं दूसरा अपराधी मौके से फरार हो गया।

आरोपी मो। आजाद उर्फ शेरू से कड़ाई से पूछताछ के बाद पुलिस ने उसकी निशानदेही पर मुजफ्फर को भी पकड़ लिया। पूछताछ में पुलिस को पता चला कि आरोपी आजाद शातिर अपराधी है। आरोपियों के पास से पुलिस ने लूटा हुआ चेन भी बरामद कर किया। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस के समक्ष अपना जुर्म स्वीकार किया है। सिटी एसपी अजित कुमार ने बताया कि पूछताछ में आरोपी आजाद उर्फ शेरू पर शहर के विभिन्न थानों में डेढ़ दर्ज मामले दर्ज हैं। आरोपी पर लोअर बाजार में आठ, चुटिया में तीन, नामकुम में एक, बेड़ों में दो के अलावा अन्य थानों में छिनतई, चोरी, लूटपाट आदि का केस दर्ज है।

भाजपा के शीर्ष नेता मिलने का समय दें, तो उनसे भी मिलकर समर्थन मांगूंगा, रांची में बोले जस्टिस रेड्डी

रांची, एजेंसी। विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज बी सुदर्शन रेड्डी अपने चुनाव प्रचार अभियान पर निकल चुके हैं। उन्होंने सभी दलों के सांसदों से अपील की है कि वे पार्टी लाइन से हटकर योग्यता के आधार पर उनका (जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी) का समर्थन करें। जस्टिस रेड्डी ने कहा कि वह सभी सदस्यों से समर्थन मांगेंगे। सभी दलों के समर्थन मांगेंगे। उन्होंने कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेता उनको मिलने का समय देंगे, तो वे उनसे भी मिलने को तैयार हैं।

मैंने राज्यसभा और लोकसभा के सभी सदस्यों को योग्यता के आधार पर मेरी उम्मीदवारी पर विचार करने के लिए पत्र भेजे

हैं। मैं सभी सदस्यों को पत्र लिख रहा हूं। अगर भाजपा के शीर्ष नेता अनुमति देते हैं, तो मैं उनसे मिलकर समर्थन मांगने को तैयार हूं।

रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि वह चाहते हैं कि यह चुनाव हाल के वर्षों में भारत में हुए सबसे शालीन और निष्पक्ष चुनावों में से एक हो। झारखंड की राजधानी रांची में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर भी सवाल उठाये। उन्होंने तर्क दिया कि बहुमत होने से किसी को अपनी मनमर्जी करने का अधिकार नहीं मिल जाता।

जस्टिस रेड्डी ने कहा, 'मैंने राज्यसभा और लोकसभा के सभी सदस्यों को योग्यता के आधार पर मेरी उम्मीदवारी पर विचार करने के लिए पत्र भेजे हैं। मैं सभी सदस्यों को पत्र लिख रहा हूं। अगर भाजपा के शीर्ष नेता अनुमति देते हैं, तो मैं उनसे मिलकर समर्थन मांगने को तैयार हूं।' जस्टिस रेड्डी ने प्रेस को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रताड़ित किया गया और उनकी गरिमा को ठेस पहुंचायी गयी।

उपराष्ट्रपति पद के लिए 9 सितंबर को होने वाले चुनाव में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन और विपक्षी दलों के संयुक्त उम्मीदवार बीएस रेड्डी के बीच मुकाबले के लिए मंच तैयार है। इस मुकाबले को 'दक्षिण बनाम दक्षिण' की लड़ाई कहा जा रहा है, क्योंकि दोनों ही उम्मीदवार दक्षिण भारत से हैं।

राधाकृष्णन जहां भाजपा की तमिलनाडु इकाई के वरिष्ठ नेता हैं, वहीं तेलंगाना निवासी रेड्डी सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश हैं। सीपी राधाकृष्णन लोकसभा के सदस्य रहे हैं। वह झारखंड के राज्यपाल भी रह चुके हैं। उपराष्ट्रपति का उम्मीदवार बनाये जाने से पहले सीपी राधाकृष्णन महाराष्ट्र के राज्यपाल थे।

सूरजमुखी की चमक

भूमि का चुनाव

सूरजमुखी की फसल हर प्रकार की मिट्टी में उगाई जा सकती है, जहां पर पानी निकास का अच्छा प्रबंध हो।

प्रमुख किस्में

सूरजमुखी की एक मात्र किस्म मार्डन बहुत लोकप्रिय है परंतु अब कई संकर किस्में भी उपलब्ध हैं जैसे बीएचएस–1, केबीएसएस–1, ज्वालामुखी, एमएसएफएच–17, सूर्या आदि।

बुवाई का समय एवं विधि

सूरजमुखी की फसल प्रकाश संवेदी है अतः इसे वर्ष में तीन वार (रबी, खरीफ एवं जायद ऋतु) में बोया जा सकता है। जायद मौसम में सूरजमुखी को फरवरी के प्रथम सप्ताह से फरवरी के मध्य तक बोना सबसे उपयुक्त होता है, जायद मौसम में कतार से कतार दूरी 45 सेमी व पौध से पौध दूरी 25–30 सेमी की दूरी पर बुवाई करें।

खाद एवं उर्वरक

बुवाई से पूर्व 7–8 टन प्रति हेक्टेयर की दर से सड़ी हुई गोबर खाद भूमि में खेत की तैयारी के समय खेत में मिलायें व अच्छी उपज के लिए सिंचित अवस्था में यूरिया 130 से 160 किग्रा, एसएसपी 375 किग्रा व पोटाश 66 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें। नाइट्रोजन की 2/3 मात्रा व स्फुर एवं पोटाश की समस्त मात्रा बोते समय प्रयोग करें एवं नाइट्रोजन की 1/3 मात्रा को बुवाई के 30–35 दिन बाद पहली सिंचाई के समय खड़ी फसल में देना लाभप्रद पाया गया है।

सिंचाई

जायद में बोयी गई (फरवरी माह में) सूरजमुखी की फसल में 3 सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। पहली सिंचाई बुवाई के 30–35 दिन बाद करें व इसी अवस्था में नाइट्रोजन की 1/3 मात्रा का उपयोग करें द्वितीय सिंचाई 20–25 दिन बाद फूल आने की अवस्था में करें एवं अंतिम सिंचाई बीज बनने की अवस्था में करें।

कीट नियंत्रण

प्रायः सूरजमुखी की फसल पर एफिड्स, जैसिड्स, हरे रंग की सुंडी व हेड बोरर का प्रकोप अधिक होता है। रस चूसक कीट, एफिड्स, जैसिड की रोकथाम के लिए इमिडाक्लोप्रिड 125 ग्राम प्रति हेक्टेयर या एसिटामिप्रिड 125 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें व सुंडी व हैड बोरर के नियंत्रण के लिए क्विनालाफॉस 20 प्रतिशत 1 लीटर दवा को या प्रोफेनोफॉस 50 ईसी 1.5 लीटर दवा को 600–700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़कें।

रोग नियंत्रण

सूरजमुखी की फसल में मुख्यतः रतुआ, डाऊनी मिल्ड्यू, हेड राट, राइजोपस हेड राट जैसी समस्याएं आती हैं। पत्ती झुलसा रोग के नियंत्रण हेतु मेन्कोजेब 3 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

फसल सुरक्षा

सूरजमुखी में बहुधा तोते सर्वाधिक नुकसान पहुंचाते हैं। तोते प्रायः दाने पड़ने की अवस्था से लेकर दाने पकने की अवस्था तक (एक माह) अधिक नुकसान पहुंचाते हैं।

कटाई एवं गहाई

फसल की कटाई उस समय करें जब कि फूल का पिछला हिस्सा नींबू जैसा पीला रंग का हो जाये और फूल झड़ जाये तो फसल तैयार समझना चाहिए। इस स्थिति में फूल को काटकर खलिहान में लायें व 3–4 दिन खलिहान में सूखने के बाद डंडों से पीटकर बीज निकालें।

उपज

सूरजमुखी की फसल 90–105 दिन में पककर तैयार हो जाती है व उन्नत विधि से उत्पादन करने पर 18–20 क्विंटल/हेक्टेयर तक उपज प्राप्त की जा सकती है।

मुनाफेदार छोटा खीरा

गरकिन को छोटा खीरा भी कहा जाता है। इसका उत्पत्ति स्थान अफ्रीका है। अर्न्तराष्ट्रीय बाजार में इस फसल ने अपना अलग स्थान बनाया है। भारत में इसकी खेती पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश एवं कर्नाटक में की जाती हैं। उपयुक्त कृषि जलवायु होने के कारण भारतीय गरकिन उच्च गुणवत्ता वाली होती है। भारत से गरकिन स्पेन, बेल्जियम, श्रीलंका, फ्रांस, इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया, कनाडा, अमेरिका, स्विटजरलेंड, हौलेंड, ब्राजील, स्वेडन, अर्जेंटीना आदि देशों में निर्यात किया जाता है। भारत में गरकिन को सम्पर्क खेती के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है। इस कृषि पद्धति में विभिन्न संस्थायें किसानों को बैंकों के माध्यम से ॠण दिलाकर तथा उच्च गुणवत्ता के पौध रोपण सामग्री उपलब्ध कराकर खेती कराते हैं तथा इनकी उपज को उचित दाम में खरीदकर एवं संग्रहित कर बाजार या प्रसंस्करण इंडस्ट्री को भेजते हैं। गरकिन का प्रसंस्करण और निर्यात 1990 में कर्नाटक में शुरू हुआ था, फिर यह धीरे–धीरे तमिलनाडू और आंध्रप्रदेश में फैल गया। रूस अधिक मात्रा में भारतीय गरकिन का आयात करता है। भारत से गरकिन का औसतन 2,25,000 मेट्रिक टन प्रतिवर्ष निर्यात होता है, जिसकी कीमत लगभग 700 करोड़ रूपये होती है। निर्यात के लिए गरकिन को बाईन, विनेगर या एसीटिक एसिड में सुरक्षित रखते हैं। एक एकड़ खेती के लिए लगभग 20,000 औसतन खर्च आता है।

जलवायु एवं मिट्टी

गरकिन की खेती वर्ष भर की जा सकती है। लेकिन उष्ण जलवायु इसके लिए उपयुक्त है। औसतन तापमान 18–24 डिग्री से.ग्रे. की आवश्यकता पड़ती है। कम तापमान अंकुरण एवं फूल को प्रभावित करता हैं। गरकिन को सभी प्रकार की मिट्टी में लगाया जा सकता है। उचित जल निकास एवं उर्वरता वाली मिट्टी इसकी खेती के लिए अनुकूल है। मिट्टी का पी एच 6–6.5 तक होना चाहिए।

बीजदर एवं बुआई

इसके लिए 11000–15000 बीज प्रति एकड़ की आवश्यकता पड़ती है। कतार से कतार के बीज की दूरी 1 मीटर तथा बीज से बीज की दूरी 30 से.मी. रखते हैं। खेत में 10 फीट की दूरी पर खंभे लगाकर उस पर तार को बांध देते हैं। जिससे पंडाल की आकृति बन जाती है। जब पौधा बड़ा होने लगता है तब जूट रस्सी की सहायता से उसे खंभा पर चढ़ा देते हैं।

सिंचाई

प्रत्येक कतार में एक ड्रिप की लाईन बिछा दें। ड्रिप की सहायता से मिट्टी में नमी के आधार पर 2–3 घंटे के अंतराल पर खेत में सिंचाई करें।

खरपतवार नियंत्रण

खेत में खरपतवार को बीज बोने से 15 दिन के अंतर पर तीन बार निकालें।

खेत की तैयारी

मिट्टी को 3–4 बार गहरी जुताई करके 10–15 टन प्रति एकड़ गोबर खाद मिलाते हैं। खेत की मेड़ 15 से.मी. ऊंची एवं 1 मीटर चौड़ी बनाते हैं। उर्वरक को मिट्टी जांच के आधार पर चार भागों में कर उपयोग करें। सामान्यतया 100 कि.ग्रा. डीएपी एवं 100 कि.ग्रा. नीम केक का उपयोग करें।

तिल

भूमि

दोमट, हल्की चिकनी एवं कछारी भूमि तिल की खेती हेतु उपयुक्त होती है।

खेत की तैयारी

अच्छी जुताई कर भुरभुरी मिट्टी वाला समतल खरपतवार रहित खेत तैयार करें। सिंचाई हेतु नालियों एवं क्यारियों की व्यवस्था करना चाहिए।

बीज की मात्रा एवं बीजोपचार

5–6 किग्रा/ हे. की दर से उन्नत किस्म के प्रमाणित कार्बेन्डाजिम (2 ग्राम/किग्रा) फफूंदनाशी से बीजोपचार कर बोयें। बीजों के समान वितरण हेतु बीज : गोबर की खाद (2:20) मिलाकर बोनी करें।

उन्नत किस्में

ग्रीष्म ऋतु हेतु तिल की अनुशंसित किस्में टीकेजी–22, टीकेजी–55, जेटीएस–8, टीकेजी–306 फरवरी के तृतीय से चतुर्थ सप्ताह में बोयें। बोने में कतारों से कतारों की दूरी 12 इंच तथा पौधों से पौधों की दूरी 4 इंच रखने से उपयुक्त पौध संख्या 3 लाख / हे. प्राप्त होती है।

खाद एवं उर्वरक

गोबर की 10 टन खाद/ हेक्टेयर तथा रसायनिक उर्वरक 60:40:20 किग्रा नत्रजन:फास्फोरसः पोटाश/ हेक्टेयर की दर से डालें। स्फुर एवं पोटाश की पूरी मात्रा और नत्रजन की आधी मात्रा बोनी के समय तथा शेष आधी नत्रजन की मात्रा बोने के 3–4 सप्ताह बाद डालें।

निराई-गुड़ाई

बोने के 15–20 दिन बाद निराई–गुड़ाई करें और उसी समय अनावश्यक घने पौधे को निकाल दें।

सिंचाई

जायद मौसम हेतु ऐसी किस्मों का चयन करें। जो कम पानी व कम समय में अधिक उत्पादन दे। सामान्य तौर पर मई–जून में 7 दिन के अंतराल पर सिंचाई करते रहना चाहिए तथा सिंचाई सुबह–शाम करें। फूल आने तथा फलियां बनते समय तिल की फसल में सिंचाई अत्यंत आवश्यक है।

कीट नियंत्रण

तिल को पत्ती मोड़क एवं फली बेधक कीट पौधों की पत्ती अवस्था में एवं फूलों के अंदर घुसकर भीतरी भाग खाकर एवं फल्ली में छेदकर फसल को नुकसान पहुंचाती है। क्विनालफॉस 25 ईसी (2 मिली/ली.) या डाइमेथियेट (1 मिली/लीटर) का आवश्यकतानुसार छिड़काव करें।

रोग नियंत्रण

तिल की फसल में तना एवं जड़ सड़न रोग, आल्टरनेरिया पत्ती धब्बा रोग का प्रकोप होता है साथ ही पर्णभाग रोग का प्रकोप होता हैं जिसमें फूल हरे पत्तियों में बदल जाते हैं। अधिक शाखायें और छोटी पत्तियां गुच्छों में होती है। रोग नियंत्रण हेतु उपयुक्त फसल चक्र अपनायें। कीट/ रोग से ग्रसित पौधों के भाग को तोड़कर/उखाड़कर तथा इल्लियों को इकटठा कर नष्ट करें। डायथेन एम–45 (2.5 ग्राम/ली.) मिलाकर बोने के 30 और 60 दिन पर आवश्यकतानुसार छिड़काव करें।

कटाई और गहाई

पत्तियां पीली होकर झड़ने लगें तथा फलियां हरी हो तभी तिल की कटाई करें। कटी फसल को लकड़ी के सहारे रखकर अच्छी तरह सुखायें। सूखे पौधों को छड़ियों से पीटकर गहाई करें।

उपज

700–800 किग्रा/ हेक्टेयर होती है।

पावरग्रिड को मानव संसाधन प्रबंधन के लिए स्कोप एमिनेंस अवॉर्ड, राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत एक महारत्न सार्वजनिक उपक्रम, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) को सम्मानित किया गया। गत 29 अगस्त को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक समारोह में भारत की माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से मानव संसाधन प्रबंधन के लिए पावरग्रिड को स्कोप एमिनेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार पावरग्रिड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रवींद्र कुमार त्यागी और निदेशक (कार्मिक) डॉ. यतींद्र द्विवेदी ने ग्रहण किया। इस अवसर पर माननीय केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री, पंकज चौधरी और डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक इंटरप्राइजेज के सचिव के. मोसेस चालई के साथ ही सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, स्कोप और पावरग्रिड के वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित थे। यह सम्मान पावरग्रिड की प्रगतिशील मानव संसाधन प्रथाओं को उजागर करता है, जो कर्मचारी-केंद्रित नीतियों, निरंतर कौशल उन्नयन और नेतृत्व विकास पर जोर देती हैं, साथ ही पूरे संगठन में नवाचार, समावेशिता और समग्र कल्याण की संस्कृति का बढ़ावा देती हैं। 31 जुलाई 2025 तक पावरग्रिड 286 सब-स्टेशनों, 1,80,849 सर्किट किलोमीटर ट्रांसमिशन लाइनों और 5,74,331 एमवीए की ट्रांसफॉमेर्शन क्षमता को कमीशन कर संचालित कर रहा है। नवीनतम उपकरणों और तकनीकों को अपनाने, स्वचालन और डिजिटल समाधानों के उन्नत उपयोग से, पावरग्रिड 99.85 प्रतिशत की औसत ट्रांसमिशन प्रणाली उपलब्धता बनाए रखने में सक्षम रहा है।

शीर्ष 10 कंपनियों में से 8 का बाजार पूंजीकरण 2 लाख करोड़ रुपये घटा

● रिलायंस को सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी।
अमेरिका द्वारा भारत से आयातित मेंथा ऑयल और अन्य उत्पादों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने से उद्योग गहरे संकट में है। इस फैसले से करोड़ों रुपये का नुकसान और लाखों किसानों व मजदूरों की आजीविका खतरे में पड़ गई है। निर्यातकों का कहना है कि अमेरिकी खरीदार बढ़ी कीमतें स्वीकार नहीं कर रहे, जिससे ऑर्डर रुक या रद्द हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश के रामपुर व मुरादाबाद के उद्योगों पर भी गंभीर असर पड़ा है। 300 करोड़ से अधिक के ऑर्डर ठप हो चुके हैं और हजारों लोगों की नौकरियां दांव पर लग गई हैं। उद्योग जगत ने सरकारी हस्तक्षेप की मांग की है।

देश की सबसे बड़ी तेल कंपनी इंडियन ऑयल

कॉर्पोरेशन पांच वर्षों में 1.66 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी तेल शोधन और ईंधन विपणन के साथ पेट्रोकेमिकल्स, प्राकृतिक गैस और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में विस्तार करेगी। कंपनी के चेयरमैन अरविंदर साहनी ने कहा, कंपनी 40,000 से अधिक ईंधन खुदरा नेटवर्क का विस्तार जारी रखेगी।

वित्त मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि जीएसटी खुफिया शाखा ने 145 करोड़ मूल्य के फर्जी चालान जारी करने से संबंधित धोखाधड़ी का पर्दाफाश किया है। 43 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। जांच में सामने आया कि कुछ लोगों ने जाली दस्तावेजों के जरिए फर्जी जीएसटी रजिस्ट्रेशन कराए और इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ लिया। तलाशी के दौरान अधिकारियों को आरोपी के ठिकाने से मोबाइल फोन, नकली आधार कार्ड, जाली दस्तावेज और गैर-कारोबारी इकाइयों के बोर्ड की तस्वीरें मिलीं। जांच से पता चला है कि फर्जी कंपनियों से बिना वास्तविक कारोबारी गतिविधियों के फर्जी इनवॉयस और ई-वे बिल बनाए गए। मंत्रालय ने कहा कि मामले में केस दर्ज कर जांच जारी है।

नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने शनिवार को कहा कि सरकार देश में बनने वाले नए और आगामी हवाईअड्डों के आसपास रियल एस्टेट गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए ठोस प्रयास करेगी, ताकि इस क्षेत्र की वृद्धि दर 15 प्रतिशत तक पहुंचाई जा सके। एक कार्यक्रम के दौरान मंत्री नायडू ने कहा, न्यूयॉर्क, लंदन और हांगकांग जैसे बड़े हवाईअड्डों से सीख लेते हुए भारत भी एयरपोर्ट के आसपास होटल, कन्वेंशन सेंटर और अन्य सुविधाएं विकसित करेगा। हवाईअड्डे केवल यात्रा का ही नहीं, बल्कि आर्थिक गतिविधियों का बड़ा केंद्र होते हैं, इसलिए इनके आसपास बड़े पैमाने पर निवेश की योजना है।

अमेरिकी टैरिफ के असर को कम करने की कोशिश कर रही सरकार

● आर्थिक मामलों की सचिव का बयान

नईदिल्ली, एजेंसी। वित्त मामलों की सचिव ठाकुर ने कहा सरकार ने जीएसटी सुधारों की भी घोषणा की है, जिससे कई वस्तुओं की कीमतों में कमी आने की उम्मीद है। इसके अलावा, उम्मीद से बेहतर मानसून कृषि उत्पादन को बढ़ावा देगा और इसके चलते ग्रामीण इलाकों में मांग बढ़ सकती है।

आर्थिक मामलों की सचिव अनुराधा ठाकुर ने कहा कि सरकार अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के प्रभाव को कम करने के लिए एक कार्य योजना पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने भारी टैरिफ वृद्धि से निपटने के लिए घरेलू मांग बढ़ाने पर फोकस किया है, जिससे टैरिफ का दबाव झेल रहीं भारतीय विनिर्माण कंपनियों को मदद मिल सकती है।

अनुराधा ठाकुर ने कहा कि कुछ ऐसे क्षेत्र हैं, जो बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार देते हैं और वे अमेरिकी टैरिफ से प्रभावित हैं। सरकार इस बात से वाकिफ है और टैरिफ के असर का आकलन कर रही है और इससे निपटने के लिए कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने बजट में नई कर व्यवस्था के तहत 12 लाख रुपये तक की आय पर शून्य आयकर की घोषणा की थी, जिससे करदाताओं को काफी बचत होगी। सरकार ने जीएसटी सुधारों की भी घोषणा की है, जिससे कई वस्तुओं की कीमतों में कमी आने की उम्मीद है। इसके अलावा, उम्मीद से बेहतर मानसून कृषि उत्पादन को बढ़ावा देगा और इसके चलते ग्रामीण इलाकों में मांग बढ़ सकती है।

आर्थिक मामलों की सचिव अनुराधा ठाकुर ने विश्वास जताया कि सरकार बजट में निर्धारित 4.4 प्रतिशत के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को प्राप्त करने की राह पर है। केंद्र का अनुमान है कि 2025-26 के दौरान राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.4 प्रतिशत होगा। ठाकुर ने जोर देकर कहा कि अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत बनी हुई है और शुक्रवार को आए निजी उपभोग के आंकड़े भी सकारात्मक रुख दिख रहे हैं। भारत की अर्थव्यवस्था अप्रैल-जून में अपेक्षा से कहीं अधिक 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जो पांच तिमाहियों में सबसे तेज है। इस पर अनुराधा ठाकुर ने कहा, हमें लगता है कि पहली तिमाही में जिन बुनियादी विशेषताओं या कारकों ने हमें अच्छी स्थिति में रखा है, वे हैं विनिर्माण, निर्माण और सेवा क्षेत्रों का अच्छा प्रदर्शन और कृषि क्षेत्र में मजबूत वृद्धि, साथ ही घरेलू मांग के कारक जिन्होंने विकास दर को मज़बूत किया है।

यूएस टैरिफ से बचने के लिए नाइजीरिया में उत्पादन की पेशकश

लागोस मुक्त क्षेत्र बन सकता है गेमचेंजर

लागोस, एजेंसी।
लाडोजा ने कहा कि अमेरिका के अलावा, एलएफजेड से दुनिया के अन्य प्रमुख वैश्विक बाजारों तक भी पहुंच आसान हो जाएगी। उन्होंने कहा कि नाइजीरिया में बने सामान यूरोपीय संघ के देशों में जीएसपी से फायदे में रहते हैं और उन्हें कम शुल्क या शून्य शुल्क देना पड़ता है।

अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, जिससे भारत का करीब 49 अरब डॉलर का व्यापार प्रभावित होने की आशंका है। अब नाइजीरिया ने भारत के उद्योगों के सामने एक पेशकश की है। नाइजीरिया ने उसके लागोस मुक्त क्षेत्र (एलएफजेड) में निर्माण करने की पेशकश की है। लागोस मुक्त क्षेत्र से अमेरिका और दुनिया के अन्य प्रमुख बाजारों तक आसान पहुंच मिलती है। एलएफजेड की प्रबंध निदेशक और सीईओ अदेसुवा लाडोजा ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ ने भारतीय कंपनियों खासकर, कपड़ा, चमड़ा और ऑटोमोबाइल के लिए कड़ी चुनौती पेश की है। लाडोजा ने कहा कि लागोस मुक्त क्षेत्र की खासियत यह है कि अमेरिका को नाइजीरियाई निर्यात पर 14 प्रतिशत तक का न्यूनतम शुल्क लगता है, जो कई अन्य देशों पर लागू शुल्कों से काफी कम है। ऐसे में भारतीय कंपनियां एलएफजेड में अपनी उत्पादन इकाइयां स्थापित कर कम टैरिफ में अमेरिका सामान भेज सकती हैं। लाडोजा ने कहा कि अमेरिका के अलावा, एलएफजेड से दुनिया के अन्य प्रमुख वैश्विक बाजारों तक भी पहुंच आसान हो जाएगी। उन्होंने कहा कि नाइजीरिया में बने सामान यूरोपीय संघ के देशों में जीएसपी से फायदे में रहते हैं और उन्हें कम शुल्क या शून्य शुल्क देना पड़ता है।

लाडोजा ने यह भी बताया कि एलएफजेड में उत्पादन से अफ्रीकी महाद्वीप के 1.4 अरब की आबादी वाले बाजार में भी पहुंच मिलेगी। उन्होंने कहा कि एलएफजेड केवल लागत-बचत वाला विकल्प ही नहीं है, बल्कि यह एक व्यापार रणनीति भी है, जो भारतीय कंपनियों का जोखिम कम करती है। गौरतलब है कि टाटा इंटरनेशनल ने लागोस मुक्त क्षेत्र में एक असेंबली प्लांट स्थापित किया है।

ईडी : बैंक के साथ 1396 करोड़ की धोखाधड़ी; 10 लग्जरी कारें

● मेसर्स आईटीसीओएल द्वारा प्राप्त ऋणों का उपयोग उन उद्देश्यों के लिए नहीं किया गया

नई दिल्ली, एजेंसी।
ईडी ने सीआईडी, हिमाचल प्रदेश पुलिस द्वारा मेसर्स आईटीसीओएल और उसके प्रमोटरों के खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर उक्त मामले की जांच शुरू की थी। आरोप लगाया गया है कि मेसर्स आईटीसीओएल के निदेशकों ने विभिन्न कंपनियों और सीए के अन्य आधिकारिक कर्मचारियों के साथ मिलकर बैंकों के एक संघ से लिए गए ऋणों का गबन किया।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), शिमला ने 30 अगस्त को ओडिशा के भुवनेश्वर में 2 परिसरों में तलाशी अभियान चलाया, जिसमें शक्ति रंजन दाश का आवासीय परिसर और उन कंपनियों का व्यावसायिक परिसर शामिल है, जिनमें शक्ति रंजन दाश प्रबंध निदेशक हैं। ये परिसर मेसर्स अनमोल माइंस प्राइवेट लिमिटेड (एएमपीएल) और मेसर्स अनमोल रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड (एआरपीएल) से जुड़े हैं। यह तलाशी अभियान मेसर्स इंडियन टेक्नोमैक कंपनी लिमिटेड (मैसर्स आईटीसीओएल) के बैंक धोखाधड़ी मामले में चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जांच के संबंध में पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत चलाया गया। शेल कंपनियों व फर्जी बिक्री से बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम से ऋण लेकर 1396 करोड़ की धोखाधड़ी की गई। ईडी ने अब इस मामले में 10 लग्जरी कारें, 3 सुपर बाइक व करोड़ों रुपये के आभूषण एवं अन्य दस्तावेज जब्त कर लिए हैं।

ईडी ने सीआईडी, हिमाचल प्रदेश पुलिस द्वारा मेसर्स आईटीसीओएल और उसके प्रमोटरों के खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर उक्त मामले की जांच शुरू की थी। आरोप

लगाया गया है कि मेसर्स आईटीसीओएल के निदेशकों ने विभिन्न कंपनियों और सीए के अन्य आधिकारिक कर्मचारियों के साथ मिलकर बैंकों के एक संघ से लिए गए ऋणों का गबन किया। ईडी की जांच से पता चला है कि मेसर्स आईटीसीओएल ने बैंकों के समक्ष जाली विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत करके और डमी/शेल कंपनियों को फर्जी बिक्री दिखाकर वर्ष 2009 से 2013 तक बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम से ऋण प्राप्त किया था। इसके अलावा, मेसर्स आईटीसीओएल द्वारा प्राप्त ऋणों का उपयोग उन उद्देश्यों के लिए नहीं किया गया जिनके लिए उन्हें मंजूरी दी गई थी। मामले में बैंक धोखाधड़ी की राशि लगभग 1396 करोड़ रुपये थी।

इस मामले में पहले ईडी ने 310 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की थी। इसके अलावा, 310 करोड़ रुपये की इन कुर्क संपत्तियों में से, 289 करोड़ रुपये की संपत्ति ईडी द्वारा अप्रैल 2025 के महीने में बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाले बैंकों के कंसोर्टियम को पहले ही बहाल कर दी गई है। मेसर्स अनमोल माइंस प्राइवेट लिमिटेड, ओडिशा (एएमपीएल) के बैंक खातों में 59.80 करोड़ रुपये जमा किए गए। इसके अलावा, यह भी पता चला कि एएमपीएल के प्रबंध निदेशक शक्ति रंजन दाश ने जानबूझकर राकेश कुमार शर्मा (मेसर्स आईटीसीओएल के प्रवर्तक) को बैंक ऋण राशि को अन्यत्र स्थानांतरित करने और ओडिशा में खनन गतिविधियों में उसका उपयोग करने में मदद की। इस प्रकार, शक्ति रंजन दाश ने उक्त राशि (अपराध की आय) को मेसर्स अनमोल माइंस प्राइवेट लिमिटेड के बैंक खातों में जमा कर दिया, जिसने इस दागी धन को अपनी लेखा पुस्तकों में बेदाग धन के रूप में प्रदर्शित किया। हालांकि ईडी की नजरों से यह घोटाला बच नहीं सका।

ईडी के तलाशी अभियान के दौरान, शक्ति रंजन दाश और उनके स्वामित्व वाली कंपनियों से संबंधित 10 लग्जरी वाहन और 3 सुपर बाइक जब्त की गई। जब्त की गई महंगी लग्जरी गाड़ियों/सुपर बाइकों में पोर्श कायेन, मर्सिडीज बेंज जीएलसी, बीएमडब्ल्यू-एक्स7, ऑडी ए3, मिनी कूपर, होंडा गोल्ड विंग बाइक आदि शामिल हैं, जिनकी कीमत 7 करोड़ रुपये से अधिक है।

निवेश को देंगे बढ़ावा

भारत-यूएई ने मजबूत व्यापारिक रिश्तों की दिशा में बढ़ाया कदम

नई दिल्ली, एजेंसी।
केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने अपनी पोस्ट में यूएई के नए विदेश व्यापार मंत्री बने डॉ थानी बिन अहमद अल जायौदी को उनकी नई जिम्मेदारी संभालने पर बधाई दी और कहा कि डॉ जायौदी का स्वागत करते हुए उन्हें गर्व महसूस हो रहा है।

भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने बुनियादी ढांचा, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में व्यापार और निवेश बढ़ाने पर बातचीत की है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को अपनी एक्स हैंडल पोस्ट में यह जानकारी देते हुए लिखा कि दोनों देशों ने साझेदारी को और गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने अपनी पोस्ट में यूएई के नए विदेश व्यापार मंत्री बने डॉ थानी बिन अहमद अल जायौदी को उनकी नई जिम्मेदारी संभालने पर बधाई दी और कहा कि डॉ जायौदी का स्वागत करते हुए उन्हें गर्व महसूस हो रहा है। गोयल ने बताया, हम दोनों के बीच हुई चर्चा का मकसद मुख्य क्षेत्रों में निवेश और व्यापार बढ़ाना और हमने साथ मिलकर नए अवसर तलाशने और साझेदारी को और गहरा करने का वादा किया।

भारत और यूएई के बीच हुए आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को तीन साल पूरे हो गए। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार, द्विपक्षीय व्यापार 2020-21 में 43.3 अरब डॉलर से बढ़कर 2023-24 में 83.7 अरब डॉलर हो गया। मौजूदा वित्त वर्ष में जनवरी 2025 तक 80.5 अरब डॉलर का व्यापार हो चुका है।

सीईपीए की सबसे बड़ी उपलब्धि गैर-तेल व्यापार का बढ़ना रहा। यह 2023-24 में 57.8 अरब डॉलर रहा। यह कुल व्यापार का आधे से अधिक हिस्सा है। सीईपीए के तहत अब लक्ष्य 2030 तक गैर-तेल व्यापार 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का है। सीईपीए लागू होने के बाद से करीब 2,40,000 सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिन यानी मूल प्रमाण पत्र जारी किए गए। इसके तहत भारत ने यूएई को 19.87 अरब डॉलर का निर्यात किया है। इससे भारत के निर्यात में उछाल आया और देश का गैर-तेल निर्यात 2023-24 में 27.4 अरब डॉलर तक पहुंच गया। सीईपीए लागू होने के बाद इसमें औसतन 25.6 फीसदी की तेज वृद्धि दर्ज की गई।

यूएस टैरिफ : ट्रंप ने जिसे आधार बनाया

, उस आपातकाल कानून में टैरिफ का जिक्र नहीं; केवल 150 दिन तक 15 प्रतिशत शुल्क का हक

नई दिल्ली, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस कानूनी प्रावधान की आड़ में भारत समेत कई देशों पर मनमाने टैरिफ लगाए हैं, उस आपातकाल कानून में टैरिफ का जिक्र तक नहीं है। देश के व्यापार कानून के तहत ट्रंप को केवल 150 दिन तक 15 प्रतिशत टैरिफ लगाने का हक है। खुद अमेरिका के अपीलीय कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि आईईईपीए कानून में शुल्क लगाने के लिए कोई प्रावधान नहीं हैं। जानिए अपीलीय कोर्ट के फैसले की बारीकियां..

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कर दिया है कि टैरिफ मुद्दे पर संघीय अपीलीय कोर्ट के फैसले के खिलाफ वह सुप्रीम कोर्ट का रुख करेंगे। व्यापार घाटे को आर्थिक आपातकाल बताकर भारत समेत कई देशों पर थोपे गए टैरिफ पर उनकी दलीलें सुप्रीम कोर्ट में कितनी खरी उतरेंगी, ये तो बाद में ही पता चलेगा। लेकिन, इतना तो साफ है कि उन्होंने

आर्थिक आपातकाल से जुड़े जिस कानून को आधार बनाया है, उसमें टैरिफ शब्द का जिक्र तक नहीं है।

विभिन्न देशों में टैरिफ लगाने के लिए ट्रंप ने दशकों पुराने आर्थिक आपातकालीन कानून आईईईपीए का सहारा लिया है, जो विदेशी अर्थव्यवस्थाओं पर वित्तीय प्रतिबंध लगाने, विदेशी व्यक्तियों और संस्थाओं की आर्थिक गतिविधियों को नियंत्रण रखने और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए असाधारण खतरों से निपटने के उपाय करने की अनुमति तो देता है। लेकिन इसमें टैरिफ लगाने जैसा कोई प्रावधान नहीं किया गया है। खुद अपील कोर्ट ने अपने फैसले में भी कहा है कि अगर अमेरिकी संसद का इरादा राष्ट्रपति को ऐसी असीमित शक्तियां देने का होता तो 1977 में बने इस कानून में वह शुल्क लगाने के बाबत स्पष्ट तौर पर कोई प्रावधान करती।

आईईईपीए अधिनियम राष्ट्रपति को कुछ वित्तीय लेनदेन को प्रतिबंधित करने या विनियमित करने का अधिकार देता है। लेकिन किसी असामान्य व असाधारण खतरे के जवाब में राष्ट्रीय आपातकाल घोषित करने के बाद शुल्क लगाने के लिए वैकल्पिक प्राधिकरणों का हवाला दे सकते हैं। बतौर उदाहरण, 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 122 राष्ट्रपति को उन देशों से आयात पर 150 दिनों के लिए 15 प्रतिशत की दर से शुल्क लगाने की अनुमति देती है, जिनके साथ अमेरिका का बड़ा व्यापार घाटा है। व्यापार अधिनियम की धारा 301 उन देशों से आयात पर कर लगाने की अनुमति देती है जो अनुचित व्यापार प्रथाओं में लिप्त पाए गए हैं।

ट्रंप ने बतौर राष्ट्रपति अपने पहले कार्यकाल के दौरान चीन के साथ अमेरिकी व्यापार युद्ध के लिए धारा 301 के अधिकार का इस्तेमाल ही किया था। आईईईपीए के बिना राष्ट्रपति की तरफ से लागू किए जा सकने वाले शुल्कों और उन्हें लागू करने के तरीके सीमित हो जाते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी खास परिस्थिति में वह कांग्रेस के समर्थन से टैरिफ लागू करने का प्रयास कर सकते थे।

अयूब और नवाज के तूफानी अर्धशतक

पाकिस्तान की यूएई पर जीत

शारजाह, एजेंसी। सैम अयूब और हसन नवाज के तूफानी अर्धशतकों की मदद से पाकिस्तान ने टी-20 त्रिकोणीय श्रृंखला में संयुक्त अरब अमीरात को 31 रन से हरा दिया। बाएं हाथ के बल्लेबाज अयूब ने 38 गेंदों पर 69 रन बनाए जबकि नवाज ने 26 गेंदों पर 56 रन की पारी खेली जिसमें छह छक्के शामिल हैं। कप्तान सलमान अली आगा ने लगातार दूसरी बार टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया और पाकिस्तान ने 20 ओवरों में 207 रन बनाए। यूएई की तरफ से तेज गेंदबाज सगीर खान ने 44 रन देकर तीन विकेट लिए। मध्यक्रम के बल्लेबाज आसिफ खान ने यूएई के लिए अपने 50वें टी-20 मैच का जश्न 35 गेंदों पर 77 रन की आक्रामक पारी के साथ मनाया, लेकिन उनके अलावा केवल कप्तान मोहम्मद वसीम (33) ही कुछ योगदान दे पाए। पाकिस्तान ने नियमित अंतराल में विकेट लेकर यूएई को आखिर में आठ विकेट पर 176 रन पर रोक दिया। पाकिस्तान की तरफ से हसन अली ने 47 रन देकर तीन विकेट लिए। बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज (21 रन देकर दो विकेट) ने भी किफायती गेंदबाजी की, जबकि सलमान मिर्जा और अयूब ने एक-एक विकेट लिया। दोनों टीमें नौ सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप से पहले त्रिकोणीय श्रृंखला में कम से कम एक बार फिर से आमने-सामने होंगी। टूर्नामेंट की तीसरी टीम अफगानिस्तान है।

सीपीएल 2025:

एक ही मैच में 2 हैट्रिक से चूककर भी छाए इमरान ताहिर

46 की उम्र में वो किया, जो कोई सोच भी नहीं सकता

नई दिल्ली, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग 2025 में इमरान ताहिर एक ही मैच में 2 बार हैट्रिक लेने से चूक गए. हालांकि, उससे चूकते हुए 46 साल के गेंदबाज ने वो किया, जिसके बारे में कोई इतनी उम्र में करने की सोच भी नहीं सकता.

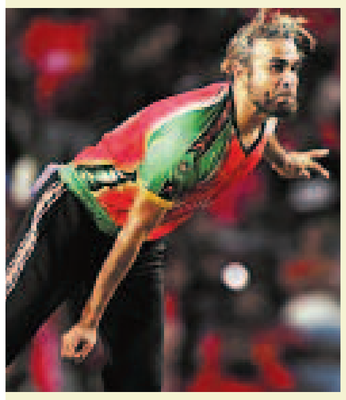

उन्होंने सीपीएल 2025 में अपने नाम का डंका बजाया. मुकाबला गयाना अमेजन वॉरियर्स और ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के बीच था. इसी मैच में गयाना की ओर से खेल रहे इमरान ताहिर नाइट राइडर्स के खिलाफ एक नहीं दो बार हैट्रिक लेने से चूकते दिखे. ऐसा कैसे हुआ, आइए जानते हैं. हुआ ये कि मुकाबले में गयाना अमेजन वॉरियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 163 रन बनाए. जवाब में 164 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नाइट राइडर्स ने बड़ी जोरदार शुरुआत की. हेल्स और मुनरो की ओपनिंग जोड़ी के बीच पहले 10 ओवर में शतकीय साझेदारी हुई. मगर उसके बाद 11वां ओवर डालने इमरान ताहिर आए.

ऐसे चूकी पहली हैट्रिक

46 साल के इस लेग स्पिनर ने मैच में डाले अपने तीसरे और नाइट राइडर्स की इनिंग के 11वें ओवर की तीसरी और चौथी गेंद पर कॉलिन मुनरो और निकोलस पूरन को आउट कर दिया. उसके बाद सबकी निगाहें ओवर की 5वीं गेंद पर जम गई. मगर ताहिर को उस पर सफलता नहीं मिली और वो इस मैच में पहली दफा हैट्रिक से चूक गए.

ऐसे दूसरी हैट्रिक से भी चूके

इमरान ताहिर के पास हैट्रिक लेने का एक और मौका आया. उन्होंने अपने तीसरे और नाइट राइडर्स की इनिंग के 11वें ओवर को विकेट के साथ खत्म किया. आखिरी गेंद पर उन्होंने कार्टी को आउट किया. इसके बाद जब वो अपना अगला यानी कि चौथा और नाइटराइडर्स की इनिंग का 15वां ओवर डालने आए तो उन्होंने पहली ही गेंद पर एलेक्स हेल्स को चलता कर दिया. मतलब, अब एक बार फिर से इमरान ताहिर हैट्रिक पर थे. उन्होंने इस बार भी कोशिश भरपूर की. अपने कोटे के आखिरी और नाइट राइडर्स की इनिंग के 15वें ओवर की दूसरी गेंद पर उन्होंने पोलार्ड को बीट भी किया. मगर वो बच गए. और, इस तरह मैच में दूसरी बार इमरान ताहिर अपने हैट्रिक से चूकते दिखे.

बीडब्ल्यूवर्ल्ड चैंपियनशिप

विश्व चैंपियनशिप में सात्विक-चिराग का कमाल

कांस्य पदक के साथ अभियान का समापन किया

पेरिस, एजेंसी। सेमीफाइनल में सात्विक-चिराग की जोड़ी चीनी जोड़ी की कड़ी चुनौती का सामना नहीं कर सकी। इसके साथ ही टूर्नामेंट में भारत का अभियान भी समाप्त हो गया। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी को यहां विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के पुरुष युगल सेमीफाइनल में चीन के 11वें वरीय चेन बो यांग और लियू यी से हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारत के लिए पदक सुनिश्चित करने के एक दिन बाद सात्विक और चिराग के पास विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बनने का मौका था लेकिन शनिवार की शाम को 67 मिनट तक चले सेमीफाइनल

मुकाबले में 19-21, 21-18, 12-21 से हारने के कारण उनका यह सपना पूरा नहीं हो पाया। भारतीय जोड़ी का विश्व चैंपियनशिप में यह दूसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने 2022 में कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग ने क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता आरोन चिया और सोह वूई यिक को हराकर 2011 से लेकर अब तक इस टूर्नामेंट में पदक जीतने का भारत का सिलसिला जारी रखा था। सेमीफाइनल में हालांकि भारतीय टीम चीनी जोड़ी की कड़ी चुनौती का सामना नहीं कर सकी। इसके साथ ही टूर्नामेंट में भारत का अभियान भी समाप्त हो गया। सात्विक और चिराग ने शुरुआती गेम में आक्रामक रवैया अपनाया और जल्द ही 9-3 की बढ़त बना ली। लेकिन चेन और लियू ने इसके बाद शानदार वापसी की और भारतीय जोड़ी को पीछे छोड़ दिया। इसके बाद चिराग तीसरे गेम प्वाइंट पर चूक गए और चीन की टीम पहला गेम जीतने में सफल रही। दूसरे गेम में भी भारतीय जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करके 5-1 की बढ़त बना ली। सात्विक के स्मैश और चिराग के नेट पर आक्रामक खेल से भारतीय टीम को बढ़त हासिल करने में मदद मिली।

इसके बाद चिराग ने नेट पर बार-बार गलतियां की और सात्विक की सर्विस भी अच्छी नहीं रही जिससे चीन की जोड़ी ने स्कोर 16-16 से बराबर कर दिया। सात्विक के जबरदस्त स्मैश और भाग्यशाली नेट कॉर्ड की बदौलत उन्होंने 21-18 से जीत हासिल की और निर्णायक गेम में प्रवेश किया। तीसरा गेम हालांकि एकतरफा रहा। लियू की सर्विस ने चिराग को बार-बार परेशान किया और चीनी जोड़ी ने 9-0 की बढ़त बना ली। भारतीय जोड़ी इंटरवल के समय 3-11 से पीछे थी और इसके बाद वह वापसी करने में नाकाम रही।

अश्विन का विदेशी लीग्स में खेलने की अफवाहें के बीच बड़ा खुलासा

आईपीएल से संन्यास के बाद ये है प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के बाद हाल ही में आधिकारिक तौर पर आईपीएल से भी संन्यास ले लिया है। जहां आईपीएल से संन्यास के बाद अश्विन के विदेशी लीग्स में खेलने की अफवाहें उड़ रही थी वहीं अब अश्विन ने खुलासा किया है कि कोचिंग उनका भविष्य हो सकता है। 38 वर्षीय अश्विन ने अपना आईपीएल करियर चेन्नई सुपर किंग्स के साथ समाप्त किया। अपने यूट्यूब चैनल ऐश की बात पर अश्विन ने खुलासा किया कि कोचिंग ही उनका भविष्य है। अश्विन ने कहा, मैं बहुत आवेगशील व्यक्ति हूं। जब मैं किसी चीज में दृढ़ विश्वास रखता हूं, तो उसके पीछे भागता हूं। अब मैं खेल में आनंद के पीछे भाग रहा हूं। मेरा अगला अध्याय शायद कोचिंग हो सकता है। इसके लिए मैं इसे एक बहुत ही महत्वपूर्ण साधन मानता हूं। मुझे विश्वास है कि खेल मुझे इसके लिए तैयार कर रहा है। दिलचस्प बात यह है कि अश्विन ने खुलासा किया कि राजस्थान रॉयल्स के साथ अपने कार्यकाल के दौरान उनके खिलाड़ी और कोच की दोहरी भूमिका निभाने पर भी चर्चा हुई थी। उन्होंने आगे कहा, दरअसल, जब मैं राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रहा था, तब हमने इस विषय (कोच-कम-खिलाड़ी) पर चर्चा की थी। मैं नाम नहीं लूंगा क्योंकि यह मेरे लिए सही नहीं होगा। लेकिन हमने इस बारे में चर्चा की थी कि क्या कोई क्रिकेटर के रूप में खेलते हुए एक ही समय में कोचिंग की भूमिका भी निभा सकता है। यह बात आगे नहीं बढ़ी।

फिटनेस टेस्ट से गुजरे रोहित शर्मा, एशिया कप से पहले शुभमन गिल समेत ये खिलाड़ी भी पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट कप्तान और टी20 उपकप्तान शुभमन गिल एशिया कप 2025 की तैयारियों और फिटनेस टेस्ट के लिए बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंच गए हैं. गिल के साथ-साथ वनडे के कप्तान रोहित शर्मा और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज भी प्री-सीजन फिटनेस टेस्ट के लिए सीओई में पहुंचे हैं. भारतीय टीम के सदस्य 4 सितंबर को दुबई में इकट्ठा होंगे, ताकि 9 सितंबर को मेजबान संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मैच की तैरी कर सकें.

38 साल के रोहित शर्मा, जो टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, वो भी सीओई में फिटनेस टेस्ट के लिए पहुंचे हैं. यह प्रक्रिया रविवार तक पूरी हो सकती है, और यह देखना रोचक होगा कि रोहित, जो अब केवल वनडे फॉर्मेट में खेलते हैं, नए सीजन की शुरुआत कैसे करते हैं. रोहित अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जा सकते हैं. इस फिटनेस टेस्ट के दौरान खिलाड़ियों को ब्रोंको टेस्ट और यो-यो टेस्ट से गुजरना है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, खिलाड़ियों के पहले दिन के टेस्ट हो गए हैं.

अक्षर पटेल से छिनेगी दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी !

इन प्लेयर्स में किसी को मिल सकता है मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग में बदलावों का दौर चल रहा है। ट्रेड विंडो के तहत कई तरह की बातचीत और कुछ बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। वहीं अब दिल्ली कैपिटल्स में अक्षर पटेल को कप्तानी से हटाने की खबरें सामने आई हैं। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल 2026 से पहले एक नए कप्तान पर विचार कर रही है। इससे टीम में केएल राहुल या फाफ डु प्लेसिस जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों के लिए भूमिका खुल जाती है। फिलहाल फ्रैंचाइजी की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

डीसी कप्तानी के लिए 3 सर्वश्रेष्ठ दावेदार

फाफ डु प्लेसिस: फाफ डु प्लेसिस का नाम इस भूमिका के लिए दूसरे सबसे अच्छे उम्मीदवार के रूप में सामने आता है। दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज ने अपनी राष्ट्रीय टीम के अलावा दुनिया भर की विभिन्न लीगों में कई फ्रैंचाइजी का नेतृत्व किया है। अनुभव की बात करें तो डु प्लेसिस के पास इसकी कोई कमी नहीं है और यह टीम को इतिहास के अब तक के सर्वश्रेष्ठ सीजन तक ले जा सकते हैं।

केएल राहुल: भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल टीम के सबसे वरिष्ठ सदस्यों में से एक हैं। आईपीएल 2025 में वह उनकी बल्लेबाजी का अहम हिस्सा थे। टीम में राहुल के महत्व और फ्रैंचाइजी तथा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में कप्तानी का अनुभव होने के कारण, यह भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी उनके लिए सबसे अच्छा विकल्प लग रहा है।

ट्रिस्टन स्टब्स: दक्षिण अफ्रीकी युवा खिलाड़ी आईपीएल 2025 के दौरान दिल्ली कैपिटल्स टीम के सबसे महत्वपूर्ण बल्लेबाजों में से एक थे। ट्रिस्टन स्टब्स कैपिटल्स के लिए एक दीर्घकालिक निवेश प्रतीत होते हैं। आगे चलकर कैपिटल्स उन्हें एक लीडर के रूप में प्रोजेक्ट कर सकते हैं और उनके इर्द-गिर्द टीम बना सकते हैं।

कीरोन पोलार्ड का जश्न 24 घंटे भी नहीं चला

एक ही दिन में आगे निकल गए इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स

तरौबा, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग के दौरान कीरोन पोलार्ड ने टी20 क्रिकेट में अपने 14000 रन पूरे किए। अब एक दिन बाद ही इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स के भी टी20 में 14 हजार रन हो गए हैं। हेल्स भी इसी लीग में खेल रहे हैं और पोलार्ड की टीम त्रिबागो नाइट राइडर्स का ही हिस्सा हैं। हेल्स ने गुयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ हुए मुकाबले में 74 रनों की पारी खेली। इसी पारी के दौरान उनके 14 हजार रन पूरे हो गए।

हेल्स 14 हजार रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज

एलेक्स हेल्स टी20 क्रिकेट में 14 हजार रन बनाने वाले दुनिया के तीसरे और इंग्लैंड के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। हेल्स और पोलार्ड से पहले वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम इस फॉर्मेट में 14000 रन थे। 36 साल के हेल्स ने 2009 में टी20 डेब्यू किया था। अभी तक 505 पारियों में उन्होंने 30 की औसत से 14024 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 7 शतक और 89 अर्धशतक

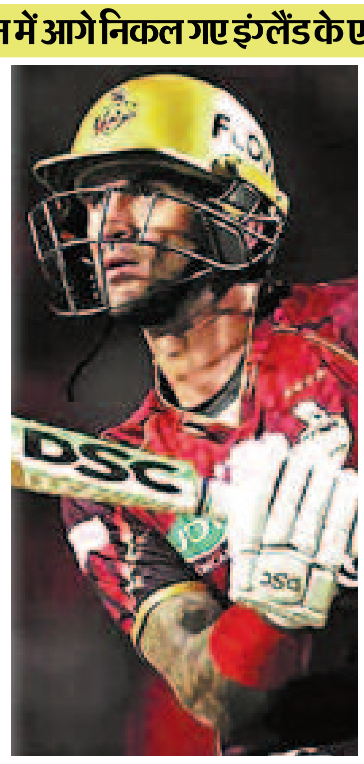

निकले। टी20 में उनका स्ट्राइक रेट 145.44 का है। हेल्स सबसे ज्यादा टी20 रन बनाने वाले एक्टिव बल्लेबाज भी बन गए हैं।

रनों में पोलार्ड से आगे निकले हेल्स

एलेक्स हेल्स टी20 में रन बनाने के मामले में कीरोन पोलार्ड से आगे निकल गए हैं। पोलार्ड पोलार्ड ने गुनाया के खिलाफ मैच में 12 रन बनाए। इस तरह उनके इस फॉर्मेट में 14012 रन हैं। वहीं हेल्स के 14024 रन हो गए हैं। क्रिस गेल के सबसे ज्यादा 14562 रन हैं। गेल ने 2022 के बाद टी20 नहीं खेला है। ऐसे में पोलार्ड और हेल्स दोनों के पास ही टॉप पर जाने का मौका है।

सबसे ज्यादा टी20 रन बनाने वाले बल्लेबाज

क्रिस गेल-14562 रन
कीरोन पोलार्ड- 14024 रन
एलेक्स हेल्स- 14012 रन
डेविड वार्नर-13595 रन
शोएब मलिक- 13571 रन

गुयाना अमेजन वॉरियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 163 रन बनाए, जिसके जवाब में नाइट राइडर्स ने 17.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

थप्पड़कांड वीडियो विवाद पर ललित मोदी का श्रीसंत की पत्नी को जवाब, बोले- मैंने सच साझा किया

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर श्रीसंत की पत्नी भुवनेश्वरी ने हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क को आड़े हाथों लिया था, क्योंकि उन्होंने 2008 आईपीएल स्लैप-गेट विवाद का अनदेखा वीडियो सार्वजनिक किया। यह घटना श्रीसंत और हरभजन सिंह के बीच में हुई थी। अब ललित मोदी ने भुवनेश्वरी की आलोचना का जवाब दिया है।

यह विवाद तब शुरू हुआ, जब एक पॉडकास्ट के दौरान मोदी और क्लार्क आईपीएल के पुराने किस्सों पर चर्चा कर रहे थे। इसी दौरान ललित मोदी ने वह अनदेखा क्लिप जारी किया, जिसमें मैच खत्म होने के बाद हैंडशेक के दौरान हरभजन सिंह, श्रीसंत को थप्पड़ मारते नजर आए। इस घटना के चलते हरभजन पर 11 मैचों का प्रतिबंध लगा था। ललित मोदी ने आईएएनएस को बताया, मुझे नहीं पता कि वह (श्रीसंत की पत्नी भुवनेश्वरी) क्यों नाराज हैं।

मैग्नस कार्लसन 8 महीने पहले जिस कारण मुकाबले से हुए बाहर

FIDE ने उस नियम में किया बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। शतरंज की नियम बनाने वाली 101 साल पुरानी संस्था इंटरनेशनल चेस फेडरेशन, फिडे ने अपने ड्रेस कोड में ढील दी है। उसने खिलाड़ियों को आगामी ग्रैंड स्विस और महिला ग्रैंड स्विस टूर्नामेंटों में उपयुक्त जींस पहनने की अनुमति दी है। फिडे का यह कदम मैग्नस कार्लसन के 'जींस पहनने' विवाद के आठ महीने बाद आया है। मौजूदा पीढ़ी के शतरंज के सबसे महान खिलाड़ी कार्लसन ने जींस पहनने के लिए जुर्माना लगने के बाद फिडे वर्ल्ड रैपिड चैंपियनशिप को बीच में ही छोड़ दिया था। कार्लसन ने कहा था कि उन्होंने सिद्धांत के आधार पर इस ??टूर्नामेंट को छोड़ दिया था। उन्होंने बाद में उस विशेष जींस को ईबे पर एक ऑनलाइन नीलामी में 31 लाख रुपये (36,100) में बेच दिया।

ड्रेस कोड में बदलाव - ड्रेस कोड में बदलाव के बाद भी कार्लसन के उज्बेकिस्तान के समरकंद में 3 से 16 सितंबर तक होने वाले ग्रैंड स्विस इवेंट में खेलने की संभावना नहीं है, लेकिन शुक्रवार (29 अगस्त) को प्रकाशित संशोधित फिडे नियमों का मतलब है कि अन्य खिलाड़ियों को तीन रंगों नीले, काले और भूरे रंग की नॉन-डिस्ट्रेस्ड जींस पहनकर खेलने की अनुमति होगी।

जींस पहनने की अनुमति - फिडे के एक बयान में कहा गया है, आधिकारिक ड्रेस कोड के तहत अब उपयुक्त जींस पहनने की अनुमति है। यह बदलाव खिलाड़ियों को ज्यादा आराम और अपनी पसंद चुनने की आजादी देता है। साथ ही यह सुनिश्चित करता है कि आयोजन का समग्र स्वरूप पेशेवर और सम्मानजनक बना रहे।

विश्वनाथन आनंद ने बताया नियमों में बदलाव की वजह

फिडे के उपाध्यक्ष और पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने शनिवार को द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि शतरंज संस्था ने कई खिलाड़ियों से सलाह-मशविरा करने के बाद यह फैसला लिया। समरकंद का मौसम भी इसमें एक अहम वजह था। आनंद ने कहा, वहां अभी भी गर्मी पड़ रही है, इसलिए हम फॉर्मल सूट को लेकर ज्यादा सख्ती नहीं बरतना चाहते थे, ताकि खिलाड़ी आराम से रह सकें। आराम सबसे पहली प्राथमिकता है।

आनंद क्या पहनना पसंद करेंगे

जब आनंद से पूछा गया कि यदि उन्हें जींस और फॉर्मल सूट में से कोई एक चुनने को कहा जाए तो वे क्लासिकल टूर्नामेंट में क्या पहनना पसंद करेंगे तो उन्होंने कहा कि उन्हें कभी-कभार जींस पहनकर खेलने में कोई आपत्ति नहीं होगी। उन्होंने कहा, अगर मुझे कोई क्लासिकल टूर्नामेंट खेलना होता है तो मैं आमतौर पर आरामदायक पैंट पहनता हूं। मैं हमेशा फॉर्मल जैकेट नहीं पहनता। हालांकि, मैं बोर्ड पर एक जैकेट ले जाता हूं और यह मेरे लिए ठीक रहता है। मैं जींस पहन सकता हूं या नहीं भी। मैं आमतौर पर उद्घाटन और समापन समारोह के लिए बहुत ही फॉर्मल कपड़े पहनता हूं, जब तक कि किसी विश्व खिताबी मुकाबले में इसकी जरूरत न पड़े।

फैंस ने बताया सुपर मॉम

माही विज ने बेटी खुशी का दिल छू लेने वाला वीडियो किया पोस्ट

लागी तुझसे लगन, बालिका वधू, अकेला, कैसी लगी लगन, और शुभ कदम जैसे टीवी सीरियल में काम कर चुकी अभिनेत्री माही विज ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया, जिसमें माही बेटी खुशी के साथ जुदाई-जुदाई गाने का वीडियो बनाती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने इसे कैप्शन दिया, ये मेरी सबसे बड़ी कमजोरी है, जिसके आगे मैं हर बार हार जाती हूं। इसका होना मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी किस्मत हैज और, जब इसने पहली बार मुझे मम्मा कहा था, वो पल मेरी दुनिया का सबसे खूबसूरत लम्हा बन गया था। अभिनेत्री का यह वीडियो प्रशंसकों को काफी पसंद आ रहा है। वे माही की सुपर मॉम, स्वीट, और बेस्ट मॉम जैसे शब्दों से सराहना कर रहे हैं।

अभिनेत्री सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अपने बच्चों के साथ अक्सर वीडियो बनाती हैं और इंस्टाग्राम पर पोस्ट भी करती हैं। इससे पहले उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें वह उनके साथ खेलती नजर आ रही थीं। अभिनेत्री ने इसे कैप्शन दिया था, मेरे बच्चे ही मेरी ताकत हैं, मेरी सबसे बड़ी खुशी हैं। तुम्हें बढ़ते और खिलते देखना मेरे जीवन का सबसे अनमोल सुख है। मां बनने का सौभाग्य देने के लिए धन्यवाद। माही विज और जय भानुशाली ने साल 2011 में शादी की थी। इस कपल ने 2017 में दो बच्चों, राजवीर और खुशी, को फॉस्टर पैरेंट बनकर अपनाया था। वहीं, 2019 में आईवीएफ के जरिए अपनी बेटी तारा का स्वागत किया।

माही के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्होंने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। इसके बाद उन्हें टीवी शो लागी तुझसे लगन में नकुशा के किरदार से बड़ी पहचान मिली। उन्होंने कई अन्य टीवी शो जैसे बालिका वधू में भी काम किया। साल 2019 में बेटी तारा के जन्म के बाद से उन्होंने छोटे पर्दे से दूरी बना ली और तब से अपने परिवार को समय दे रही हैं।

रणवीर शोरे ने बताया क्यों ठुकराई टाइगर जिंदा है

● फीस में की गई थी कटौती, टाइगर-3 में कैरेक्टर मरता दिखाए जाने पर हो गए गुस्सा

एक्टर रणवीर शोरे सलमान खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म एक था टाइगर में नजर आए थे, हालांकि दूसरी फिल्म टाइगर जिंदा है में वो नजर नहीं आए। अब रणवीर शोरे ने खुद दूसरी फिल्म छोड़ने की वजह बताई है। साथ ही ये भी कहा है कि दूसरी फिल्म ठुकराने के बावजूद वो गुस्से में टाइगर 3 का हिस्सा बने थे। हाल ही में डिजिटल कमेंट्री को दिए इंटरव्यू में रणवीर शोरे ने टाइगर जिंदा है न करने पर कहा, टाइगर 2 (टाइगर जिंदा है) भी मुझे ऑफर हुई। पहली जब बनी तो जब मैं स्क्रीनिंग पर गया तो यश जी थे सलीम साहब थे उन्होंने भी मेरी पीठ थपथपाई औप कहा बहुत अच्छा काम किया तुमने।

मैं भी खुश यार। लेकिन जब पार्ट टू की स्क्रिप्ट आई, रोल मेरा पहले वाले से भी छोटा और पैसे जो ऑफर कर रहे हैं वो पहले वाले से भी कम थे, तो मैंने कहा ऐसा क्यों कर रहे हो यार। अगर लोग मेरे रोल की तारीफ कर रहे हैं तो आपको रोल बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा, नहीं यही है, तो फिर मैंने मना कर दिया। आगे रणवीर शोरे ने कहा, तीसरे पार्ट (टाइगर 3) में क्या हुआ कि गिरीश जी (गिरीश कर्नाड) का निधन हो गया था। तो टाइगर की ओरिजिनल टीम थी, उसमें मैं ही बचा था, गिरीश जी थे और मैं था। इस बार भी मुझे जो रोल मिला, वो तो आपने देखा ही है, हम इस बारे में बात कर सकते हैं कोई स्पॉइलर नहीं है। तो मैंने कहा तुम मुझे वापस बुला रहे हो मारने के लिए, उन्होंने कहां, हां। पहले तो मुझे भी चोट लगी, लेकिन फिर कहते हैं न गुस्से में आकर कहा कि ठीक है मैं अपने कैरेक्टर को मौत देने आ जाऊंगा। अगर तुम ये इज्जत दे रहे हो इस कैरेक्टर को तो मरने के लिए मैं आ जाऊंगा।

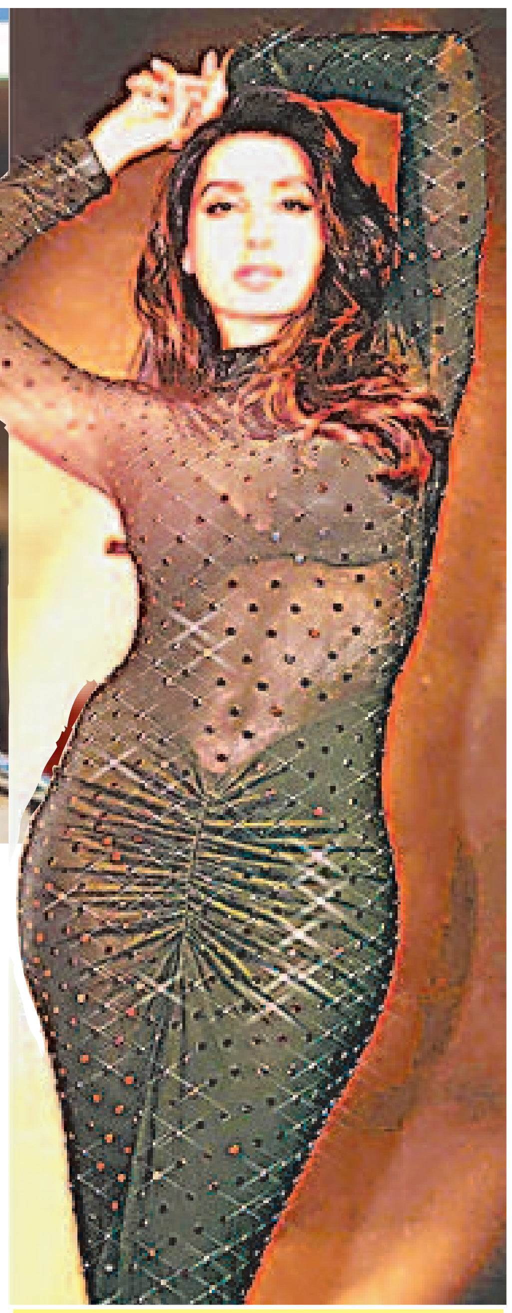

ग्लोबल स्टार नोरा फतेही ने

8.6 करोड़ मंथली लिस्नर के साथ एक नया मुकाम किया हासिल

ग्लोबल स्टार नोरा फतेही लगातार म्यूजिक की दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बना रही हैं। यूट्यूब पर 86 मिलियन मासिक श्रोताओं के साथ, जो यह दर्शाता है कि उनका संगीत सीमाओं से परे जाकर लोगों के दिलों को छू रहा है। उनके गानों में विभिन्न संस्कृतियों का मेल और एक अनोखा अंदाज़ दिखता है, जो उन्हें बाकी कलाकारों से अलग बनाता है। यह बढ़ती लोकप्रियता सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि उनके संगीत की उस सार्वभौमिक अपील को दर्शाती है जो भाषाओं और देशों की सीमाओं से परे तक जाती है।

यह पहली बार नहीं है जब नोरा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसी उपलब्धि हासिल की हो। जेसन डेरुलो के साथ उनका इंटरनेशनल कोलैबरेशन स्नेक ने 130 मिलियन से ज़्यादा व्यूज़ हासिल कर चुका है। जिससे यह साबित हुआ कि वह भारतीय सीमाओं से परे भी अपनी पहचान बनाने में सक्षम हैं। इसके अलावा, रेवान्नी के साथ उनका वायरल अफ्रीकी बीट्स से प्रेरित गाना ओह मामा! टेटेमा को भी काफी पसंद किया गया। यह साफ़ है कि नोरा अब ग्लोबल म्यूजिक सीन में अपनी खास जगह बना चुकी हैं – जहां वह गायकी, डांस और विजुअल स्टोरीटेलिंग को मिलाकर एक अनोखी कला प्रस्तुत करती हैं। इस बड़ी खबर पर नोरा ने अपनी खुशी और हैरानी को इंस्टाग्राम स्टोरी में ज़ाहिर किया। उन्होंने कहा, मुझे अभी-अभी पता चला कि यूट्यूब पर मेरे 86 मिलियन मासिक श्रोता हैं। मुझे तो यह भी नहीं पता था कि यूट्यूब पर मासिक श्रोताओं की गिनती होती है। ओ माय गॉड, यह तो पागलपन है! मैं थोड़ी हैरान हूं, लेकिन यह वाकई कमाल है। आप सभी का बहुत-बहुत शुक्रिया कि आपने मेरी म्यूजिक को इतना प्यार दिया। और हालाँकि 8.6 करोड़ मासिक श्रोताओं की संख्या बहुत बड़ी है, इतने बड़े आंकड़े के बावजूद नोरा अभी और आगे की सोच रही हैं। उन्होंने बताया, नई म्यूजिक आने वाली है। मैं कुछ बहुत खास पर काम कर रही हूं। अगला महीना यानी अक्टूबर, बहुत बड़ा होगा। कुछ धमाकेदार आने वाला है। इन आंकड़ों को और खास बनाता है उनका ऑर्गैनिक फैनबेस – जो स्वाभाविक रूप से बढ़ा है। उनका संगीत केवल क्लब्स या इवेंट्स में ही नहीं, बल्कि दुनियाभर के लोगों की पर्सनल प्लेलिस्ट्स का हिस्सा बन चुका है। यह इस बात का प्रमाण है कि वह भाषा, ध्वनि और संस्कृति के मेल को एक ऐसे रूप में पेश करती हैं, जो हर किसी को अपना दिवाना बना लेता है। फैंस के बीच अब अगली रिलीज़ को लेकर उत्साह चरम पर है, और यह लहर और भी बड़ी होती जा रही है। नोरा जहां म्यूजिक में ग्लोबली छाई हुई हैं, वहीं उनकी ऑन-स्क्रीन करियर भी तेजी से ऊंचाइयां छू रही है और उनकी स्टार पावर और भी निखरने वाली है।

कपिल शर्मा के शो में खुला राज

अपने पार्टनर में कुछ खास खूबियां चाहती हैं जान्हवी

जान्हवी कपूर की रोमांटिक फिल्म 'परम सुंदरी' रिलीज हो चुकी है, इस फिल्म के प्रमोशन के लिए वह कॉमेडियन कपिल शर्मा के शो पर भी पहुंची थी। इस शो पर जान्हवी ने कुछ खूबियां का जिक्र जो वह अपने पार्टनर चाहती हैं। हाल ही में जान्हवी कपूर को 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में फिल्म 'परम सुंदरी' के को-एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ देखा गया। दोनों ने जहां फिल्म को लेकर बातचीत की, वहीं अपनी लव लाइफ के बारे में भी कुछ बातें साझा कीं। जान्हवी ने बताया कि वह अपने पार्टनर में क्या-क्या खूबियां चाहती हैं। कपिल शर्मा ने शो में पूछा कि जान्हवी आपको कैसे इंप्रेस किया जाए? इस पर वह बोलीं- 'यह खाने पर आधारित है, सर।' आगे सिद्धार्थ मल्होत्रा कहते हैं, 'इन्हें एक कुक चाहिए।' फिर जान्हवी कपूर कहती हैं, 'मेरे पार्टनर को खाना बनाना आना चाहिए, वह खाने के शौकीन होने चाहिए। हां, वह तीखा खाना सहन कर पाते हों।' दरअसल, जान्हवी को तीखा खाना बहुत पसंद है। वह आगे जवाब देती हैं, 'बेशक, खाने के साथ अगर हरी मिर्ची साइड में नहीं रखी तो वो खाना ही क्या है? बताते चलें कि असल जिंदगी में जान्हवी कपूर का नाम बिजनेसमैन शिखर पहाड़िया से जुड़ा जाता है, दोनों को अक्सर साथ डेट पर देखा भी जाता है। जान्हवी कपूर की फिल्म 'परम सुंदरी' को बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। पहले दिन यानी बीते शुक्रवार को इसने 7.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। वहीं आज 4.57 करोड़ रुपये (शुरुआती आंकड़े) का कलेक्शन किया है। इस फिल्म का कुल कलेक्शन अब तक 11.82 करोड़ रुपये हो चुका है।

अक्षरा सिंह के जन्मदिन पर इंडस्ट्री के दोस्तों ने दी खास बधाई

भोजपुरी सिनेमा की अदाकारा अक्षरा सिंह एक्टिंग और गायिकी से भी दर्शकों के बीच सुर्खियों में बनी रहती हैं। उन्होंने शनिवार को 32वां जन्मदिन मनाया। इस मौके पर उनके दोस्त और इंडस्ट्री के कलाकारों ने भी उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से शुभकामनाएं दी हैं। अभिनेत्री निधि झा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अक्षरा संग तस्वीरें साझा कीं और इसके बैकग्राउंड में अपूर्वा शेट्टी की आवाज में हैप्पी बर्थडे टू यू गाना ऐड किया। निधि ने इसे कैप्शन दिया, हैप्पी बर्थडे स्वीटहार्ट। अभिनेत्री काजल राघवानी ने भी इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अक्षरा की एक तस्वीर पोस्ट की, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, हैप्पी बर्थ बर्थडे, अक्षरा सिंह। अभिनेत्री

मोनालिसा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अक्षरा सिंह की हालिया पोस्ट की तस्वीर साझा कर इसको कैप्शन दिया, हैप्पी बर्थडे, मेरी अक्षरा सिंह। अभिनेत्री आम्रपाली दुबे ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक पोस्ट साझा की, जिसमें अक्षरा सिंह ग्रीन साड़ी में नजर आ रही हैं। आम्रपाली ने इसे कैप्शन दिया, हैप्पी बर्थडे अक्षरी सिंह। हमेशा खुश रहो। अभिनेता दिनेश लाल यादव निरहुआ ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट की, जिसमें वह और अक्षरा साइकल में बैठे नजर आ रहे हैं। वीडियो देख फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि ये वीडियो उनकी पुरानी किसी फिल्म का है। अभिनेता ने इसे कैप्शन दिया, जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। एक्टर विक्रांत सिंह राजपूत ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अक्षरा संग तस्वीर पोस्ट की और इसको कैप्शन दिया, जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई अक्षरा सिंह। हमेशा चमकते रहो, मुस्कराते रहो और धमाल मचाते रहो।

पवन सिंह ने अंजलि राघव से मांगी माफी

➲ कमर छूने पर बवाल मचने के बाद कहा- मेरा इरादा गलत नहीं था, हम सभी कलाकार हैं

अंजलि राघव की कमर पर छूने को लेकर बवाल मचने के बाद भोजपुरी स्टार पवन सिंह ने माफी मांग ली है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि उनके इरादे गलत नहीं थे। फिर भी अगर उन्हें बुरा लगा हो तो वो माफी मांगते हैं। उनका पोस्ट वायरल हो रहा है। भोजपुरी स्टार पवन सिंह विवादों में फंस गए हैं। लखनऊ में हुए एक इवेंट में उन्होंने एक्ट्रेस अंजलि राघव की कमर को छुआ, जिससे बवाल मच गया। हर तरफ उनकी आलोचना हुई। एक्ट्रेस ने तो इंडस्ट्री छोड़ने का ऐलान तक कर दिया। अब पवन ने उनसे माफी मांगी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है और लिखा कि उनका इरादा गलत नहीं था, सभी कलाकार हैं, फिर भी बुरा लगा हो तो माफी मांगते हैं। पवन सिंह ने इंस्टाग्राम स्टेटस पर राघव से माफी मांगी है। उन्होंने लिखा है, अंजलि जी व्यस्त शेड्यूल के कारण मैं आपका लाइव देख नहीं पाया, मुझे जब इस बात की जानकारी हुई तो मुझे बुरा लगा, मेरा आपके प्रति कोई भी गलत इंटेंशन (इरादा) नहीं था, क्योंकि हम लोग कलाकार हैं। पवन सिंह ने आगे लिखा, इसके बावजूद अगर आपको हमारे किसी भी व्यवहार से तकलीफ हुई हो तो उसके लिए मैं क्षमा प्रार्थी हूं।

पवन सिंह का क्रिप्टिक नोट

इससे पहले पवन सिंह ने अपनी एक फोटो शेयर की थी, जिसमें वो हाथ जोड़कर खड़े हैं। उन्होंने क्रिप्टिक नोट में लिखा, एक कहावत है- जिस तन लागे सो तन जाने । कोई न जाने पीर पराई ।। यानी जिसे दर्द या तकलीफ होती है, वही उसका अनुभव कर सकता है।

जावेद बोले- किस्मत ने यह मौका नहीं दिया

मोहम्मद रफी के लिए ना लिख पाने का अफसोस

मुंबई में शनिवार को मशहूर गायक मोहम्मद रफी की याद में एक खास संगीतमय कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस मौके पर दिग्गज गीतकार जावेद अख्तर और अभिनेता जितेन्द्र विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का नाम था 'रूह-ए-रफी', जिसमें संगीत की दुनिया के कई कलाकारों ने रफी साहब को अपनी श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर जावेद अख्तर ने भावुक होते हुए कहा कि उनका सबसे बड़ा अफसोस यही है कि वो उस दौर में गीत नहीं लिख पाए जब रफ़ी साहब जिंदा थे। उन्होंने बताया कि जब वह इंडस्ट्री में आए, तब वह बतौर स्क्रिप्ट राइटर सक्रिय थे और गीत लिखने का सिलसिला बाद में शुरू हुआ। अख्तर ने कहा कि दिल में हमेशा यह ख्वाहिश रही कि कभी उनके लिखे गीत को रफी साहब अपनी आवाज दें, लेकिन किस्मत ने यह मौका नहीं दिया।

मोहम्मद रफी के गीत- उन्होंने अपने पसंदीदा रफी गीतों का जिक्र भी किया, जिनमें जाग दिल ए दीवाना, मेरी दुनिया में तुम आई, साथी न कोई मंजिल और हुई शाम उनका ख्याल आ गया जैसे अमर गीत शामिल रहे। अख्तर ने कहा कि किसी सभ्य समाज की पहचान यही है कि वह अपने कलाकारों को याद रखता है और उन्हें सम्मान देता है। रफी साहब की आवाज लोगों के दिलों में आज भी वैसी ही गूंजती है जैसी उनके जमाने में गूंजा करती थी।

जितेंद्र की पुरानी धुनों को लेकर राय- वहीं अभिनेता जितेन्द्र ने भी रफी साहब के योगदान और पुराने संगीत की खूबसूरती पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि आजकल हर दिन नए गायक सामने आ जाते

हैं, लेकिन पुराने समय में सिर्फ चार-पांच गायक थे जिनकी आवाजों ने दशकों तक राज किया। जितेंद्र ने साफ कहा कि लता मंगेशकर, आशा भोसले, रफी साहब और किशोर कुमार जैसी शख्सियतों का जादू दोबारा पैदा करना लगभग नामुमकिन है। उनके मुताबिक आज भले ही टैलेंट की कोई कमी नहीं, लेकिन उस दौर की आत्मा और गहराई अब नहीं मिल पाती।

रफी साहब की अमर आवाज

रफी साहब के लिए आयोजन- बता दें यह संगीतमय संध्या वरिष्ठ आईआरएस अधिकारी, संगीतकार और लेखक राजेश धाबरे द्वारा प्रस्तुत की गई थी।

धाबरे लंबे समय से रफी साहब की गायकी और उनकी विरासत को लोगों तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। इस शाम को 'रूह-ए-रफी' नाम देकर उन्होंने रफ़ी की आत्मा और सुरों को श्रद्धांजलि दी।